https://t.me/ShekhawatiMission100

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन 100

2026

(कक्षा 12)

भूगोल

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

पढ़ेगा राजस्थान
बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

संयोजक कार्यालय – संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

शेखावाटी मिशन - 100 मार्गदर्शक

संगीता मानवी

संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चूरू संभाग, चूरू

महेन्द्र सिंह बड़सरा

संभागीय कॉर्डिनेटर, शेखावाटी मिशन 100
संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

संकलनकर्ता टीम : भूगोल

रामावतार भदाला

तकनीकी सहयोगी शेखावाटी मिशन - 100

नरेंद्र सिंह कुड़ी

रा.उ.मा.वि.,बनाथला,
(सीकर)

मुकेश सिंह

समसा, (सीकर)

राजेंद्र प्रसाद

रा.उ.मा.वि. - लढाना
(सीकर)

मालीराम जाट

रा.उ.मा.वि. - रामजीपुरा
(सीकर)

सुरेन्द्र सिंह

रा.उ.मा.वि. - दुधवा
(सीकर)

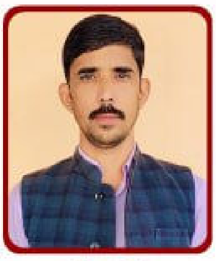

महेंद्र सिंह

रा.उ.मा.वि. - लाम्पुआ
(सीकर)

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन 100

2026

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट PDF डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट
डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम
QR CODE स्कैन करें

पढ़ेगा राजस्थान

बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

प्रश्न-पत्र की योजना 2025-2026

कक्षा - 12th

विषय - भूगोल

अवधि - 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक - 56

1. उद्देश्य हेतु अंकभार-
2. प्रश्नों के प्रकार अनुसार अंकभार -

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1	ज्ञान	17 ½	31.25
2	अवबोध	16	28.57
3.	ज्ञानोपयोग	11 ½	20.54
4.	कौशल	05 ½	9.82
5.	विश्लेषण	05 ½	9.82
	योग	56	100

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रतिप्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंकों का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1	बहुविकल्पात्मक	18	1 / 2	09	16.07	34.62	35
2	रिक्तस्थान	10	1 / 2	05	08.93	19.23	35
3	अतिलघुत्तरात्मक	09	01	09	16.07	17.31	25
4	लघुत्तरात्मक	08	1 1 / 2	12	21.43	15.38	45
5	दीर्घउत्तरीय	03	03	09	16.07	5.76	30
6	निबंधात्मक	02	04	08	14.29	3.85	25
7	मानचित्र कार्य	02	02	04	07.14	3.85	15
	योग	52		56	100	100	195 मिनट

शेखावाटी मिशन-100

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में है

3. विषय वस्तु का अंकभार-

क्र. सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
	इकाई–1 अध्याय – 1 मानव भूगोल	3	5.35
	इकाई–2 अध्याय –2 विश्व जनसंख्या	5	8.93
	अध्याय – 3 मानव विकास		
	इकाई–3 अध्याय –4 प्राथमिक क्रियाएं		
	अध्याय – 5 द्वितीयक क्रियाएं		
	अध्याय – 6 तृतीयक और चतुर्थक क्रियाकलाप	18	32.14
	अध्याय – 7 परिवहन एवं संचार		
	अध्याय – 8 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार		
	मानचित्र	2	3.58
	इकाई–1 अध्याय – 1 जनसंख्या	3	5.35
	इकाई–2 अध्याय – 2 मानव बस्तियाँ	2	3.58
	इकाई–3 अध्याय – 3 भूसंसाधन एवं कृषि		
	अध्याय – 4 – जल संसाधन		
	अध्याय – 5 – खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	14	25
	अध्याय– 6– भारत के संदर्भ में नियोजन एवं सतत् पोषणीय विकास		
	इकाई–4 अध्याय – 7 परिवहन एवं विकास		
	अध्याय – 8 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार	4	7.14
	इकाई–5 अध्याय – 9 भौतिक परिवर्तन में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्यायें	3	5.35
	मानचित्र	2	3.58
	योग	56	100

प्रश्न–पत्र ब्ल्यूप्रिन्ट 2025–2026

कक्षा:– 12वीं | विषय:– भूगोल | समय :– 3 घण्टे 15 मिनिट

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग						कौशल						विश्लेषण						योग
		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1	इकाई – 1	1/2(2)	1/2(2)														1¼(1)															3(4)
2	इकाई –2	1/2(3)	1/2(3)	1(1)						1(1)																						5(8)
3	इकाई – 3	1/2(6)	1/2(2)					1/2(1)		1(1)	1½(1)	3(1)*				1(1)	1½(1)												1½(1)		4(1)*	18(16)
4	इकाई – 4 (मानचित्र)		18																						2(1)*							2(1)
5	इकाई –1	1/2(2)		1(1)						1(1)																						3(4)
6	इकाई – 2	1/2(1)	1/2(3)																													2(4)
7	इकाई – 3			1(1)								3(1)*	4(1)*				1½(1)	3(1)*				1½(1)										14(6)
8	इकाई – 4	1/2(2)	1/2(1)	1(1)													1½(1)															4(5)
9	इकाई – 5	1/2(1)								1(1)							1½(1)															3(3)
10	इकाई – 6 (मानचित्र)																								2(1)*							2(1)
	योग	8½(17)	5(10)	4(4)				1/2(1)		4(4)	1/2(1)	6(2)	4(1)			1(1)	7¼(5)	3(1)				1½(1)			4(2)				1½(1)		4(1)	56(52)
	सर्वयोग		17½(31)					16(9)						11½(7)						5½(3)						5½(2)						

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय-1 मानव भूगोल, प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

अतिलघुतरात्मक एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्न में से कौनसा आर्थिक भूगोल का उपक्षेत्र नहीं है ?
(1) संसाधन भूगोल (2) कृषि भूगोल
(3) पर्यटन भूगोल (4) सैन्य भूगोल (4)

2. मानव भूगोल के जनक कौन है ?
(1) ब्लॉश (2) रैटजेल
(3) एलन सी. सैंपल (4) ग्रिफिथ टेलर (2)

3. मानव भूगोल की कल्याणपरक अथवा मानवतावादी विचारधारा का संबंध है?
(1) धार्मिक कल्याण (2) क्षेत्रीय कल्याण
(3) सामाजिक कल्याण (4) निर्धनता कल्याण (3)

4. निम्न में से कौनसा मानव भूगोल का उपागम नहीं है ?
(1) क्षेत्रीय विभिन्नता (2) मात्रात्मक क्रांति
(3) स्थानिक संगठन (4) अन्वेषण और वर्णन (2)

5. मानव भूगोल में किसके अध्ययन पर बल दिया गया है ?
(1) प्रकृति (2) मानव
(3) प्रकृति और मानव (4) उपरोक्त में से कोई नहीं (3)

6. एतिहासिक भूगोल किस मानव भूगोल के क्षेत्र का उपक्षेत्र है?
(1) रासायनिक भूगोल (2) सामाजिक भूगोल
(3) जनसंख्या भूगोल (4) आर्थिक भूगोल (2)

7. 1970 के दशक में किस विचारधारा का उदय नहीं है ?
(1) मानवतावादी (2) आमूलवादी
(3) आधुनिकवाद (4) व्यवहारवाद (3)

8. शहरों में चौराहे पर यातायात नियंत्रक बत्तिया कौनसी विचारधारा से सम्बंधित है ?
(1) संभव वाद (2) निश्चयवाद
(3) नव निश्चयवाद (4) इनमें से कोई नहीं (3)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और .... के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।

उत्तर- क्रियाशील मानव

2. .... के दशक में मानव भूगोल में तीन नए विचारधाराओं का जन्म हुआ।

उत्तर- 1970

3. 1990 के दशक में भूगोल में .... का उदय हुआ।

उत्तर- उत्तर आधुनिकवाद

4. ग्रिफिथ टेलर ने एक नयी संकल्पना प्रस्तुत की जो दो विचारों .... और .... के बीच मध्य मार्ग को परिलक्षित करता है।

उत्तर- पर्यावरणीय निश्चयवाद, संभववाद

5. मानव भूगोल .... और .... के अन्तर्सबंधों की एक नयी संकल्पना प्रस्तुत करता है।

उत्तर- पृथ्वी, मनुष्य

अति लघुतरात्मक प्रश्न

9. राजनीतिक भूगोल के दो उपक्षेत्र लिखिए।

उत्तर- निर्वाचन भूगोल, सैन्य भूगोल

10. आमूलवादी विचारधारा ने निर्धनता के कारण बंधन और सामाजिक असमानता की व्याख्या के लिए कौनसे सिद्धांत का उपयोग किया ?

उत्तर- मार्क्स के सिद्धांत का

11. रेटजेल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए ?

उत्तर- मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।

12. एलन सी सेंपल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए -

उत्तर- मानव भूगोलअस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।

13. मानव परिसंचरण की धमनियों की तुलना किससे की गई है ?

उत्तर- सड़कों और जलमार्गो के जाल से।

14. पॉल विडाल-डी-ला-ब्लांश के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा दीजिए।

उत्तर- मानव भूगोल पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों तथा इस पर रहने वाले जीवों के मध्य सम्बंधो का अधिक संश्लेषित ज्ञान है।

लघुतरात्मक प्रश्न

15. पर्यावरणीय निश्चयवाद किसे कहा गया है ?

उत्तर- आरम्भिक अवस्थाओं में मानव प्राकृतिक पर्यावरण से प्रभावित होकर प्रकृति के आदेशों अनुसार अपने आप को ढाल लिया इसी आदिम समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच अनोन्य क्रिया को पर्यावरणीय निश्चयवाद कहा गया है।

16. संभववाद क्या है इसके जनक कौन है ?

उत्तर- मानव सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के साथ अधिक सक्षम प्रौद्योगिकी का विकास करते है, इससे प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मानव इसका उपयोग करता है तथा धीरे-धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है इसे ही संभववाद नाम दिया गया है-
संभववाद के जनक पॉल विडाल-डी-ला-ब्लांश है।

17. नवनिश्चयवाद क्या है? यह संकल्पना किसने प्रस्तुत की ?

उत्तर- इसके अनुसार न पर्यावरणीय निश्चयवाद की दशा है न ही संभववाद की दशा है इसका अर्थ है प्राकृतिक नियमों का पालन करके हम प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकते है। यह संकल्पना ग्रिफिथ टेलर ने दी थी

18. सामाजिक भूगोल के तीन उपक्षेत्रों के नाम बताइये ?

उत्तर- 1. व्यवहारवादी भूगोल
2. सामाजिक कल्याण का भूगोल
3. सांस्कृतिक भूगोल

19. आर्थिक भूगोल के तीन उपक्षेत्रों के नाम बताइये ?

उत्तर- 1. संसाधन भूगोल
2. कृषि भूगोल
3. पर्यटन भूगोल

शेखावाटी मिशन-100

20. मानव भूगोल की कल्याणपरक अथवा मानवतावादी विचारधारा से आप क्या समझते है ?

उत्तर- मानव भूगोल की कल्याणपरक अथवा मानवतावादी विचारधारा का संबंध मुख्यतः लोगों के सामाजिक कल्याण के विभिन्न पक्षों से या इनमें आवासन स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे पक्ष सम्मिलित है।

अध्याय-2 विश्व जनसंख्या वितरण, घनत्व और वृद्धि

1. एशिया में बहुत अधिक स्थानों पर कम लोग और कम स्थानों पर बहुत अधिक लोग रहते है, यह टिप्पणी किसने की-
   (1) रेटजेल (2) माल्थस
   (3) जार्ज बी. क्रेसी (4) ग्रिफिथ टेलर (3)
2. निम्नलिखित में किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक है ?
   (1) अफ्रीका (2) एशिया
   (3) दक्षिण अमेरिका (4) उत्तर अमेरिका (1)
3. निम्नलिखित में कौनसा विरल जनसंख्या वाला क्षेत्र नहीं है ?
   (1) अटाकामा (2) भूमध्यरेखीय प्रदेश
   (3) दक्षिण पूर्वी एशिया (4) ध्रुवीय प्रदेश (3)
4. उद्योगों की उपस्थिति के कारण विश्व का कौनसा प्रदेश सघन है-
   (1) कटंगा (2) जांबिया
   (3) जापान का कोबे ओसाका (4) भूमध्यरेखीय प्रदेश (3)
5. विश्व की 90 प्रतिशत जनसंख्या कितने प्रतिशत स्थल भाग पर निवास करती है ?
   (1) 25 प्रतिशत (2) 60 प्रतिशत
   (3) 90 प्रतिशत (4) 10 प्रतिशत (4)
6. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश है ?
   (1) सिंगापुर (2) भारत
   (3) चीन (4) रूस (1)
7. प्रवास को प्रभावित करने वाला प्रतिकर्ष कारक है-
   (1) प्राकृतिक विपदाएँ (2) प्रतिकूल जलवायु
   (3) बेरोजगारी (4) उपरोक्त सभी (4)
8. प्रवास को प्रभावित करने वाला अपकर्ष कारक है-
   (1) काम के बेहतर अवसर (2) रहन सहन की अच्छी दशाएं
   (3) जीवन व संपति की सुरक्षा (4) उपरोक्त सभी (4)
9. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाला आर्थिक कारक है ?
   (1) खनिज (2) नगरीकरण
   (3) औद्योगीकरण (4) उपरोक्त सभी (4)
10. एशिया महाद्वीप में विश्व की कितनी प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है-
   (1) 90 (2) 10
   (3) 60 (4) 17 (3)
11. निम्नलिखित में कौनसा प्रतिकर्ष कारक नहीं है ?
   (1) जलाभाव (2) बेरोजगारी
   (3) चिकित्सा/शैक्षणिक सुविधाएं (4) महामारियाँ (3)
12. खनिज की उपस्थिति के कारण विश्व का कौनसा क्षेत्र संघन बसा हुआ है?
   (1) अफ्रीका का कंटगा व जाबिया क्षेत्र
   (2) कोबे ओसाका क्षेत्र
   (3) भूमध्यसागरीय क्षेत्र
   (4) ओशेनिया (1)

रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिए-

13. भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर .... प्रतिशत है-

उत्तर- 1.64 प्रतिशत

14. जनांकिकीय संक्रमण की .... में उच्च प्रजननशीलता व उच्च मर्त्यता होती है।

उत्तर- प्रथम अवस्था

15. जनसंख्या वृद्धि को .... में व्यक्त किया जाता है-

उत्तर- प्रतिशत

16. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश .... है-

उत्तर- चीन

17. जनसंख्या परिवर्तन धनात्मक एवं .... होता है।

उत्तर- ऋणात्मक

18. एशिया का जनसंख्या घनत्व .... है।

उत्तर- 146

19. विश्व की कुल जनसंख्या में भारत का .... स्थान है।

उत्तर- दूसरा

20. भूमध्य सागरीय प्रदेश .... के कारण इतिहास के आरम्भिक कालो से बसे हुए है।

उत्तर- सुखद जलवायु

21. प्रवासी जो किसी नए स्थान पर जाते है .... कहलाते है।

उत्तर- आप्रवासी

अति लघुतरात्मक प्रश्न-

1. अफ्रीका की कटंगा जोबिया तांबा पेटी की जनसंख्या संघन क्यों है ?

उत्तर- तांबा खनन से उत्पन्न रोजगार के कारण

2. जनसंख्या वृद्धि किसे कहते है ?

उत्तर- किसी क्षेत्र में निश्चित अवधि के दौरान बसे हुए लोगों की संख्या में परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहते है।

3. जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि क्या है ?

उत्तर- वास्तविक जनसंख्या वृद्धि = जन्म - मृत्यु + आप्रवास - उत्प्रवास

4. आप्रवास किसे कहते है ?

उत्तर- प्रवासी जो किसी नये स्थान पर जाते है आप्रवासी कहलाते है।

5. उत्प्रवास किसे कहते है ?

उत्तर- प्रवासी जो एक स्थान से बाहर चले जाते है उत्प्रवासी कहलाते है।

शेखावाटी मिशन-100

6. जापान का कोबे ओसाका प्रदेश सघन बसा हुआ है क्यों ?

उत्तर- कोबे ओसाका प्रदेश अनेक उद्योगों की उपस्थिति के कारण सघन बसा हुआ है।

7. जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत की प्रथम अवस्था की दो विशेषताएँ बताईये?

उत्तर- 1. उच्च प्रजननशीलता व उच्च मर्त्यता

2. अधिकांश लोग कृषि में कार्यरत

8. थॉमस माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त क्या है ?

उत्तर- थॉमस माल्थस ने कहा लोगों की संख्या खाद्य आपूर्ति की अपेक्षा अधिक तेजी से बढ़ेगी।

लघुत्तरात्मक प्रश्न-

1. जनसंख्या वितरण प्रारूप क्या है ?

उत्तर- जनसंख्या वितरण का शाब्दिक अर्थ है भूपृष्ठ पर लोग किस प्रकार वितरित है मोटे तौर पर विश्व की जनसंख्या का 90% इसके 10 प्रतिशत स्थलभाग में निवास करता है। विश्व जनसंख्या असमान रूप से वितरित है।

2. जनसंख्या घनत्व को परिभाषित कीजिए एवं जनसंख्या घनत्व का सूत्र लिखिए-

उत्तर- प्रतिवर्ग किलोमीटर में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते है।

जनसंख्या घनत्व = जनसंख्या/क्षेत्रफल

3. जनसंख्या वितरण को जलवायु किस प्रकार प्रभावित करती है ?

उत्तर- अति उष्ण अथवा ठंडे मरूस्थलों की विषम जलवायु मानव बसाव के लिए असुविधाजनक होती है सुविधाजनक जलवायु वाले क्षेत्र जिनमें अधिक मौसमी जनसंख्या पाई जाती है भूमध्यसागरीय प्रदेश सुखद जलवायु के कारण इतिहास के आरंभिक कालों से बसे हुए है।

4. औद्योगीकरण जनसंख्या वितरण को कैसे प्रभावित करता है ?

उत्तर- औद्योगिक पेटियाँ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती है इसमें कारखानों के श्रमिक ही नहीं बल्कि परिवहन परिचालक, दुकानदार, बैककर्मी, डॉक्टर, अध्यापक तथा अन्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाले भी होते है जापान का कोबे ओसाका प्रदेश अनेक उद्योगों की उपस्थिति के कारण सघन बसा हुआ है।

5. प्रवास किसे कहते है इसके प्रतिकर्ष व अपकर्ष कारक बताइये ?

उत्तर- जब लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर आवागमन करते है इसे प्रवास कहते है।

प्रवास के प्रतिकर्ष कारक- बेराजगारी, रहन-सहन की निम्न दशाएँ, राजनीतिक उपद्रव, प्रतिकूल जलवायु, प्राकृतिक विपदाएँ, महामारियां।

अपकर्ष कारक:- काम के बेहतर अवसर, रहन-सहन की अच्छी दशाएँ, शांति व स्थायित्व, जीवन व संपति की सुरक्षा तथा अनुकूल जलवायु।

6. जनांकिकीय संक्रमण सिद्धांत क्या है ?

उत्तर- यह सिद्धांत ग्रामीण समाज, खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करके नगरीय, औद्योगिक और साक्षर बनता है तो किसी प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु से निम्न जन्म और निम्न मृत्यु दर में परिवर्तित होती है।

7. जनसंख्या नियंत्रण के कोई चार उपाय लिखिए?

उत्तर- 1. परिवार नियोजन - इसमें बच्चों के जन्म को रोकना व अन्तराल रखना।

2. महिलाओं के स्वास्थ्य का बेहतर रख रखाव

3. गर्भ निरोधक की सुगम उपलब्धता

4. जनसंख्या वृद्धि के प्रभावों का जन-जागरूकता फैलाना।

8. किसी प्रदेश की जनसंख्या 1,50,000 तथा क्षेत्रफल 100 वर्ग किमी है तो जनसंख्या घनत्व ज्ञात कीजिए।

उत्तर- जनसंख्या घनत्व = $\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$

$\frac{1,50,000}{100}$ = 1500 व्यक्ति/वर्ग किमी.

9. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कोई तीन भौतिक कारक लिखिए।

उत्तर- 1. जल की उपलब्धता

2. भू-आकृति

3. मृदा

10. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कोई तीन आर्थिक कारक लिखिए।

उत्तर- 1. खनिज (उदाहरण- अफ्रीका की कंटगा, जांबिया तांबा पेटी)

2. औद्योगिकरण (उदाहरण- जापान का कोबे ओसाका प्रदेश)

3. नगरीकरण

11. जनसंख्या परिवर्तन के कितने घटक है, नाम लिखिए।

उत्तर- जनसंख्या परिवर्तन के तीन घटक है।

1. जन्म 2. मृत्यु 3. प्रवास

12. अशोधित जन्म दर को परिभाषित कीजिए तथा इसका सूत्र लिखिए।

उत्तर- प्रति हजार स्त्रियों द्वारा जन्मे गये जीवित बच्चों के रूप में व्यक्त किया जाता है।

सूत्र = अशोधित जन्मदर = $\frac{\text{किसी वर्ष विशेष में जीवित जन्म}}{\text{वर्ष के मध्य की जनसंख्या}} \times 1000$

13. अशोधित मृत्यु दर को परिभाषित कीजिए तथा सूत्र लिखिए।

उत्तर- प्रति हजार जनसंख्या के पीछे मृतकों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है।

सूत्र - अशोधित मृत्यु दर =

$\frac{\text{किसी वर्ष विशेष में मृतकों की संख्या}}{\text{वर्ष के मध्य की जनसंख्या}} \times 1000$

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय-03 मानव विकास

1. मानव विकास की अवधारणा निम्नलिखित में से किस विद्वान की देन है?
   (1) प्रो. अमर्त्य सेन (2) डॉ. महबूब उल हक
   (3) एलन सी. सेम्पल (4) रैटजेल (2)
2. मानव विकास की अवधारणा निम्न में किस संकल्पना पर आश्रित है ?
   (1) सतत पोषणियता (2) उत्पादकता
   (3) सशक्तिकरण (4) उपरोक्त सभी (4)
3. उच्च मानव विकास सूचकांक वाले देशों का सूचकांक स्कोर होता है ?
   (1) 0.800 से ऊपर (2) 0.700 से 0.799 के बीच
   (3) 0.550 से 0.699 के बीच (4) 0.549 के नीचे (2)
4. निम्न में से किस देश ने सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता को देश की प्रगति का अधिकारिक माप घोषित किया है ?
   (1) भारत (2) नार्वे
   (3) भूटान (4) श्रीलंका (3)
5. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने मानव विकास के किस उपागम का प्रतिपादन किया गया ?
   (1) आय उपागम
   (2) कल्याण उपागम
   (3) आधारभूत आवश्यकता उपागम
   (4) क्षमता उपागम (3)
6. प्रो. अमर्त्यसेन का संबंध किस मानव विकास उपागम से है ?
   (1) आय उपागम
   (2) कल्याण उपागम
   (3) आधारभूत आवश्यकता उपागम
   (4) क्षमता उपागम (4)
7. सर्वोच्च मानव विकास सूचकांक वाला देश है ?
   (1) नार्वे (2) भारत
   (3) आयरलैण्ड (4) स्वीडन (1)
8. मध्यम मानव विकास सूचकांक वर्ग में कितने देश है ?
   (1) 66 (2) 53
   (3) 37 (4) 33 (3)
9. मानव विकास का महत्वपूर्ण पक्ष है-
   (1) दीर्घ व स्वस्थ जीवन (2) ज्ञान अर्जित करना
   (3) जीवन जीने के पर्याप्त साधन (4) उपरोक्त सभी (4)
10. प्रतिवर्ष मानव विकास प्रतिवेदन प्रकाशित करता है ?
    (1) UNEP (2) UNDP
    (3) UNESCO (4) WHO (2)
11. मानव विकास प्रतिवेदन 2020 के अनुसार अति उच्च मानव विकास सूचकांक वाले देशों की संख्या है ?
    (1) 66 (2) 33
    (3) 37 (4) 53 (1)
12. मानव विकास प्रतिवेदन 2020 के अनुसार निम्न मानव विकास सूचकांक वाले देशों की संख्या है -
    (1) 66 (2) 37
    (3) 33 (4) 53 (3)
13. मानव विकास सूचकांक की शुरुआत कब हुई ?
    (1) 1990 (2) 1991
    (3) 1992 (4) 1993

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. 1990 ई. से प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम .... प्रतिवेदन प्रकाशित कर रहा है।

उत्तर- मानव विकास

2. जनसंख्या वृद्धि और .... विकास में ऋणात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है।

उत्तर- मानव

3. मानव विकास के .... स्तम्भ होते है।

उत्तर- चार

4. .... मानव विकास के सबसे पुराने उपागमों में से एक है।

उत्तर- आय उपागम

5. विकास का अर्थ .... परिवर्तन है। जो मूल्य सापेक्ष है।

उत्तर- गुणात्मक

6. मध्यम मानव विकास वर्ग में कुल .... देश है।

उत्तर- 37

7. वृद्धि का अर्थ .... परिवर्तन है।

उत्तर- मात्रात्मक

लघुतरात्मक प्रश्न

1. वृद्धि और विकास में क्या अन्तर है ?

उत्तर- 1. वृद्धि धनात्मक एवं ऋणात्मक, दोनों प्रकार की हो सकती है परन्तु विकास के अन्तर्गत गुणवता में सकारात्मक परिवर्तन होता है।
2. वृद्धि मात्रात्मक और मूल्य निरपेक्ष होती है जबकि विकास गुणात्मक होता है इसका मूल्य सापेक्ष होता है।

2. मानव विकास क्या है स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर- मानव विकास लोगों के जीवन में सुधार लाता है उनके विकल्पों में वृद्धि करता है किसी देश के लोग जीवन की गुणवता का आनंद लेते है उन्हें जो अवसर उपलब्ध है और स्वतंत्रताओं का भोग करते है।

3. मानव विकास के संदर्भ में सतत पोषणीयता से क्या आशय है ?

उत्तर- सतत पोषणीयता का अर्थ है अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता। प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिले समस्त पर्यावरणीय वित्तीय एवं मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसरों की कमी ना रहे।

4. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने सर्वप्रथम किस वर्ष मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित की।

उत्तर- वर्ष 1990 में

5. मानव विकास के कितने स्तम्भ है, नाम लिखिए।

उत्तर- मानव विकास के चार स्तम्भ है।
1. समता

शेखावाटी मिशन-100

2. सतत पोषणियता

3. उत्पादकता

4. सशक्तीकरण

6. मानव विकास के उपागम लिखिए।

उत्तर- 1. आय उपागम

2. कल्याण उपागम

3. न्यूनतम आवश्यकता उपागम

4. क्षमता उपागम

7. मानव विकास सूचकांक (HDI) का स्कोर होता है।

उत्तर- 0 से 1 के बीच

8. आधारभूत आवश्यकता उपागम में कितनी न्यूनतम आवश्यकताएँ है, नाम लिखिए।

उत्तर- इस उपागम में 6 न्यूनतम आवश्यकताएँ है।

1. स्वास्थ्य 2. शिक्षा

3. भोजन 4. जलापूर्ति

5. स्वच्छता 6. आवास

9. निम्नलिखित का पूरा नाम लिखिए।

उत्तर- 1. HDI मानव विकास सूचकांक

2. UNDP संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

3. ILO अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन।

10. मानव विकास रिपोर्ट 2006 व 2020 में भारत का स्थान कौनसा था।

उत्तर- मानव विकास रिपोर्ट 2006 में 126 वाँ स्थान तथा 2020 में 131 वाँ स्थान था।

11. 90 के दशक में मानव विकास के संबंध में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले एशियाई अर्थ शास्त्रियों का नाम लिखिए।

उत्तर- 1. महबूब उल-हक 2. अमर्त्य सेन

12. मानव विकास के महत्वपूर्ण केन्द्र बिन्दु कौनसे है ?

उत्तर- 1. शिक्षा 2. स्वास्थ्य 3. संसाधनों तक पहुंच

प्रत्येक को मानव विकास मापन में $\frac{1}{3}$ भारिता दी जाती है।

13. मानव विकास के निम्न स्तर के दो कारण बताइये ?

उत्तर- 1. राजनीतिक उपद्रव, गृहयुद्ध जैसी स्थिति

2. अकाल अथवा बीमारियों की अधिक घटनाओं का दौर

14. मानव विकास के उच्च स्तर वाले देशों की दो विशेषता बताइये ?

उत्तर- 1. सामाजिक सेक्टरों में अधिक निवेश

2. राजनीतिक उपद्रव और अस्थिरता से स्वतंत्र

15. संसाधनों तक पहुंच का मापन किसके संदर्भ में किया जाता है ?

उत्तर- संसाधनों तक पहुंच मानव की क्रय-शक्ति अर्थात आय के संदर्भ में किया जाता है।

16. सशक्तिकरण से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर- समता का आशय प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुंच की व्यवस्था करना है।

अध्याय-4 प्राथमिक क्रियाएँ

1. निम्न में से कौनसा एक प्राथमिक क्रियाओं में शामिल नही है-

(1) पशुचारण (2) आखेट

(3) कृषि (4) विनिर्माण (4)

2. निम्न में से कौनसी फसल रोपण कृषि में सम्मिलित है-

(1) रबड़ (2) गन्ना

(3) चाय (4) उपरोक्त सभी (4)

3. निम्न में से कौनसी विशेषता रोपण कृषि की नहीं है-

(1) कृषि क्षेत्र का विस्तृत आकार

(2) अधिक पूंजी निवेश

(3) निम्न प्रबंधन एवं तकनीकी आधार

(4) सस्ते श्रमिक (3)

4. निम्न में भूमध्यसागरीय कृषि से सम्बन्धित क्षेत्र नहीं है-

(1) मध्य कैलीफोर्निया

(2) मध्यवर्ती चिली

(3) दक्षिणी अफ्रीका का दक्षिणी पश्चिमी भाग

(4) भूमध्यसागर तटीय क्षेत्र (1)

5. निम्नलिखित देशों में से किसमें सहकारी आंदोलन सर्वाधिक सफल रहा-

(1) भारत (2) डेनमार्क

(3) रूस (4) चीन (2)

6. खट्टेरसदार फलों की कृषि किस कृषि क्षेत्र की विशेषता है-

(1) वाणिज्यिक कृषि (2) रोपण कृषि

(3) जीवन निर्वाह कृषि (4) भूमध्यसागरीय कृषि (4)

7. वाणिज्य डेयरी कृषि का सबसे बड़ा प्रदेश कौनसा है-

(1) दक्षिणी अफ्रीका (2) उत्तर पश्चिमी यूरोप

(3) कनाडा (4) न्यूजीलैण्ड (2)

8. सामूहिक कृषि का प्रारम्भ सर्वप्रथम कहां से हुआ था-

(1) भारत (2) चीन

(3) सोवियत संघ (4) जर्मनी (3)

9. ट्यूलिप पुष्प की कृषि के लिए विख्यात देश कौनसा है-

(1) नीदरलैण्ड (2) डेनमार्क

(3) स्वीडन (4) ब्रिटेन (1)

10. निम्न में से कौनसी एकल कृषि नहीं है-

(1) रोपण कृषि (2) जीवन निर्वाह कृषि

(3) डेयरी कृषि (4) मिश्रित कृषि (4)

11. प्राथमिक क्रियाओं में संलग्न लोग .... कहलाते है।

उत्तर- लाल कॉलर श्रमिक

12. ब्राजील में कॉफी के बागान .... कहलाते है।

उत्तर- फेजेन्डा

13. मिश्रित कृषि में .... एवं .... क्रियाएं शामिल है।

उत्तर- फसल उत्पादन, पशुपालन

शेखावाटी मिशन-100

14. सोवियत संघ में सामूहिक कृषि को .... कहा जाता है-

उत्तर- कोलखहोज

15. स्थानातरणशील कृषि को .... एवं .... कृषि भी कहते है।

उत्तर- कर्तन एवं दहन

17. विश्व में सहकारी आंदोलन को सर्वाधिक सफलता .... देश में मिली।

उत्तर- डेनमार्क

18. अंगूर की कृषि .... क्षेत्र की विशेषता है।

उत्तर- भूमध्यसागरीय

19. कुनैन .... नामक वृक्ष की छाल से बनाई जाती है ?

उत्तर- सिनकोना

20. आर्थिक क्रिया किसे कहते है ?

उत्तर- मानव के वो सभी क्रियाकलाप जिनसे आय प्राप्त होती है आर्थिक क्रिया कहते है।

21. ऋतुप्रवास किसे कहते है ?

उत्तर- पशुचारकों द्वारा ऋतुओं के अनुरूप पशुओं को लेकर चरागाह क्षेत्रों की ओर प्रवास करना ऋतुप्रवास कहलाता है। ग्रीष्म ऋतु में मैदानी भाग से पर्वतीय चरागाह की ओर एवं शीत ऋतु में पर्वतीय भाग से मैदानी चरागाहों की ओर प्रवास करते है।

22. भारत के हिमालय पर्वतीय क्षेत्र में ऋतुप्रवास करने वाली पशुचारक जातियों के नाम बताइये।

उत्तर- गुज्जर, बकरवाल, गद्दी एवं भूटिया।

23. चलवासी पशुचारकों की संख्या एवं क्षेत्र में कमी के दो कारण बताइये।

उत्तर- 1. राजनीतिक सीमाओं का अधिरोपण

2. कई देशों द्वारा नई बस्तियों की योजना बनाना।

24. विश्व में भोजन संग्रह करने वाले दो क्षेत्र बताइये।

उत्तर- 1. उच्च अक्षांश के क्षेत्र- उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरेशिया दक्षिणी चिली।

2. निम्न अक्षांश के क्षेत्र- अमेजन बेसिन, उष्णकटिबंधीय अफ्रीका।

25. पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के औद्योगिक क्षेत्रों में की जाने वाली दो कृषि के नाम लिखिए।

उत्तर- 1.उद्यान कृषि 2. कारखाना कृषि

26. खनन की दो विधियों के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. धरातलीय या विवृत खनन विधि।

2. भूमिगत या कूपकी खनन विधि

27. चिकल क्या है? इसका निर्माण कैसे होता है ?

उत्तर- चुविंगगम को चूसने के बाद शेष बचे भाग को चिकल कहते है। यह जेपोटा वृक्ष से बनता है।

28. सहकारी कृषि किसे कहते है ?

उत्तर- जब कृषकों के समूह द्वारा स्वेच्छा से सहकारी संस्था बनाकर कृषि से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए कृषि कार्य किया जाता है उसे सहकारी कृषि कहते है।

29. आदिमकालीन मानव जीवन निर्वाह के लिए कौनसी दो प्राचीनतम ज्ञात आर्थिक क्रियाओं पर निर्भर था ?

उत्तर- 1. आखेट 2. भोजन संग्रह

30. खनन कार्य को प्रभावित करने वाले दो कारक लिखिए।

उत्तर- 1. भौतिक कारक- खनिज निक्षेपों का आकार श्रेणी, एवं उपस्थिति की अवस्था।

2. आर्थिक कारक- खनिज की मांग, तकनीक, पूंजी।

31. ट्रक कृषि क्या है ?

उत्तर- कृषकों द्वारा उत्पादित सब्जियों को ट्रक द्वारा उत्पादन क्षेत्र से बाजार तक रातभर दूरी तय करके पहुंचाया जाता है। इसलिए इसे ट्रक कृषि कहते है।

32. विकसित अर्थव्यवस्था वाले देश उत्पादन की खनन प्रसंस्करण एवं शोधन कार्य से पीछे हट रहे है जबकि विकासशील देश नहीं। कारण बताइये।

उत्तर- उत्पादन की खनन प्रसंस्करण एवं शोधन में श्रमिक लागत अधिक आती है जो विकासशील देशों के पास श्रम शक्ति की उपलब्धता के कारण खनन कार्य को महत्व दिया जा रहा है।

33. प्राथमिक क्रियाएँ किसे कहते है ? इसमें कौन-कौनसे क्रियाकलाप शामिल किये जाते है ?

उत्तर- पर्यावरण में प्रकृति प्रदत्त संसाधनों पर प्रत्यक्ष रूप से मानव द्वारा क्रिया प्राथमिक क्रियाएँ कहलाती है। प्राथमिक क्रियाओं में निम्न क्रियाकलाप शामिल किये जाते है- कृषि, आखेट, भोजन संग्रह, पशुचारण, मछली पकड़ना, खनन, लकड़ी काटना आदि।

34. चलवासी पशुचारण एवं वाणिज्य पशुधन पालन में अन्तर लिखिए।

उत्तर-

चलवासी पशुचारण	वाणिज्य पशुधन पालन
1. यह जीवन निर्वाह आधारित है।	1. यह व्यापार आधारित व्यवसाय
2. पानी व चरागाह की उपलब्धता के अनुसार स्थानान्तरित होते रहते है	2. विस्तृत क्षेत्र में फैले स्थायी फार्मो में पशुओं को रखा जाता है।
3. पशुओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है।	3. पशुओं को वैज्ञानिक तरीके से देखभाल की जाती है।
प्रमुख क्षेत्र- सहारा मरुस्थल, मध्य एशिया, यूरोप व एशिया के टुण्ड्रा प्रदेश	प्रमुख क्षेत्र- न्यूजीलैण्ड, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त राज्य अमेरिका, अर्जेंटिना

35. आदि कालीन निर्वाह कृषि या स्थानांतरित कृषि का वर्णन कीजिए।

उत्तर- स्थानांतरित कृषि मुख्य रूप से उष्णकटिबन्धीय क्षेत्र में पायी जाने वाली सघन वनस्पति में निवास करने वाली जनजातीय समूह द्वारा की जाती है।

इन क्षेत्रों में वनस्पति को जलाकर खेत तैयार किये जाते है। जली हुई राख की परत उर्वरक का कार्य करती है। इसे कर्तन एवं दहन कृषि भी कहते है। उसे 5 वर्ष पश्चात् मिट्टी का उपजाऊपन समाप्त होने पर दूसरी जगह पर खेत तैयार करके कृषि की जाती है। इसे भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में झूमिंग, मध्य अमेरिका एवं मैक्सिकों में मिल्पा एवं मलेशिया व इंडोनेशिया में लादांग कहते है।

36. विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि की विशेषताएं बताते हुए इसके प्रमुख क्षेत्रों के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. यह कृषि मध्य अक्षांशों के आंतरिक अर्धशुष्क प्रदेशों में की जाती

शेखावाटी मिशन-100

है।

2. इस कृषि की मुख्य फसल गेहूँ है। अन्य फसलें मक्का, जौ, राई एवं जई है।

3. खेतों का आकार बड़ा होता है।

4. खेत जोतने से फसल काटने तक सभी कार्य यंत्रों द्वारा किये जाते है।

5. प्रति एकड़ उत्पादन कम परन्तु प्रति व्यक्ति उत्पादन अधिक होता है।

प्रमुख क्षेत्रः- यूरेशिया के स्टेपीज
उत्तरी अमेरिका के प्रेयरीज
अर्जेटाइना के पम्पाज
दक्षिणी अफ्रीका के वेल्डस
आस्ट्रेलिया के डाउन्स
न्यूजीलैण्ड के केंटरबरी

37. डेयरी कृषि की विशेषताएं लिखते हुए विश्व के प्रमुख वाणिज्य डेयरी क्षेत्र बताइये।

उत्तर- 1. दुधारू पशुओं का पालन पोषण उन्नत व दक्ष तरीके से किया जाता है।

2. इसमें पूंजी की अधिक आवश्यकता होती है।

3. पशुओं के प्रजनन स्वास्थ्य व पशु चिकित्सा पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

4. इसमें गहन श्रम की आवश्यकता होती है।

5. डेयरी कृषि कार्य नगरीय व औद्योगिक केन्द्रों के समीप किया जाता है क्योंकि ये क्षेत्र ताजा दूध एवं डेयरी उत्पादन के अच्छे बाजार होते है।

प्रमुख क्षेत्र:- उत्तरी पश्चिमी यूरोप, कनाडा, न्यूजीलैण्ड, दक्षिणी पूर्वी ऑस्ट्रेलिया।

38. मिश्रित कृषि पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- प्रमुख विशेषताएंः-

- खेतो का आकार मध्यम
- फसल उत्पादन एवं पशुपालन दोनों को समान महत्व
- चारे की फसलों की प्रधानता
- शस्यावर्तन एवं अंतः फसली कृषि द्वारा मृदा की उर्वरता बनाये रखना।
- कुशल एवं योग्य कृषको की आवश्यकता
- अधिक पूँजी व्यय

प्रमख फसलेंः- गेहूँ, जौ, राई, जई, मक्का, चारे की फसल, कंदमूल आदि।

प्रमुख क्षैत्रः- उत्तरी पश्चिमी यूरोप, उत्तरी अमेरिका का पूर्वी भाग, यूरेशिया के कुछ भाग, समशीतोष्ण अक्षांश वाले क्षेत्र।

अध्याय-5 द्वितीयक क्रियाएँ

1. निर्माण की सबसे छोटी इकाई है-
(1) कुटीर उद्योग (2) लघु उद्योग
(3) वृहद् उद्योग (4) इनमें से कोई नहीं (1)

2. कौनसी अर्थव्यवस्था में उत्पादन का स्वामित्व व्यक्तिगत होता है-
(1) पूंजीवाद (2) मिश्रित
(3) समाजवाद (4) इनमें से कोई नहीं (1)

3. रसायन आधारित उद्योग है-
(1) पेट्रोरसायन (2) नमक, गंधक
(3) कृत्रिम रेशे, प्लास्टिक निर्माण (4) उपरोक्त सभी (4)

4. पशु आधारित उद्योग है-
(1) चमड़ा (2) ऊनी वस्त्र
(3) हाथीदांत (4) उपरोक्त सभी (4)

5. निम्न में से धुँए की चिमनी वाला उद्योग है-
(1) भारी इंजीनियरिंग (2) धातु पिघलाने वाले उद्योग
(3) रसायन निर्माण (4) उपरोक्त सभी (4)

6. निम्नलिखित में से भोजन प्रसंस्करण से सम्बन्धित है-
(1) मलाई (क्रीम) (2) डिब्बा खाद्य
(3) मिठाइयाँ (4) उपरोक्त सभी (4)

7. विनिर्माण से आशय किसी वस्तु का .... है।

उत्तर- उत्पादन

8. विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है ....

उत्तर- हाथ से बनाना।

9. सिलिकॉन घाटी USA के .... नगर के पास स्थित है।

उत्तर- सेन फ्रांसिस्को

10. उद्योग अपनी .... घटाकर लाभ को बढ़ाते है-

उत्तर- लागत

11. संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार .... नीति अपनाती है-

उत्तर- प्रादेशिक

12. पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागों में अत्यधिक परिवहन तंत्र विकसित होने का कारण है ?

उत्तर- उद्योगो का संकेन्द्रण

13. विश्व के कुछ क्षेत्र वृहद् वैश्विक बाजार बनने का प्रमुख कारण है ?क

उत्तर- वहाँ के लोगों की क्रय क्षमता अधिक होना

14. उपभोक्ता वस्तुउद्योग या गैर आधारभूत उद्योग को परिभाषित कीजिए-

उत्तर- ऐसे उद्योग जिनमें ऐसे सामान का उत्पादन करते है जो प्रत्यक्ष रूप में उपभोक्ता द्वारा उपयोग कर लिया जाता है। उदाहरण- रोटी (ब्रेड), चाय, साबुन, बिस्कुट।

15. द्वितीयक क्रियाएँ किसे कहते है ? उदाहरण लिखिए।

उत्तर- प्रकृति में पाये जाने वाले कच्चे माल को परिष्कृत कर मूल्यवान बनाना द्वितीयक क्रिया कहलाती है।
उदा. विनिर्माण, प्रंसस्करण, निर्माण (अवसंरचना) उद्योग।

16. यंत्रीकरण से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- यंत्रीकरण से तात्पर्य है किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए मशीनों का प्रयोग करना।

17. वनों पर आधारित तीन उद्योगों के नाम लिखिए।

उत्तर- फर्नीचर उद्योग, कागज उद्योग, लाख उद्योग

18. विश्व के महत्वपूर्ण निर्माण उद्योगों के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- लौह इस्पात, वस्त्र, मोटर गाड़ी, पेट्रो रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग आदि।

शेखावाटी मिशन-100

19. कृषि कारखाने किसे कहते है ?

उत्तर- कृषि व्यापार फार्म जो आकार में बड़े यंत्रीकृत, रसायनों पर निर्भर एवं अच्छी संरचना वाले होते है कृषि कारखाने कहलाते है। इसका वितपोषण वह व्यापार करता है जिसकी मुख्य रूचि कृषि के बाहर हो।

20. प्रौद्योगिकी ध्रुव किसे कहते है। उदाहरण लिखिए।

उत्तर- वह उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग जो प्रादेशिक संकेन्द्रित, आत्मनिर्भर एवं उच्च विशिष्टता लिए होते है प्रौद्योगिकी ध्रुव कहलाते है।

उदा. सेन फ्रांसिस्को के समीप सिलिकन घाटी,

सिएटल के समीप सिलिकन वन।

21. आधुनिक निर्माण/विनिर्माण की चार विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- 1. एक जटिल प्रौद्योगिकी तंत्र 2. अधिक पूंजी

3. बड़े संगठन

4. प्रशासकीय अधिकारी वर्ग की प्रमुख भूमिका।

22. स्वच्छंद उद्योग की चार विशेषताएं लिखिए।

उत्तर- 1. इनकी स्थापना किसी भी स्थान पर की जा सकती है।

2. यह उद्योग संघटक पूर्जो पर निर्भर है जो कहीं से भी प्राप्त कर सकते है।

3. प्रदूषण नहीं फैलातें है।

4. इनमें उत्पादन कम मात्रा में होता है एवं श्रमिकों की कम आवश्यकता होती है।

उदाहरण- इलेक्ट्रॉनिक उद्योग।

23. उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की चार विशेषताएं बताइये।

उत्तर- 1. गहन शोध एवं विकास द्वारा उन्नत वैज्ञानिक एवं इंजीरियरिंग उत्पादों का निर्माण।

2. उच्च, दक्ष एवं विशिष्ट व्यावसायिक श्रमिकों (सफेद कॉलर) का योगदान अधिक होता है।

3. इसमें यंत्र मानव, कम्प्यूटर आधारित डिजाइन तथा निर्माण, धातु पिघलाने एवं शोधन के इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण आदि कार्य सम्मिलित है।

4. इन उद्योगों के लिए नियोजित व्यवसाय पार्क का निर्माण किया जा रहा है।

24. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- **1. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगः**- सरकार का नियंत्रण, समाजवादी देशों में।

2. निजी क्षेत्र के उद्योगः- व्यक्तिगत निवेशकों का नियंत्रण, पूंजीवादी देशों में अधिक।

3. संयुक्त क्षेत्र के उद्योगः- निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के संयुक्त प्रयासों से संचालित।

25. प्राथमिक एवं द्वितीयक क्रियाओं में तीन अन्तर लिखिए।

उत्तर-

प्राथमिक क्रियाएँ	**द्वितीयक क्रियाएँ**
1. पर्यावरण से प्राप्त पदार्थो का सीधा उपयोग किया जाता है।	1. पर्यावरण से प्राप्त पदार्थो को परिष्कृत करके उपयोग किया जाता है।
2. प्राप्त उत्पाद कम मूल्यवान होते है।	2. प्राप्त उत्पाद अधिक मूल्यवान होते है।
3. कम पूंजी की आवश्यकता होती है।	अधिक पूंजी की आवश्यकता होती है।
उदा. कृषि, आखेट, खनन	उदा. विनिर्माण प्रसंस्करण।

26. आकार के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- **1. कुटीर उद्योगः**- स्थानीय कच्चे माल का उपयोग

- परिवार के सदस्य ही श्रमिक के रूप में कार्य करते है।
- अधिक पूंजी की आवश्यकता नहीं।

उदा. खाद्य पदार्थ, चटाइयाँ, बर्तन, औजार ।

2. लघु उद्योगः- कारखाना घर से बाहर होता है।

- अर्द्धकुशल श्रमिक व यंत्रों का उपयोग।
- स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध होता है।

उदा. कूलर बनाना, चमड़ा उद्योग, एल्युमिनियम की सामग्री बनाना आदि।

3. वृहद उद्योगः- विशाल बाजार, कुशल श्रमिक, की आवश्यकता।

- विभिन्न प्रकार का कच्चा माल व उच्च तकनीक की आवश्यकता।
- अधिक पूंजी की आवश्यकता।
- अधिक उत्पादन।

उदा. लौह-इस्पात उद्योग सूती वस्त्र उद्योग चीनी उद्योग।

27. कच्चे माल पर आधारित उद्योगों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- 1. कृषि आधारित- चीनी, अचार, मसाले, तेल, पेय।

2. खनिज आधारित- लौह इस्पात, एल्युमिनियम तांबा, सीमेंट।

3. वनों पर आधारित - इमारती लकड़ी, कागज उद्योग बांस।

4. पशु आधारित उद्योग- चमड़ा, ऊनी वस्त्र, हाथी दांत।

28. अफ्रीका में अपरिमित प्राकृतिक संसाधन है फिर भी औद्योगिक दृष्टि से यह बहुत पिछड़ा महाद्वीप है। समीक्षा कीजिए।

उत्तर- अफ्रीका महाद्वीप के औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा होने के निम्न कारण है-

1. अधिकतर देश सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े हुए है इसलिए मूलभूत संरचनाओं का विकास नहीं हुआ है।

2. इस महाद्वीप में उच्च तकनीकी ज्ञान व पर्याप्त पूंजी के अभाव में औद्योगिक क्षेत्रों का विकास नहीं हो पाया है।

3. प्रतिकूल जलवायु व विषम उच्चावच के कारण परिवहन मार्गो का विकास नहीं हुआ।

शेखावाटी मिशन-100

29. उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले किन्हीं चार कारकों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर- **1. बाजार तक अभिगम्यता** - उद्योगों की स्थापना में प्रमुख कारक उसके द्वारा उत्पादित माल के लिए बाजार का उपलब्ध होना है। बाजार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की मांग एवं उस क्षेत्र के निवासियों में खरीदने की क्षमता अर्थात् क्रय शक्ति है।

2. कच्चे माल की प्राप्ति तक अभिगम्यता:- उद्योगों के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए। भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थो पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्त्रोत स्थल के समीप ही स्थित होते है। यथा- इस्पात, चीनी एवं सीमेण्ट उद्योग।

3. श्रम आपूर्ति तक अभिगम्यता:- उद्योगों की अवस्थिति में कुशल श्रमिकों की उपलब्धता एक महत्वपूर्ण कारक है।

4. शक्ति के साधनों तक अभिगम्यता:- वे उद्योग जिनमें अधिक ऊर्जा अर्थात् शक्ति की आवश्यकता होती है वे ऊर्जा के स्त्रोतों के समीप ही स्थापित किये जाते है। यथा एल्यूमिनियम उद्योग।

30. आधारभूत उद्योग किसे कहते है ? उदाहरण लिखिए ?

उत्तर- वे उद्योग जिनके उत्पादन को अन्य वस्तुएँ बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाता है उन्हें आधारभूत उद्योग कहते है। उदाहरण - लौह-इस्पात उद्योग।

अध्याय-6 तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप

1. निम्न में से कौनसा एक तृतीयक क्रियाकलाप है-
   (1) व्यापार (2) परिवहन
   (3) संचार (4) उपरोक्त सभी (4)
2. निम्न में से कौनसा क्रियाकलाप चतुर्थ सेक्टर से सम्बन्धित है-
   (1) सूचना का संग्रहण (2) उत्पादन और प्रकीर्णन
   (3) अनुसंधान और विकास (4) उपरोक्त सभी (4)
3. वैश्विक संचार तंत्र में वास्तविक क्रांति का सूत्रपात किसके माध्यम से हुआ है-
   (1) टेलीफोन (2) इंटरनेट
   (3) रेडियो (4) ईमेल (2)
4. कुल पंजीकृत रोजगारों एवं राजस्व की दृष्टि से विश्व का सबसे बड़ा तृतीयक क्रियाकलाप है-
   (1) पर्यटन (2) संचार
   (3) परिवहन (4) अनुसंधान (1)
5. संचार सेवाओं में किसका प्रेषण सम्मिलित है -
   (1) शब्दों और संदेशों का (2) तथ्यों और विचारों
   (3) उपरोक्त दोनों (4) इनमें से कोई नहीं (3)
6. निम्नलिखित में से कौनसा सेक्टर दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई एवं कोलकाता में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है-
   (1) प्राथमिक (2) द्वितीयक
   (3) पर्यटन (4) सेवा (4)
7. परिवहन दूरी को मापने का प्रकार है-
   (1) किलोमीटर दूरी (2) समय दूरी
   (3) लागत दूरी (4) उपरोक्त सभी (4)
8. डब्बावाला सेवा किस शहर की प्रमुख सेवा है ?
   (1) मुंबई (2) कलकता
   (3) दिल्ली (4) जयपुर (1)
9. प्रत्येक सड़क जो दो नगरों को जोड़ती है कहलाती है-

उत्तर- योजक

10. संयुक्त राज्य अमेरिका में .... से अधिक कर्मी तृतीयक क्रियाकलाप में सलंग्न है।

उत्तर- 75 प्रतिशत

11. विश्वविद्यालयी अध्यापन क्रियाकलाप .... सेक्टर से सम्बन्धित है।

उत्तर- चतुर्थ

12. फुटकर व्यापार में वृहतम स्तर पर सर्वप्रथम नवाचार लाने वाले ....समुदाय थे।

उत्तर- उपभोक्ता सहकारी

13. परिवहन के सभी रूपों को .... पथ कहा जाता है।

उत्तर- संचार

14. अंतरिक्ष से सूचना का प्रसारण .... संचार करता है।

उत्तर- उपग्रह

15. जनसंचार माध्यम के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- रेडियो, दूरदर्शन, समाचार पत्र, टेलीफोन आदि।

16. विश्व में चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्रों में उभरते देशों के नाम लिखिए।

उत्तर- भारत, थाइलैण्ड, सिंगापुर, मलेशिया

17. व्यावसायिक सेवाओं के उदाहरण लिखिए।

उत्तर- स्वास्थ्य की देखभाल, अभियांत्रिकी, विधि, प्रबन्धन आदि।

18. नोड किसे कहते है ?

उत्तर- दो या अधिक मार्गो का संधि स्थल, एक उद्गम बिन्दु एक गंतव्य बिन्दु और मार्ग के सहारे बड़ा कस्बा नोड कहलाता है।

19. पर्यटकों के घरों में रूकने की व्यवस्था का गोवा व कर्नाटक में नाम बताइये।

उत्तर- गोवा-हेरीटेज होम्स, कर्नाटक-मैडीकेरे और कूर्ग

20. विकासशील देश जैसे भारत में अंकीय विभाजक को कम करने हेतु सुझाव दीजिए।

उत्तर- महानगरों के समीप स्थित ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना एवं प्रौद्योगिकी की पहुंच बढ़ायी जानी चाहिए।

21. द्वितीयक एवं तृतीयक क्रिया कलापों में मुख्य अन्तर लिखिए।

उत्तर- द्वितीयक क्रियाकलाप में उत्पादन तकनीक, मशीनरी और फैक्ट्री प्रक्रिया पर ध्यान दिया जाता है जबकि तृतीयक क्रियाकलाप कर्मियों की विशिष्टकृत कुशलताओं, अनुभव और ज्ञान पर निर्भर है।

शेखावाटी मिशन-100

22. परिवहन एवं संचार में अन्तर लिखिए।

उत्तर- परिवहन में व्यक्तियों, विनिर्मित माल को भौतिक रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता है जबकि संचार में संदेशों, विचारों का विनिमय होता है।

23. परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. जनसंख्या का आकार 2. उच्चावच
3. जलवायु का प्रकार
4. विभिन्न केन्द्रों के मध्य व्यापार का प्रारूप।

24. पर्यटन को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तर- 1. अवकाश की मांग 2. परिवहन सुविधाओं का विकास।

25. फुटकर व्यापार क्या है ।

उत्तर- यह वह व्यापारिक क्रियाकलाप है जो उपभोक्ताओं को वस्तुओं का प्रत्यक्ष विक्रय किया जाता है। उदाहरण- फेरी, रहड़ी, ट्रक, डाक आदेश, दूरभाष, इंटरनेट आदि।

26. थोक व्यापार की प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

उत्तर- 1. थोक व्यापार का गठन बिचौलियों, सौदागरों द्वारा होता है।
2. थोक विक्रेता प्रायः फुटकर भंडारों को उधार देते है।
3. बहुसंख्यक फुटकर भण्डार बिचौलिया स्त्रोत से पूर्ति करते है।

27. अंकीय विभाजक क्या है ?

उत्तर- विकसित देशों द्वारा अपने नागरिकों को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी तक पहुँच एवं इससे प्राप्त लाभ उपलब्ध करा दिये जबकि विकासशील देश अभी सभी नागरिकों तक ICT की पहुँच सुनिश्चित नहीं कर सके। इसी को अंकीय विभाजक कहा जाता है।

28. चतुर्थ एवं पंचम क्रियाकलापों में अन्तर लिखिए।

उत्तर-

चतुर्थ क्रियाकलापः-	पंचम क्रियाकलाप
1. यह अनुसंधान एवं विकास पर केन्द्रित होते है।	1. यह नवीन विचार व प्रौद्योगिक पर केन्द्रित होते है।
2. इसमें ज्ञानोन्मुखी कार्यो का समावेश होता है।	2. इसमें निर्णय लेने एवं नीति निर्माण संबंधी कार्यों का समावेश होता है।
3. इसमें शिक्षक, चिकित्सक, लेखाकार शामिल है।	3. इसमें नीति निर्माता वैज्ञानिक शामिल है।

29. बाह्यस्त्रोतन के कारण विभिन्न देशों में रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- दक्षता को सुधारने एवं लागतों को घटाने के लिए किसी बाहरी अभिकरण या निकाय को काम सौपना बाह्यस्त्रोतन कहलाता है। जब बाह्य स्त्रोतन में कार्य समुद्रपार के स्थानों पर स्थानांतरित किया जाता है तो इसे अपरतन (आफशोरिंग) कहा जाता है। बाह्य स्त्रोतन का विकास उन देशों में हो रहा है जहां सस्ता एवं कुशल श्रम उपलब्ध है। अतः उन देशों से उत्प्रवास में भी कमी आयी है एवं रोजगार के नये अवसरों का सृजन हुआ है।

30. ज्ञान प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन एवं व्यवसाय प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन में अन्तर लिखिए।

उत्तर- ज्ञान प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन में व्यवसाय प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन की तुलना में उच्च कुशलकर्मी सम्मिलित होते है एवं बेहतर व्यवसायिक अवसर होते है। ज्ञान प्रक्रमण बाह्य स्त्रोतन में अनुसंधान एवं विकास क्रियाएं, ई-लर्निंग, बौद्धिक सम्पदा, अनुसंधान, कानूनी व्यवसाय और बैंकिंग सेक्टर आते है।

31. व्यापारिक केन्द्र किसे कहते है ? इसके प्रकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- वह स्थान जहां पर उत्पादित वस्तुओं या सेवाओं का क्रय एवं विक्रय किया जाता है व्यापारिक केन्द्र कहलाते है। व्यापारिक केन्द्र दो प्रकार के होते है-
1. ग्रामीण विपणन केन्द्र 2. नगरीय बाजार केन्द्र

1. ग्रामीण विपणन केन्द्रः-

- ये निकटवर्ती बस्तियों का पोषण करते है।
- ये अर्ध-नगरीय केन्द्र होते है।
- व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सेवाएं सुविकसित नहीं होती है।
- ग्रामीण लोगों की अधिक मांग वाली वस्तुओं और सेवाओं की पूर्ति करते है।

2. नगरीय बाजार केन्द्र-

- अधिक विशिष्टीकृत नगरीय सेवाये मिलती है।
- विनिर्मित पदार्थो के साथ-साथ विशिष्टीकृत बाजार भी उपलब्ध कराते है। जैसे श्रम बाजार, आवासन।
- व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक सेवाये सुविकसित होती है।

32. पर्यटन आकर्षण के प्रमुख कारक लिखिए।

उत्तर- 1. जलवायु 2. भू-दृश्य 3. इतिहास एवं कला 4. संस्कृति एवं अर्थव्यवस्था

अध्याय- 07 परिवहन एवं संचार

1. यदि आपको लम्बी दूरी तक यात्रा कम समय में तय करनी है तो आप किस परिवहन साधन का चयन करेंगे ?
(1) जल परिवहन (2) वायु परिवहन
(3) सड़क परिवहन (4) रेल परिवहन (2)

2. संचार की वह विद्या जो संचार के अन्य साधनों का नियमन करती है, वह है ?
(1) दूरभाष (2) इंटरनेट
(3) उपग्रह संचार (4) टेलीविजन (3)

3. विश्व का सबस लम्बा रेलमार्ग है-
(1) कनाडियन पेसेफिक रेलमार्ग
(2) पार साइबेरियन रेलमार्ग
(3) ओरिएंट एक्सप्रेस
(4) आस्ट्रेलियाई पारमहादीपीय रेलमार्ग (2)

4. स्वेज नहर जिन सागरों को जोड़ती है, वे है-
(1) भूमध्य सागर तथा लाल सागर
(2) उतरी सागर तथा बाल्टिक सागर
(3) बाल्टिक सागर तथा श्वेत सागर
(4) काला सागर तथा भूमध्य सागर (1)

शेखावाटी मिशन-100

5. पनामा नहर जिन महासागरों को आपस में जोड़ती है वे है-
(1) अटलांटिक महासागर तथा हिन्द महासागर
(2) प्रशान्त महासागर तथा हिन्द महासागर
(3) भूमध्य सागर तथा लाल सागर
(4) अटलांटिक महासागर तथा प्रशांत महासागर (4)

6. विश्व का व्यवस्ततम व्यापारिक जल मार्ग है-
(1) भूमध्यसागर हिन्द महासागरीय समुद्री मार्ग
(2) आंतरिक समुद्री मार्ग
(3) उतरी अटलांटिक समुद्री मार्ग
(4) दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग (3)

7. कौनसा समुद्री मार्ग प्राचीन विश्व के हृदय स्थल कहे जाने वाले क्षेत्रों से गुजरता है।
(1) उतमाशा अंतरीप
(2) दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग
(3) उतरी अटलांटिक समुद्री मार्ग
(4) भूमध्यसागर-हिन्द महासागरीय समुद्री मार्ग (4)

8. पनामा नहर में कितने जलबंधक है ?
(1) 6 (2) 5
(3) 3 (4) 4 (1)

9. भारत द्वारा आर्यभट्ट का प्रक्षेपण किया गया था-
(1) 19 अप्रैल 1978 को (2) 19 अप्रैल 1984 को
(3) 18 जून 1981 को (4) 19 अप्रैल 1975 को (4)

10. राष्ट्रीय महामार्ग संख्या -7 कौनसे दो स्थानों को जोड़ता है।
(1) वाराणसी को मुम्बई से (2) मुम्बई को चेन्नई से
(3) दिल्ली को मुम्बई से (4) वाराणसी को कन्याकुमारी से (4)

11. रेलमार्गो में मानक लाइन (दोनों पटरियों के बीच की दूरी 1.44 मीटर) का उपयोग किस देश में किया जाता है।
(1) ब्रिटेन (2) भारत
(3) बांग्लादेश (4) इरान (1)

12. किस देश में रेल घनत्व सर्वाधिक पाया जाता है।
(1) भारत (2) बेल्जियम
(3) ब्रिटेन (4) फ्रांस (2)

13. एफिल टावर के सामने कौनसी नदी आन्तरिक जलमार्ग बनाती है ?
(1) गंगा नदी (2) नील नदी
(3) वोल्गा नदी (4) साइने नदी (4)

14. किस वर्ष स्वेज नहर का निर्माण किया गया था ?
(1) 1893 (2) 1911
(3) 1869 (4) 1831 (3)

15. इंग्लैण्ड में स्थित यूरो टनल ग्रुप द्वारा प्रचलित सुरंग मार्ग कौनसे दो स्थानों को जोड़ती है।
(1) लंदन-बर्लिन (2) बर्लिन-पेरिस
(3) पेरिस-लंदन (4) बार्सीलोना- बर्लिन (3)

16. विश्व में प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग कब शरू किया गया।
(1) 1911 (2) 1853
(3) 1863 (4) 1825 (4)

17. विश्व में प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग किन दो स्थानों के बीच शुरू किया गया
(1) स्टॉकटन और डर्लिंग्टन (2) लंदनऔर स्टॉकटन
(3) पेरिस और डर्लिंग्टन (4) बर्लिन और पेरिस (1)

18. हिमाच्छादित मैदानों में स्लेज गाड़ी खीचने हेतु कौन से पशुओं का उपयोग किया जाता है।
(1) बैल (2) ऊँट
(3) खच्चर (4) कुत्ते व रेंडियर (4)

19. छोटी दूरियों के लिए परिवहन का कौनसा साधन सर्वाधिक उपर्युक्त होता है।
(1) रेल परिवहन (2) सड़क परिवहन
(3) वायु परिवहन (4) जल परिवहन (2)

20. जर्मनी में अच्छी गुणवता वाली तथा तीव्रगामी सड़कों को कहा जाता है?
(1) आटोवाहन (2) मोटर मार्ग
(3) राष्ट्रीय महामार्ग (4) उपरोक्त सभी (1)

21. ट्रास कनाडियन महामार्ग कौनसे दो नगरों को जोड़ता है ?
(1) एडमंटन और एंकारेज (2) बर्लिन और पेरिस
(3) बैकूवर और सेंटजोन (4) लंदन एवं स्टॉकटन (3)

22. अलास्का राजमार्ग कौनसे दो नगरों को जोडता है।
(1) पेरिस और डर्लिग्टन (2) एडमंटन और एकोरेज
(3) लंदन और स्टॉकटन (4) वर्लिन और पेरिस (2)

23. भारत का सबसे लम्बा महामार्ग है ?
(1) 4 (2) 6
(3) 5 (4) 7 (4)

24. वोल्गा जलमार्ग स्थित है ?
(1) रूस (2) भारत
(3) जर्मनी (4) अमेरिका (1)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. .... महाद्वीप में विश्व का सघनतम रेलमार्ग पाया जाता है ?
उत्तर- यूरोप

2. दूरस्थ स्थानों को जोड़ने वाली पक्की सड़के जो 80 मीटर चौड़ी होती है .... कहलाती है ?
उत्तर- महामार्ग।

3. देश में महामार्ग प्रमुख नगरों को जोड़ते हुए देश में क्रिस-क्रोस करते है?
उत्तर- चीन

4. अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं के सहारे बनाई गई सड़कों को .... सड़के कहा जाता है।
उत्तर- सीमावर्ती

5. .... नहर में कुल छः जलबंधक तंत्र है।
उत्तर- पनामा

शेखावाटी मिशन-100

लघुतरात्मक प्रश्नः-

1. 'बिग इंच' क्या है ?

उत्तर- यह एक पाइपलाइन है जिससे मैक्सिकों की खाड़ी में स्थित तेल के कुओं से संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी राज्यों तक तेल पहुंचाया जाता है।

2. 'वृहद ट्रंक मार्ग' क्या है ?

उत्तर- उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग जो विश्व का सबसे व्यस्ततम समुद्री मार्ग है, को वृहद ट्रंक मार्ग कहा जाता है।

इस मार्ग से विश्व का एक चौथाई व्यापार होता है।

- यह मार्ग औद्योगिक दृष्टि से विकसित विश्व के दो प्रदेशों उतरी पूर्वी संयुक्त अमेरिका और पश्चिमी यूरोप को जोड़ता है।

3. परिवहन का सबसे सस्ता साधन कौनसा है व क्यों ?

उत्तर- परिवहन का सबसे सस्ता साधन जल परिवहन है। जल परिवहन के सबसे सस्ता होने के निम्नलिखित कारण है।

1. इसमें जल का घर्षण स्थल की अपेक्षा बहुत कम होता है।

2. परिवहन के इस साधन में ऊर्जा लागत भी बहुत कम है।

4. वर्तमान समय में भारत में आन्तरिक जलमार्ग के रूप में नदी मार्ग अपनी महता खो चुका है, व्याख्या कीजिए।

उत्तर- वर्तमान समय में भारत में आन्तरिक जलमार्ग के रूप में नदी मार्ग अपनी महता खो चुका है इसके निम्नलिखित कारण है।

1. नदी जल मार्ग की रेलमार्ग के संदर्भ में प्रतिद्वंदता।

2. सिंचाई इत्यादि कार्यों में जल के उपयोग से जल की पर्याप्त मात्रा सुलभ न होना।

3. नदी जल मार्ग का रखरखाव अत्यंत खराब।

5. विकसित देशों में आन्तरिक जलमार्ग के रूप में नदियों की सार्थकता व्यापार व परिवहन में पुनः स्थापित होने के कारण लिखिए।

उत्तर- विकसित देशों में आंतरिक जलमार्ग के रूप में नदियों की सार्थकता व्यापार व परिवहन में पुनः स्थापित होने के कारण निम्नलिखित है।

1. नदी तल को गहरा करके।

2. नदी तल को स्थिर करके।

3. बांध बनाकर जल प्रवाह को नियंत्रित करके।

6. परिवहन एक संगठित सेवा उद्योग है, व्याख्या कीजिए-

उत्तर- परिवहन एक संगठित सेवा उद्योग है इसकी व्याख्या निम्नलिखित पक्षों (तर्कों) द्वारा की जा सकती है।

1. परिवहन के माध्यम से लोगों तथा समाज की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है।

2. परिवहन के अन्तर्गत विभिन्न संस्थाओं का समावेश किया गया है जो परिवहन मार्गों के निर्माण तथा उनके रखरखाव का कार्य करती है।

3. विभिन्न प्रकार के परिवहन के साधन देश की प्रतिरक्षा को मजबूत करते है।

4. दक्ष संचार व्यवस्था तथा तीव्रगामी परिवहन देश के विभिन्न इलाकों (क्षेत्रों) में फैले लोगों के बीच सहयोग तथा एकता बढ़ाते है।

7. परिवहन (यातायात) के अन्य साधनों से मंहगा होते हुए भी वायु परिवहन (यातायात) अपरिहार्य (जरूरी) है क्यों? दो कारण लिखिए-

उत्तर- वायुपरिवहन के अपरिहार्य होने के निम्नलिखित कारण है।

1. यह तीव्रगामी परिवहन का साधन होने के कारण लम्बी दूरी की यात्रा हेतु यात्री इसे वरीयता देते है।

2. मूल्यवान वस्तुओं को तेजी से पूरे विश्व में कहीं भी भेजी जा सकती है।

3. अगम्य क्षेत्रों जैसे पर्वतीय, हीमक्षेत्र तथा विषम मरूस्थलों में पहुंचने का एकमात्र साधन।

4. प्राकृतिक आपदा जैसे- भू-स्खलन, ऐवेलांश, बाढ़ तथा भूकम्प के समय वायु परिवहन ही एकमात्र विकल्प होता है।

8. यदि आप तीव्रगामी परिवहन का विकास करना चाहते है तो आप कौनसे परिवहन का चयन करेंगे तथा उसके विकास हेतु दो सुझाव दीजिए-

उत्तर- तीव्रगामी परिवहन के विकास हेतु वायु परिवहन का चयन सर्वाधिक उपर्युक्त होगा। वायु परिवहन के विकास हेतु सुझाव निम्नलिखित है-

1. वायुयानों के निर्माण तथा उनकी कार्यप्रणाली हेतु अत्यंत विकसित अवस्थापनात्मक सुविधाओं जैसे- विमानशाला, भूमि पर उतारने, ईंधन तथा रख-रखाव की सुविधाओं का निर्माण करके।

2. अत्यधिक संख्या में हवाई पतनों का निर्माण करके।

9. यदि आप सीमेंट का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार करना चाहते है तो आप परिवहन के किस साधन का चयन करेंगे व क्यों ?

उत्तर- सीमेंट के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु जल परिवहन का चयन करेंगे। इसके निम्नलिखित कारण है-

1. जल परिवहन भारी व स्थूल सामग्री को परिवहन करने का सर्वाधिक उपर्युक्त साधन है।

2. यह परिवहन का सबसे सस्ता साधन है।

10. विश्व के किन्हीं तीन ट्रांस महाद्वीपीय रेलमार्गो के नाम लिखिए-

उत्तर- विश्व के प्रमुख ट्रांस महाद्वीपीय रेलमार्ग-

1. पार-साइबेरियन रेलमार्ग 2. पार-कनेडियन रेलमार्ग

3. आस्ट्रेलियाई पार-महाद्वीपीय रेलमार्ग

4. ओरियण्ट एक्सप्रेस

5. संघ एवं प्रशांत रेलमार्ग

11. न्यूयार्क से सैनफ्रांसिस्को की यात्रा हेतु किस रेलमार्ग का उपयोग करेंगे तथा किन दो शहरों से गुजरेंगे।

उत्तर- न्यूयार्क से सैनफ्रांसिस्को की यात्रा हेतु संघ एवं प्रशांत रेलमार्ग का उपयोग करेंगे।

इस मार्ग के दो शहरों के नाम-

1. क्लीवलैंड 2. शिकागो

3. ओमाह 4. आग्डन

5. सेक्रामेंटो

12. सेंट पीटसबर्ग से ब्लाडिबोस्टक की यात्रा हेतु किस रेलमार्ग का उपयोग करेंगे तथा किन दो शहरें से गुजरेगे।

उत्तर- सेंट पीटसबर्ग से ब्लाडिवोस्टक की यात्रा हेतु पार साइबेरियन रेलमार्ग का उपयोग करेंगे।

शेखावाटी मिशन-100

- प्रमुख शहर - मोस्को, कजान, ट्यूमिन, नोवोसिबिर्स्क।

13. ट्रांस साइबेरियन रेलमार्ग की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।
    अ. रेलमार्ग का विस्तार
    ब. मार्ग से आने वाले प्रमुख पर्वत व नदियां
    स. महत्वपूर्ण केन्द्र।

उत्तर- अ. रेलमार्ग का विस्तार- रूस में स्थित एशिया का सबसे महत्वपूर्ण एवं विश्व का सर्वाधिक लम्बा 9322 किमी. दोहरे मार्ग युक्त विद्युतिकृत पार महाद्वीपीय रेलमार्ग है जो पीटसबर्ग को ब्लाडिवास्टक से जोड़ता है। यह एशियाई प्रदेश को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों से जोड़ता है।
ब. मार्ग में आने वाले प्रमुख पर्वत व नदियां-
प्रमुख पर्वत- यूराल पर्वत
प्रमुख नदियां - ओब व येनेसी
स. महत्वपूर्ण केन्द्र- 1. चिता (महत्वपूर्णकृषि केन्द्र)
2. इरकुस्टस्क (फर केन्द्र)

14. एशियाई प्रदेश के बाजार को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों से जोड़ने वाला पार महाद्वीपीय रेलमार्ग कौनसा है ?

उत्तर- पार साइबेरियन रेलमार्ग

15. पर्थ से सिडनी तक की यात्रा हेतु किस रेलमार्ग का उपयोग करेंगे तथा किन दो शहरों से गुजरेंगे।

उत्तर- पर्थ से सिडनी तक यात्रा हेतु आस्ट्रेलियाई पारमहाद्वीपीय रेलमार्ग का उपयोग करेंगे।
प्रमुख शहर- कलगुर्ली, ब्रोकनहिल, पोर्ट अगस्ता।

16. ओरिएंट एक्सप्रेस रेलमार्ग पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- 1. विस्तारः- पेरिस से इस्ताम्बुल तक।
2. प्रमुख शहरः- स्ट्रैस्बर्ग, म्यूनिख, विएना, बुडापेस्ट और बेलग्रेड।
3. प्रमुख निर्यातित वस्तुएं- पनीर, सुअर का मांस, सुई,शराब, फल तथा मशीनरी।

17. पार कैनेडियन रेलमार्ग की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।
    अ. विस्तार   ब. प्रमुख शहर
    स. निर्माण का उद्देश्य   द. रेलमार्ग का महत्व
    य. निर्यातित वस्तुएं

उत्तर- अ. विस्तार- कनाडा में स्थित 7050 किलोमीटर लम्बा रेलमार्ग जो पूर्व में हैलीफैक्स को पश्चिम में बैंकूवर से जोड़ता है।
ब. प्रमुख शहर - माण्ट्रियल, ओटावा, विनीपेग तथा कैलगरी।
स. निर्माण का उद्देश्य - 1886 में ब्रिटिश कोलम्बिया को दो राज्यों के संघ में शामिल करने के उद्देश्य से निर्मित किया गया।
द. रेलमार्ग का महत्व- क्यूबेक- मॉण्ट्रियल औद्योगिक प्रदेश की गेहूं मेखला और उत्तर में शुंकधारी वन प्रदेश से जोड़ने के कारण इस रेलमार्ग का महत्व बढ़ गया है।
य. निर्यातित वस्तुएं- गेहूं व माँस।

18. स्वेज नहर की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए-
    अ. स्थिति   ब. जल बंधक
    स. प्रभावित देश   द. लम्बाई व गहराई,   य. प्रमुख पतन

उत्तर- अ. स्थिति - स्वेज नहर मिश्र देश में स्थित है जिसका निर्माण 1869 में भूमध्यसागर एवं लाल सागर को जोड़ने के लिए किया गया है।
ब. जलबंधक - स्वेज नहर में कोई जलबंधक नहीं है।
स. प्रभावित होने वाले क्षेत्र - स्वेज नहर से यूरोप तथा दक्षिणी एशिया के देशों को अत्यधिक लाभ मिला है। इनमें इंग्लैण्ड, फ्रांस, मिश्र, इजराइल, भारत, श्रीलंका, म्यांमार आदि देश है।
द. लम्बाई व गहराई - इस नहर की लम्बाई 160 किलोमीटर है तथा गहराई 11 से 15 मीटर है।
य. प्रमुख पतन - पोर्ट सईद, पोर्ट स्वेज, अल कटारा पतन, इस्माइलिया पतन पोर्ट फईद आदि प्रमुख पतन है।

19. पनामा नहर की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए-
    अ. स्थिति   ब. जलबंधक
    स. प्रभावित होने वाले देश   द. लम्बाई व गहराई

उत्तर- अ. स्थिति- पनामा नहर पूर्व में अटलांटिक महासागर को पश्चिम में प्रशांत महासागर से जोड़ती है। इसका निर्माण पनामा जलडमरू के आर-पार पनामा नगर एवं कोलोन के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका के द्वारा किया गया।
ब. जलबंधक - पनामा नहर में कुल 6 जल बंधक है।
स. प्रभावित होने वाले देश- इस नहर से सबसे अधिक प्रभावित देश संयुक्त राज्य अमेरिका तथा पनामा है। इनके अलावा पश्चिमी यूरोप तथा पूर्वी एवं दक्षिणी पूर्वी एशिया के देश भी प्रभावित हुए है।
द. लम्बाई व गहराई - यह नहर लगभग 72 किलोमीटर लम्बी है।

20. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

आंतरिक जलमार्ग	अवस्थित देश
अ. राइन जलमार्ग	1. पूर्वी यूरोपीय देश
ब. डेन्यूब जलमार्ग	2. रूस
स. वोल्गा जलमार्ग	3. उतरी अमेरिका के उतरी देश
द. वृहद झील एवं सेंटलारेंस	4. जर्मनी, नीदरलैण्ड, स्वीटजरलैण्ड,
समुद्री मार्ग	फ्रांस, बेल्जियम

उत्तर-

आन्तरिक जलमार्ग	अवस्थित देश
अ. राइन जलमार्ग	1. जर्मनी, नीदरलैण्ड, स्वी., फ्रांस., बे.
ब. डेन्यूब जलमार्ग	2. पूर्वी यूरोपीय देश
स. वोल्गा जलमार्ग	3. रूस
द. वृहदझील एवं सेंटलारेंस समुद्री मार्ग	4. उतरी अमेरिका के उतरी भाग

21. साइबर स्पेस-इंटरनेट से आप क्या समझते है ?

उत्तर- साइबर स्पेस विद्युत द्वारा कम्प्यूटरीकृत स्पेस का संसार है। यह वर्ल्ड वाइड वेबसाइट जैसे इंटरनेट द्वारा आवृत है। यह भेजने वाले और प्राप्त करने वाले के शारीरिक संचलन के बिना कम्प्यूटर पर सूचनाओं के प्रेषण और प्राप्ति की विद्युतीय अंकीय दुनिया है। इसे इंटरनेट के नाम से

शेखावाटी मिशन-100

भी जाना जाता है साइबर स्पेस प्रत्येक जगह विद्यमान है।

22. उपग्रह विकास के क्षेत्र में भारत द्वारा उठाये गये कदमों के विषय में संक्षेप में लिखिए।

उत्तर- उपग्रह विकास में भारत द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदम-

1. 1975 में आर्यभट्ट, 1979 में भास्कर प्रथम का एवं 1980 में रोहिणी का प्रक्षेपण किया।

2. 1981 में एप्पल को प्रक्षेपण एरियन राकेट द्वारा किया गया।

3. भास्कर, चैलेंजर तथा इन्सेट-1 बी नामक उपग्रहों के प्रक्षेपण ने लम्बी दूरी के संचार, दूरदर्शन तथा रेडियो को अत्यधिक प्रभावी बना दिया है।

23. सीमावर्ती सड़कों से आप क्या समझते है तथा इनका महत्व बताइए।

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं के सहारे बनाई गई सड़कों को सीमावर्ती सड़के कहा जाता है।

महत्वः- यह सड़के सीमावर्ती गाँवों तथा सैन्य शिविरों तक वस्तुएं पहुंचाने हेतु बनाई जाती है।

24. परिवहन एवं संचार में अन्तर बताइये।

उत्तर-

परिवहन	संचार
1. वस्तुओं तथा व्यक्तियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने व ले जाने के साधन परिवहन कहलाते है।	1. संदेश व विचारों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने के माध्यम को संचार कहते है।
2. परिवहन के प्रमुख साधन- रेल सड़क जलमार्ग, वायुमार्ग एवं पाइप लाइन है।	2. संचार के प्रमुख साधन तार, टेलिविजन, रेडियो, इंटरनेट आदि है।

25. विश्व के किन्हीं तीन आंतरिक जलमार्गो के नाम लिखिए।

उत्तर- विश्व के प्रमुख आन्तरिक जलमार्ग

1. राइन जलमार्ग 2. डेन्यूब जलमार्ग

3. वोल्गा जलमार्ग

4. वृहदझील एवं सेंट लारेंस समुद्री मार्ग

5. मिसीसिपी जलमार्ग

26. पाइपलाइन से परिवहित किये जाने वाले तीन पदार्थो के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. जल 2. पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस

3. दूध (न्यूजीलैण्ड में)

27. परिवहन जाल से आप क्या समझते है ?

उत्तर- अनेक स्थान जिन्हें परस्पर मार्गो की श्रेणियों द्वारा जोड़ दिये जाने पर जिस प्रारूप का निर्माण होता है उसे परिवहन जाल कहते है।

28. आन्तरिक जलमार्ग के विकास की कोई दो अनुकूल दशाएं लिखिए।

उत्तर- 1. नदी या नहर चौड़ी, गहरी एवं गाद से मुक्त होनी चाहिए।

2. जल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होना चाहिए।

अध्याय-8 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

1. संसार के अधिकांश महान पत्तन इस प्रकार वर्गीकृत किए गए है-
(1) नौसेना पत्तन (2) विस्तृत पत्तन
(3) तैल पत्तन (4) औद्योगिक पत्तन (2)

2. निम्नलिखित महाद्वीपों में से किसी एक से विश्व व्यापार का सर्वाधिक प्रवाह होता है ?
(1) एशिया (2) यूरोप
(3) उत्तरी अमेरिका (4) अफ्रीका (3)

3. निम्न में से कौनसा एक विश्राम पत्तन है ?
(1) गिपोली (2) रोटरडम
(3) कोपेनहेगन (4) होनोलूलू (4)

4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार है-
(1) आर्थिक विकास की प्रावस्था
(2) राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता
(3) जनसंख्या कारक
(4) उपरोक्त सभी (4)

5. WTO की स्थापना कब हुई थी ?
(1) 1995 (2) 1948
(3) 1951 (4) 1965 (1)

6. (WTO) विश्व व्यापार संगठन का मुख्यालय कहां स्थित है ?
(1) न्यूयॉर्क (2) जिनेवा
(3) नई-दिल्ली (4) सिंगापुर (2)

7. निम्नलिखित में से कौनसा तेल पत्तन है ?
(1) माराकाइबो (2) लेबनान
(3) त्रिपोली (4) उपरोक्त सभी (4)

8. निम्नलिखित में से कौनसा आंत्रपो पत्तन है ?
(1) सिंगापुर (2) रोटरडम
(3) कोपेन हेगन (4) उपर्युक्त सभी (4)

9. कोलकाता किस नदी पर स्थित है ?
(1) गंगा नदी पर (2) हुगली नदी पर
(3) यमुना नदी पर (4) नर्मदा नदी (2)

1. पतन कौन-कौन सी सुविधाएँ प्रदान करता है तथा विशिष्टीकृत क्रियाकलापों के आधार पर तीन प्रकार के पतनों के नाम लिखिए ?

उत्तर- पतन जहाज के लिए गोदी लादने, उतारने तथा भण्डारण की सुविधा प्रदान करते है।

- विशिष्टीकृत क्रियाकलापों के आधार पर पतनों के प्रकार-

1. तेल पतन 2. मार्ग पतन (विश्राम पतन)
3. पैकेट स्टेशन (फेरी पतन) 4. आंत्रपो पतन 5. नौसेना पतन।

2. व्यापार से क्या अभिप्राय है, व्यापार कौनसी आर्थिक क्रिया है तथा व्यापार के दो स्तर लिखिए ?

उत्तर- व्यापार- व्यापार से अभिप्राय वस्तुओं तथा सेवाओं के स्वैच्छिक आदान-प्रदान से है।

- व्यापार तृतीयक आर्थिक क्रिया है।

- व्यापार के दो स्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा राष्ट्रीय व्यापार

शेखावाटी मिशन-100

3. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर- विभिन्न राष्ट्रों के बीच राष्ट्रीय सीमाओं के आर-पार वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है।

4. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कोई तीन आधार लिखिए

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार-

1. राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता 2. जनसंख्या कारक
3. आर्थिक विकास की प्रावस्था 4. विदेशी निवेश की सीमा
5. परिवहन

5. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ लिखिए ?

अथवा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से कोई राष्ट्र किस प्रकार लाभ प्राप्त कर सकता है ?

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ - 1. यह वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्य नियंत्रण में प्रभावी भूमिका निभाता है।

2. इसमें बाह्य स्रोत जैसे कार्यो से रोजगार सृजन होता है।

3. इससे राष्ट्रों का आर्थिक विकास होता है।

4. इससे राष्ट्रों के अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंधों में सुधार होता है, साथ ही सामाजिक व सांस्कृतिक विकास होता है।

6. प्राचीन काल में व्यापार हेतु विनिमय व्यवस्था क्या थी ?

उत्तर- प्राचीन काल में विनिमय व्यवस्था आदिम समाज में व्यापार का तरीका था जिसमें वस्तु के बदले वस्तु का आदान-प्रदान होता था। यह व्यवस्था वर्तमान समय में गुवाहाटी के पास जॉन बील मेले में देखने को मिलती है।

7. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार लिखिए ?

अथवा

द्विपार्श्विक व बहुपार्श्विक व्यापार में क्या अन्तर है ?

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दो प्रकार है-

1. द्विपार्श्विक व्यापार- इसमें व्यापार दो देशों द्वारा एक-दूसरे के साथ किया जाता है।

2. बहुपार्श्विक व्यापार- इसमें व्यापार बहुत से व्यापारिक देशों के साथ किया जाता है।

8. रेशम मार्ग से आप क्या समझते है ?

उत्तर- प्राचीनकाल में रोम को चीन से जोड़ने वाले 6000 किलोमीटर लम्बे मार्ग को रेशम मार्ग कहा जाता था। इस मार्ग से भारत, पर्शिया (इरान) और मध्य एशिया के व्यापारी चीन में बने रेशम, रोम की ऊन तथा बहुमूल्य धातुओं एवं अन्य महंगी वस्तुओं का व्यापार करते थे।

9. दास व्यापार से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- 15 वीं शताब्दी में पुर्तगाली, डच, स्पेनिश तथा अंग्रेज लोगों द्वारा अफ्रीकी मूल के लोगों को जबरन पकड़कर दूसरे देशों में बागानों में श्रमिकों के रूप में कार्य करवाया जाता था जिसे दास व्यापार कहा गया।

10. मुक्त व्यापार से आप क्या समझते है, इसका अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर- व्यापार हेतु अर्थव्यवस्थाओं को खोलने का कार्य मुक्त व्यापार अथवा व्यापार उदारीकरण कहलाता है। यह कार्य व्यापारिक अवरोधों जैसे सीमा शुल्क घटाकर किया जाता है।

- मुक्त व्यापार का प्रभावः- विकासशील देशों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है क्योंकि इसमें उन देशों के बाजारों को विकसित होने के समान अवसर प्राप्त नहीं होते।

11. 'डंप करना' से आप क्या समझते है ?

उत्तर- एक ही वस्तु को दो देशों में अलग-अलग कीमत पर बेचने (विक्रय) की प्रथा को डप करना कहा जाता है। यह लागत कारण से नहीं अपितु अन्य कारणों से किया जाता है।

12. पतन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार है, कथन की व्याख्या कीजिए ?

उत्तर- इन पतनों द्वारा जहाजी माल तथा यात्री विश्व के एक भाग से दूसरे भाग को जाते है। साथ ही पतन जहाज के लिए गोदी लादने, उतारने तथा भण्डारण की सुविधा प्रदान करते है।

13. पैकेट स्टेशन (फेरी पतन) क्या है तथा इन पतनों के उदाहरण लिखिए?

उत्तर- पैकेट स्टेशन (फेरी पतन) का छोटे समुद्री मार्ग से आवागमन करने वाले यात्रियों को उतारने तथा चढ़ाने तथा डाक लाने व ले जाने के लिए प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण- इंग्लिस चैनल के आर-पार इंग्लैण्ड में डोवर तथा फ्रांस में कैलाइस।

14. आन्त्रपो पतन क्या है तथा इन पतनों के उदाहरण लिखिए ?

उत्तर- ये पतन एकत्रण के केन्द्र के रूप में कार्य करते है जहां विभिन्न देशों से निर्यात हेतु वस्तुएं लाई जाती है।

उदाहरण- सिंगापुर, कोपेनहेगेन, रोटरडम पतन।

15. विश्राम पतन (मार्ग पतन) क्या है तथा इन पतनों के उदाहरण लिखिए ?

उत्तर- ये पतन मुख्य समुद्री मार्गो पर विश्राम केन्द्र के रूप में कार्य करते है जहाँ पर जहाज ईधन भरने, जल भरने तथा खाद्य सामग्री के लिए रूकते है।

उदाहरण - सिंगापुर, अदन, होनोलूलू पतन

16. तेल पतन क्या है तथा इसके उदाहरण लिखिए।

अथवा

तेलशोधन पतन तथा टैंकर पतन क्या है ?

उत्तर- ये पतन तेल प्रक्रमण तथा नौ परिवहन का कार्य करते है जिन्हें क्रमशः तेल शोधन पतन तथा टैंकर पतन कहा जाता है।

उदाहरण - मराकाइबो, एस्सखीरा, त्रिपोली टैक (पतन)

17. नौसेना पतन क्या है तथा इसके उदाहरण लिखिए।

उत्तर- ये केवल सामाजिक पतन है जो केवल युद्धक जहाजों को सेवाएं देते है।

उदाहरण- कोच्चि तथा कारवाड़

18. भारत के किन्हीं दो नौसेना पतनों के नाम लिखिए।

उत्तर- 1. कोच्चि 2. कारवाड़

19. çßE ÃØÂèáú »ÆÈ (WTO) का स्थापना वर्ष, मुख्यालय तथा सदस्य राष्ट्र के बारे में लिखिए।

उत्तर- विश्व व्यापार संगठन की स्थापना - जनवरी 1995 में।

मुख्यालय- जिनेवा (स्विट्जरलैण्ड) में।

सदस्य राष्ट्रों की संख्या- 2016 में इसके सदस्य राष्ट्र 164 थे।

शेखावाटी मिशन-100

20. ÇßàÂ ÃØÂêúúá »ÆÈ (WTO) का उद्देश्य लिखिए ?

उत्तर- विश्व व्यापार संगठन का उद्देश्य राष्ट्रों के बीच मुक्त व निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देना है।

21. विश्व व्यापार संगठन (WTO) के कार्य लिखिए?

उत्तर- WTO के कार्य- 1. यह देशों के बीच व्यापार के वैश्विक नियमों को विनियमित करता है।

2. सदस्य राष्ट्रों के बीच व्यापार के विवादों का निपटारा करता है।

3. विश्व व्यापारी तंत्र के नियमों को नियत करता है।

22. ऋणात्मक भुगतान संतुलन का होना किसी देश के लिए हानिकारक क्यों होता है ?

उत्तर- ऋणात्मक भुगतान संतुलन से तात्पर्य है कि कोई देश वस्तुओं के क्रय पर व्यय अधिक करता है, जितना की उसे विक्रय से प्राप्त होता है। ऋणात्मक भुगतान संतुलन से धीरे-धीरे उस देश का वितीय संचयन (मुद्रा भण्डार) समाप्त होता जाता है।

23. व्यापार संतुलन से क्या तात्पर्य है ? ऋणात्मक (प्रतिकूल) तथा धनात्मक (अनुकूल) व्यापार संतुलन क्या है।

उत्तर- व्यापार संतुलन - एक देश द्वारा अन्य देशों को आयात व निर्यात की गई वस्तुओं एवं सेवाओं का लेखा-जोखा है।

ऋणात्मक (प्रतिकूल) व्यापार संतुलन- जब आयात का मूल्य देश के निर्यात के मूल्य से अधिक हो तो ऐसी स्थिति ऋणात्मक (प्रतिकूल) व्यापार संतुलन कहलाती है।

24. 'सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र' से आप क्या समझते है ?

उत्तर- सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र का अर्थ विशेष तरजीह (विशेष सुविधा) देना। इसके तहत कोई भी देश अपने व्यापारिक साझेदार देशों को सीमा शुल्क के मामले में विशेष सुविधा (रियायत अथवा तरजीह) देता है। यह दर्जा व्यापार को बढ़ाने के लिए दिया जाता है।

25. GATT क्या है ? (जनरल एग्रीमेंट ऑन ट्रेड एण्ड टैरिफ)

उत्तर- 1948 में गठित संगठन जिसका उद्देश्य व्यापार को उच्च सीमा शुल्क तथा विभिन्न अन्य बाधाओं से मुक्त करना था। 1995 में GATT को WTO में बदल दिया गया।

26. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार में "राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता" से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- भौतिक संरचना जैसे भूविज्ञान, उच्चावच, मृदा व जलवायु में भिन्नता के कारण विश्व के राष्ट्रीय संसाधन असमान रूप से वितरित है। जैसे - खनिज संसाधनों की उपलब्धता, औद्योगिक विकास का आधार है।

27. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार में जनसंख्या कारक का क्या महत्व है।

उत्तर- विभिन्न देशों में जनसंख्या के आकार, वितरण तथा उसकी विविधता व्यापार की गई वस्तुओं के प्रकार तथा मात्रा को प्रभावित करती है जैसे सघन बसे देशों में आन्तरिक व्यापार अधिक जबकि बाह्य व्यापार न्यून होता है।

28. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार में परिवहन का क्या महत्व है ?

उत्तर- रेल, समुद्री, वायु परिवहन के विस्तार होने से तथा प्रशीतन एवं परिरक्षण के बेहतर साधनों के विकास से व्यापार का विस्तार हुआ है।

29. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा राष्ट्रीय व्यापार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार- विभिन्न देशों के बीच राष्ट्रीय सीमाओं के आर-पार वस्तुओं और सेवाओं के आदान-प्रदान को कहा जाता है।

राष्ट्रीय व्यापार- किसी देश के विभिन्न राज्यों के मध्य वस्तुओं एवं सेवाओं का आदान-प्रदान होता है। उसे राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है।

30. विश्व व्यापार में सम्मिलित किन्हीं तीन व्यापारिक वस्तुओं के नाम लिखिए।

उत्तर- विश्व व्यापार में शामिल प्रमुख व्यापारिक वस्तुएं-

1. मशीनरी व परिवहन उपकरण
2. ईंधन एवं खनिज
3. रसायन
4. लौह इस्पात तथा वस्त्र
5. स्वचालित उत्पाद

31. अवस्थिति के आधार पर पतनों के प्रकार बताइये?

अथवा

अन्तर्देशिय पतन तथा बाह्य पतन में अन्तर बताइये ?

उत्तर- अन्तर्देशिय पतन - ये पतन समुद्र तल से दूर स्थित होते है जो नदी या नहर द्वारा समुद्र से जुड़े रहते है। अन्तर्देशिय पतन कहलाते है।

बाह्य पतन -ये पतन गहरे जल के पतन है जो वास्तविक पतन से दूर बने होते है यहां पर जहाज पहुंचते है बाह्य पतन कहलाते है।

32. व्यापार संयोजन के दो उद्देश्य लिखिए।

उत्तर- 1. व्यापार संयोजन से विभिन्न प्रकार के उत्पादों के आयात-निर्यात में हुए परिवर्तनों का ज्ञान प्राप्त होता है।

2. इससे विश्व व्यापार में महाद्वीपों एवं विभिन्न देशों की हिस्सेदारी में हुए परिवर्तन की जानकारी प्राप्त होती है।

33. पतनों के पृष्ठ प्रदेश से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- पृष्ठ प्रदेश किसी पतन का स्थल की ओर विस्तृत भाग है जिससे आयात की जाने वाले वस्तुओं का वितरण तथा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं का संग्रह किया जाता है।

34. व्यापारिक समूहों द्वारा राष्ट्रों को प्राप्त होने वाले लाभ बताइये।

उत्तर- 1. व्यापारिक समूहों द्वारा राष्ट्रों के बीच होने वाले व्यापार में विभिन्न मदों में भौगोलिक सामीप्य, समरूपता तथा पूरकता प्राप्त होती है।

2. इसके द्वारा विभिन्न देशों के बीच व्यापार बढ़ाने तथा व्यापारिक प्रतिबंध हटाने में मदद मिलती है।

3. इनके सदस्य देशों को व्यापार शुल्क से मुक्ति मिलती है तथा मुक्त व्यापार को प्रोत्साहन मिलता है।

शेखावाटी मिशन-100

मानचित्र कार्य (विश्व)

1. विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित नगरों को दर्शाइये।

उत्तर- 1. सेन फ्रांसिस्को 2. कैनेबरा
3. लंदन 4. बीजिंग
5. न्यूयार्क 6. नई दिल्ली
7. कराची 8. केपटाउन
9. सिंगापुर 10. पर्थ
11. सिडनी 12. डरबन

2. विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नांकित देशों को दर्शाइये-

उत्तर- 1. संयुक्त राज्य अमेरिका 2. ग्रेट ब्रिटेन
3. फ्रांस 4. जापान
5. ऑस्ट्रेलिया 6. अर्जेन्टिना
7. न्यूजीलैण्ड 8. कनाडा
9. दक्षिणी अफ्रीका 10. नीदरलैण्ड
11. डेनमार्क 12. जर्मनी
13. भारत 14. चीन
15. रूस 16. युरूग्वे

3. विश्व के मानचित्र में भूमध्यसागरीय कृषि के निम्नलिखित क्षेत्रों को दर्शाइये।

उत्तर- 1. दक्षिणी कैलीफोर्निया
2. मध्यवर्ती चिली
3. दक्षिणी अफ्रीका का दक्षिणी पश्चिमी भाग
4. ऑस्ट्रेलिया का दक्षिण व दक्षिणी पश्चिमी भाग

अध्याय-1 जनसंख्या-वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

1. भारत में पहली जनगणना किस वर्ष हुई ।
(1) 1901 (2) 1890
(3) 1872 (4) 1951 (3)

2. निम्नलिखित में से किस राज्य का जनसंख्या घनत्व सबसे कम है ।
(1) असम (2) अरूणाचल प्रदेश
(3) राजस्थान (4) पंजाब (2)

3. भारत सरकार ने किस वर्ष कौशल विकास व उधमिता नीति बनाई।
(1) 2014 (2) 2010
(3) 2000 (4) 2015 (4)

4. निम्नलिखित में से कौनसा एक समूह भारत में विशालतम भाषाई समूह है?
(1) चीनी तिब्बती (2) अस्ट्रिक
(3) द्रविड़ (4) भारतीय आर्य (4)

5. निम्नलिखित में से किस राज्य की जनसंख्या सर्वाधिक है।
(1) उत्तर प्रदेश (2) बिहार
(3) मध्य प्रदेश (4) राजस्थान (1)

6. निम्नलिखित में से किस समयावधि में भारत में ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की गई।
(1) 1901-1911 (2) 1911-1921
(3) 1961-1971 (4) 2001-2011 (2)

7. निम्नलिखित में से किस दशकीय समयावधि को भारत में जनसंख्या विस्फोट के रूप में जाना जाता है।
(1) 1901-1921 (2) 1921-1951
(3) 1951-1981 (4) 1981 से वर्तमान तक (3)

8. भारत में अनुसूचित भाषाओं की संख्या है?
(1) 21 (2) 22
(3) 23 (4) 24 (2)

9. 1991 से 2001 के दौरान निम्नतम वृद्धि दर दर्ज किस राज्य में की गई ?
(1) केरल (2) अरूणाचल प्रदेश
(3) हरियाणा (4) पंजाब (1)

10. अनुसूचित भाषाओं में भारत में सर्वाधिक कौनसी भाषा बोली जाती है ?
(1) संस्कृत (2) अंग्रेजी
(3) तमिल (4) हिन्दी (4)

11. भारत में पहली सम्पूर्ण जनगणना किस वर्ष हुई ?
(1) 1981 (2) 1881
(3) 1781 (4) 1872 (2)

12. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कितने व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर तक है ?
(1) 11297 (2) 11397
(3) 11497 (4) 11597 (1)

13. भारत की 1901 से 2011 की दशकीय वृद्धि दर सर्वाधिक किस वर्ष व कितना प्रतिशत रही ?
(1) 1951, 24.80% (2) 1961, 25.66%
(3) 1971ए 24.80% (4) 1981, 25.66% (3)

14. भारत में जनसंख्या वृद्धि किस प्रावस्था में जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर 2.2% रही ?
(1) प्रावस्था ख (2) प्रावस्था क
(3) प्रावस्था घ (4) प्रावस्था ग (4)

15. 1991 से 2001 के दौरान किस राज्य में निम्नतम वृद्धि दर दर्ज की गई ?
(1) अरूणाचल प्रदेश, 9.3% (2) असम, 9.4%
(3) केरल, 9.4% (4) जम्मू व कश्मीर, 9.3% (3)

16. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में किशोर व किशोरियों का प्रतिशत है ?
(1) 52.7%, 47.3% (2) 47.3%, 52.7%
(3) 53.3%, 46.7% (4) 46.7%, 53.3% (1)

17. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में श्रमिकों का अनुपात है ?
(1) 39.8% (2) 38.9%
(3) 37.8% (4) 37.7% (1)

18. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में अश्रमिको का प्रतिशत है ?
(1) 60% (2) 30%
(3) 70% (4) 40% (1)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. भारत का जनसंख्या घनत्व ....व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मी. (2011) है।

उत्तर- 382

शेखावाटी मिशन-100

2. भारत में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व .... राज्य का है।

उत्तर- बिहार (1102)

3. भारत की वार्षिक वृद्धि दर .... प्रतिशत है।

उत्तर- 1.64

4. वर्तमान में किशोरों (10-19 वर्ष आयु वर्ग) का अंश .... प्रतिशत है

उत्तर- 20.9

5. देश की कुल जनसंख्या का .... प्रतिशत भाग गाँवों में रहता है।

उत्तर- 68.8

6. देश की कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या .... प्रतिशत है।

उत्तर- 31.16

7. ग्रियर्सन के अनुसार देश में .... भाषाएँ और .... के लगभग बोलियाँ थी।

उत्तर- 179 भाषाएँ व 544 बोली।

8. भारत की पहली सम्पूर्ण जनगणना .... ई. में सम्पन्न हुई।

उत्तर- 1881

9. महिला श्रमिको की संख्या .... सेक्टर में अपेक्षाकृत अधिक है।

उत्तर- प्राथमिक

10. भारत की जनसंख्या .... तथा विश्व में .... स्थान है ।

उत्तर- 121 करोड़ तथा दूसरा।

(लघुतरात्मक प्रश्न)

1. जेंडर संवेदनशीलता क्या है ? समझाइए-

उत्तर- मानव में विशेष रूप से जेंडर के आधार पर होने वाले भेदभाव अलगाव तथा बहिष्कार से होने वाले दुष्प्रभावों को ध्यान में रखकर राष्ट, सरकार तथा समाज द्वारा अनेक प्रयास किये जा रहे है जिसे जेंडर संवेदनशीलता के प्रति बढ़ावा दिया जा रहा है।

♦ समाज में सभी जेंडरों के लिए अलग-अलग निर्धारित की जाती है जो सामाजिक भेदभाव, अलगाव तथा बहिष्कार का आधार बन जाती है। यह एक अपराध है। इसलिए सभी के लिए समान शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, समान कार्य के प्रति समान वेतन, समान जीवन जीने के अवसर सभी को मिले, इसके लिए प्रयास किये जाने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्तर पर ''बेटी बचाओं बेटी पढाओं'' सामाजिक अभियान चलाया जा रहा है।

2. भारत में कृषि सेक्टर के श्रमिकों के अनुपात में हो रही लगातार कमी का प्रमुख कारण लिखिए-

उत्तर- भारत में कुछ दशकों से कृषि सेक्टर के श्रमिकों के अनुपात में लगातार कमी आ रही है। (2001 में 58.2% से घटकर 2011 में 54.6%) कृषि सेक्टर के श्रमिक द्वितीयक और तृतीयक सेक्टर में सहभागिता बढ़ा रहे है जिसका मुख्य कारण सीमित कृषि भूमि की उपलब्धता नगरीकरण और औद्योगीकरण है इसके साथ ही वर्षा की अनियमितता, भौम जलस्तर का लगातार गिरना, कृषि से आर्थिक लाभ कम प्राप्त होना प्रमुख कारण है।

3. मुख्य श्रमिक तथा सीमांत श्रमिक में अन्तर स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- 1. **<u>मुख्य श्रमिक</u>**- वह व्यक्ति है जो एक वर्ष में कम से कम 183 दिन या इससे अधिक कार्य करता है। उसे मुख्य श्रमिक कहा जाता है।

2. **सीमांत श्रमिक**- वह व्यक्ति जो एक वर्ष में 183 दिनों से कम दिनों तक कार्य करता है उसे सीमांत श्रमिक कहा जाता है।

4. जनसंख्या के व्यावसायिक संघटन को समझाएँ-

उत्तर- किसी व्यक्ति के खेती, विनिर्माण, व्यापार, सेवाओं अपना किसी भी प्रकार की व्यावसायिक क्रियाओं में लगे होने से है। 2011 की जनगणना के अनुसार श्रमजीवी जनसंख्या को चार प्रमुख संवर्गो में बाँटा गया है।

1. कृषक 2. कृषि मजदूर
3. घरेलू औद्योगिक श्रमिक 4. अन्य श्रमिक

- प्राथमिक सेक्टर में श्रमजीवी जनसंख्या काअनुपात सर्वाधिक है कुल श्रमजीवी का 54.6% कृषक और कृषि मजदूर जबकि घरेलू उद्योगों में केवल 3.8% श्रमिक लगे है। 41.6% श्रमिक अन्य है।

5. भारत में धार्मिक संघटन का वितरण लिखिए- (जनगणना-2011 के अनुसार)

उत्तर- 1. हिन्दू = 79.8% - जम्मू-कश्मीर, भारत-पाक सीमा, भारत-बांग्लादेश सीमा, उत्तर-पूर्वी राज्यों को छोड़कर सम्पूर्ण भारत में 70 से 90% जनसंख्या के रूप में पाये जाते है।

2. मुस्लिम = 14.2% - जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, केरल, उत्तरप्रदेश।
3. ईसाई = 2.3% - गोआ, केरल, मेघालय, मिजोरम।
4. सिक्ख = 1.7% - पंजाब, हरियाणा, दिल्ली।
5. बौद्ध = 0.7% - महाराष्ट्र, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश।
6. जैन = 0.4% - राजस्थान के नगरीय क्षेत्र, गुजरात व महाराष्ट्र।

6. जनसंख्या वृद्धि किसे कहते है ? जनसंख्या वृद्धि के दो प्रमुख कारण लिखिए-

उत्तर- निश्चित स्थान/क्षेत्र में निश्चित समय अन्तराल में होने वाले जनसंख्या परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहते है। जनसंख्या वृद्धि के दो प्रमुख कारण निम्नलिखित है-

1. भारत के ग्रामीण व कमजोर शैक्षणिक स्तर वाले राज्यों में पुरूष प्रधान समाज की धारणा से लगातार जनसंख्या वृद्धि हो रही हैं अतः अशिक्षा जनसंख्या वृद्धि का प्रमुख कारण है।

2. भारत के कुछ राज्यों में प्रवास भी जनसंख्या वृद्धि का प्रमुख कारण बन रहा है।

7. ''जनसंख्या विस्फोट की प्रावस्था'' पर टिप्पणी कीजिए-

उत्तर- भारत में 1951-1981 के दशकों को जनसंख्या विस्फोट की प्रावस्था माना जाता है। इस समय अवधि में उच्च प्रजनन दर तथा मृत्यु दर में तीव्र कमी के कारण जनसख्या की औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत तक रही।

इस समय अवधि में जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि उच्च रहने के साथ ही पाकिस्तान, नेपाल, बाग्लादेश से आने वाले प्रवासियों की संख्या अधिक होने के कारण भारत की जनसंख्या में तीव्र वृद्धि दर्ज की गई।

8. ''राष्ट्रीय युवा नीति- 2014'' पर टिप्पणी कीजिए-

उत्तर- ''राष्ट्रीय युवा नीति-2014'' फरवरी 2014 में आरम्भ की गई है जो

शेखावाटी मिशन-100

भारत के युवाओं के लिए समग्र दूरदर्शी प्रस्ताव रखती है ''देश के युवाओ को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाना और उनके द्वारा भारत को राष्ट्रों के समूह में अपना उचित स्थान प्राप्त करने में सक्षम बनाना है''

- राष्ट्रीय युवा नीति 2014 में 15-29 आयु वर्ष समूह के व्यक्ति को 'युवा' के रूप में परिभाषित करती है।

9. जनसंख्या वितरण में जलवायु की भूमिका स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- जनसख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों में जलवायु सर्वाधिक प्रभावी कारक है भारत में अनुकूल जनसंख्या वाले क्षेत्रों जैसे- उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा राज्यों में जनसंख्या सर्वाधिक तथा उच्च घनत्व पाया जाता है।

* भारत में प्रतिकूल जलवायु क्षेत्रों जैसे- पहाड़ी प्रदेशों वाले राज्यों (अरूणाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, हिमाचल) मरूस्थलीय भागों (पश्चिम राजस्थान) में जनसंख्या कम तथा निम्न जनसंख्या घनत्व पाया जाता है।

10. भारत के कुछ राज्यों में अन्य राज्यों की अपेक्षा श्रम सहभागिता उच्च होने के दो प्रमुख कारण लिखिए-

उत्तर- भारत अनेक भौतिक स्वरूप, जलवायु, उच्चावच वाला विस्तृत, भौगोलिक भाग है जिसमें अनेक राज्यों में अनेक भिन्नताएं पाई जाती है। कुछ राज्यों में श्रम सहभागिता उच्च होने के निम्न कारण है-

1. भारत के गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों में द्वितीयक व तृतीय व्यवसाय को पूर्ण करने के लिए अधिक श्रमिकों की आवश्यकता है जिससे इन राज्यों की श्रम सहभागिता अन्य राज्यों से उच्च है।

2. भारत के पहाडी तथा मरूस्थलीय प्रदेशों वाले राज्यों में व्यवसायिक क्रियाएँ कम होने के कारण यहाँ श्रम सहभागिता निम्न पाई जाती है।

11. पिछले दशकों में भारत में नगरीय जनसंख्या तीव्र दर से बढ़ने के कारण लिखिए।

उत्तर- भारत में नगरीय जनसंख्या की वृद्धि दर आर्थिक विकास, स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी दशाओं में सुधार के कारण तेजी से बढ़ी है।

12. जनसंख्या वृद्धि से क्या अभिप्राय है तथा जनसंख्या वृद्धि के घटक लिखिए।

उत्तर- दो समय बिंदुओं के बीच किसी क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहते है।

इसके दो घटक है।

1. प्राकृतिक (जन्म व मृत्यु)
2. अभिप्रेरित (उत्प्रवास व आप्रवास)

13. भारत की जनसंख्या वृद्धि की प्रावस्थाओं पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- चार प्रावस्थाएँ

1. प्रावस्था क:- (1901-1921) स्थिर प्रावस्था

♦. 1911 से 1921 के बीच ऋणात्मक वृद्धि

♦. उच्च जन्म व उच्च मृत्यु दर रही।

2. प्रावस्था ख:- (1921-1951) जनसंख्या की स्थिर वृद्धि की अवधि

♦. स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार से मृत्यु दर में कमी आयी।

3. प्रावस्था ग:- (1951-1981) भारत में जनसंख्या विस्फोट की अवधि

♦. मृत्यु दर में तीव्र ह्रास तथा उच्च जन्म दर रही।

4. प्रावस्था घ:- (1981 से वर्तमान तक) जनसंख्या वृद्धि दर तो उच्च रही परन्तु धीरे-धीरे घटने लगी।

14. कृषि जनसंख्या में कौन-कौन सम्मिलित होते है ?

उत्तर- कृषि जनसंख्या में कृषक, कृषि मजदूर और उनके परिवार के सदस्य।

15. 10-19 आयु वर्ग में किशोर व किशोरियों का प्रतिशत है।

उत्तर- किशोर 52.7% तथा किशोरियाँ 47.3%

16. भारत में न्यूनतम जनसंख्या प्रतिशत वाले राज्य कौनसे है ?

(1) उत्तराखण्ड (.83%)
(2) अरूणाचल प्रदेश (0.84%)
(3) जम्मू और कश्मीर (1.04%)

अध्याय- 02 मानव बस्ती

1. आर्थिक वृद्धि के नोड के रूप में कार्य करते है-
(1) गाँव (2) संचार
(3) नगर (4) ये सभी (3)

2. निम्न में से ग्रामीण बस्ती का प्रकार है-
(1) गुच्छित (2) अर्द्धगुच्छित
(3) पल्लीकृत (4) ये सभी (4)

3. सन् 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत रहा-
(1) 26.87 (2) 31.16
(3) 28.78 (4) 29.87 (2)

4. ग्रामीण बस्तियां सम्बन्धित होती है-
(1) प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं से
(2) द्वितीयक आर्थिक क्रियाओं से
(3) तृतीयक आर्थिक क्रियाओं से
(4) चतुर्थक आर्थिक क्रियाओं से (1)

5. 'नंगला' क्या है ?
(1) गुच्छित बस्तियों का स्थानी नाम
(2) पल्लीकृत बस्तियों का स्थानीय नाम
(3) एक पोशाक
(4) स्थान का नाम (2)

6. भारत की जनगणना के अनुसार निम्न में से कौनसी एक विशेषता नगर की परिभाषा का अंग नहीं है ?
(1) जन घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
(2) नगरपालिका, नगर-निगम का होना
(3) 75 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या का प्राथमिक कार्यों से संलग्न होना
(4) जनसंख्या आकार 5000 से अधिक (3)

शेखावाटी मिशन-100

7. आधुनिक उद्योगों पर आधारित नगरो का जन्म हुआ।
(1) 1950 के बाद (2) 1850 के बाद
(3) 1800 के बाद (4) 1900 के बाद (2)

8. भारत में नगरीय जनसंख्या की सर्वाधिक वृद्धि 46.14% किस सन् में दर्ज की गई ?
(1) 1961 (2) 1971
(3) 1981 (4) 1991 (3)

9. जनसंख्या की तीव्र वृद्धि के कारण उत्पन्न होने वाली समस्या है -
(1) भोजन की समस्या (2) आवास की समस्या
(3) निम्न जीवन स्तर (4) उपरोक्त सभी (4)

10. निम्न में से जनसंख्या परिवर्तन का घटक नहीं है ?
(1) जन्म (2) मृत्यु
(3) ओद्योगीकरण (4) प्रवास (3)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

11. उपजाऊ जलोढ़ मैदान एवं उत्तरी पूर्वी राज्यों में पाए जाने वाले ग्रामीण बस्ती .... है। (गुच्छित बस्तियां)
12. भारत की ग्रामीण बस्तियों को .... प्रकारों में बांटा गया है। (चार)
13. नगर आर्थिक वृद्धि के .... के रूप में कार्य करते है। (नोड)
14. उच्चतम क्रम में प्रशासनिक मुख्यालयों वाले शहरों को .... नगर कहते है। (प्रशासन नगर)
15. किसी भी प्रकार और आकार के घरों का समूह जिनमें मानव निवास करते हैं .... कहलाती है। (मानव बस्तियां)
16. ऐसे बड़े अधिवास जिनमें द्वितीयक क्रियाकलापों का विशिष्टीकरण मिलता है .... बस्तियां कही जाती है। (नगरीय बस्तियां)
17. हिमालय की निचली घाटियों एवं निम्न गंगा के मैदान एवं छत्तीसगढ़ राज्य में .... बस्तियां पाई जाती है (पल्ली बस्तियां)
18. भारत की .... बस्तियों में पान्ना, पांडा, पाली, नंगला, ढाणी आदि इकाईयां पाई जाती है। (पल्लीकृत बस्तियां)
19. महानगरों के चारों ओर उससे सटे हुए विकसित नगर .... कहलाते है। (अनुषंगी नगर)
20. नगरों की स्थापना सैन्य संबंधी कार्यों के संपादन हेतु .... की जाती है। (गैरिसन अथवा छावनी)
21. सन 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत .... रहा। (31.16%)
22. नैनीताल मसूरी शिमला माउंट आबू .... नगर है। (पर्यटन)
23. 20वीं शताब्दी के दौरान नगरीय जनसंख्या .... बढ़ी है। (11 गुना)
24. भौतिक रूप से एक-दूसरे से अनेक इकाइयों में बंट जाती है किन्तु उन सब का नाम एक ही रहता है। .... कहलाती है। (पल्ली बस्तियाँ)
25. गुच्छित बस्तियाँ .... ज्यामितीय आकृतियाँ प्रस्तुत करती है। (आयताकार, अरीय, रैखिक)
26. राजस्थान के जल अभाव क्षैत्रो में .... या .... बस्तियों को अनिवार्य बना दिया है। (गुच्छित/संहत)
27. .... का विकास रजवाड़े व राज्यो के मुख्यालयों के रूप में हुआ है। उन्हें .... भी कहते है। (मध्यकालीन नगर, किला नगर)
28. .... भारत का सबसे बड़ा नगरीय संकुल है। (वृहत मुंबई)
29. विश्व जनसंख्या .... रूप से वितरित है ? (असमान)
30. जनांकिकीय संक्रमण की प्रथम अवस्था में .... व .... होती है। (उच्च प्रजननशीलता एवं उच्च मर्त्यता)
31. किसी देश के निवासी हो उसके वास्तविक .... होते है। (धन)

लघु उत्तरात्मक प्रश्न

1. राजस्थान के किन्हीं दो महानगरीय शहरों के नाम लिखिए।
उत्तर- जयपुर, जोधपुर व कोटा

2. प्रशासनिक नगर किसे कहा जाता है ?
उत्तर- उच्च कार्यों के प्रशासनिक मुख्यालय प्रशासनिक नगर कहलाते है जैसे- राज्यों की राजधानियाँ

3. किन्हीं दो गैरीसन नगरों के उदाहरण दीजिए।
उत्तर- अम्बाला, जालन्धर, उद्यमपुर।

4. पल्ली बस्तियों के स्थानीय नाम लिखिए।
उत्तर- ढ़ाणी, पाली, पाड़ा, नगला, पान्ना

5. नगरीय बस्तियाँ किसे कहते है ?
उत्तर- ऐसे बड़े अधिवास जिनमें मुख्यतः द्वितीयक व तृतीयक क्रिया-कलाप किये जाते है, नगरीय बस्तियां कहलाती है।

6. ग्रामीण बस्तियों के प्रकार किसके आधार पर निर्धारित होते है ?
उत्तर- 1. उच्चावच 2. स्थलाकृति 3. जलवायु 4. जल की उपलब्धता

7. भारत में नगरों का अभ्युदय किस काल में हुआ ?
उत्तर- भारत में नगरों का अभ्युदय प्रागैतिहासिक काल में हुआ।

8. ग्रामीण बस्तियाँ कितने प्रकार की होती है ? नाम लिखिए।
उत्तर- ग्रामीण गस्तियों के चार प्रकार है-
1. गुच्छित 2. अर्द्धगुच्छित बस्तियाँ
3. पल्लीकृत बस्तियाँ 4. एकाकी बस्तियाँ

9. खनन नगर क्या है ? उदाहरण दीजिए।
उत्तर- ऐसे नगर जो खनिज समूह क्षेत्रों में विकसित हुए है, खनन नगर कहलाते है, जैसे- खेतड़ी, झरीया, रानीगंज, सिंहभूमि

10. गैरीसन नगर क्या होते है ?
उत्तर- ऐसे नगर जिनमें सैनिक छावनियाँ स्थित होती है, गैरीसन नगर कहलाते है।

11. गुच्छित बस्तियां किसे कहते है ?
उत्तर- घरों का एक सामूहिक अथवा संकुलित रूप से निर्मित क्षेत्र गुच्छित बस्ती कहलाता है। मध्य भारत के बुंदेलखंड क्षेत्र, नागालैंड तथा राजस्थान में इस प्रकार की बस्तियां प्रमुख रूप से मिलती है।

12. अर्द्धगुच्छित बस्तियों को समझाइए ?
उत्तर- ऐसी बस्ती किसी एकाकी बस्ती के सीमित क्षेत्र में गुच्छित होने के कारण निर्मित होती है। गुजरात के मैदान तथा राजस्थान के कुछ भागों में इस प्रकार की बस्तियां प्रमुखता से मिलती है।

13. विभिन्न युगों में विकास के आधार पर भारतीय नगरों को कितने भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है ?
उत्तर- तीन - 1. प्राचीन नगर 2. मध्यकालीन नगर 3. आधुनिक नगर

शेखावाटी मिशन-100

14. प्राचीन नगरों एवं आधुनिक नगरों के कोई दो उदाहरण दीजिए ?

उत्तर- प्राचीन नगर- प्रयाग (इलाहाबाद), पाटलिपुत्र (पटना)
आधुनिक नगर-सूरत दमन गोवा।

15. महानगर किसे कहते है यह नगरीय संकुल से किस प्रकार भिन्न होते है ?

उत्तर- 10 लाख से 50 लाख तक की जनसंख्या वाले नगरों को महानगर कहा जाता है। जबकि कई महानगर एवं मेगा नगर मिलकर नगरीय संकुल बनाते है जिनमें जनसंख्या 50 लाख से अधिक होती है।

16. गुच्छित बस्तियों के कोई तीन लक्षण बताइए ?

उत्तर- 1. यह बस्तियां घरों के एक सहंत अथवा संकुलित रूप को प्रदर्शित करती है।
2. घरों का संकुलित निर्मित क्षेत्र तथा इनके मध्य में मिलने वाले रास्ते या गलियां आयताकार अरीय तथा रैखिक प्रारूप या आकृति प्रस्तुत करते है।
3. इस प्रकार प्रकार की बस्तियां प्रायः उपजाऊ जलोढ़ मैदानी भागों में मिलती है।

17. ग्रामीण बस्तियों के प्रकारों के लिए उत्तरदायी भौतिक लक्षण कौन-कौन से है ?

उत्तर- 1. उच्चावच 2. स्थलाकृति 3. जलवायु 4. जल की उपलब्धता।

18. ग्रामीण बस्तियों के प्रकारों के लिए कौन-कौन से सांस्कृतिक एवं मानवजातीय के कारक उत्तरदायी है ?

उत्तर- 1. सामाजिक संरचना 2. जाति 3. धर्म।

19. भारत में नगरीय बस्तियों के वर्गीकरण के क्या आधार है ?

उत्तर- 1. जनसंख्या का 5000 या इससे अधिक होना।
2. जनसंख्या घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर।
3. कुल जनसंख्या में से 75% या इससे अधिक जनसंख्या का गैर कृषि कार्यों में संलग्न होना।
4. कोई नगर पालिका, नगर निगम, छावनी बोर्ड होना।

20. स्मार्ट सिटी मिशन क्या है ? समझाइए।

उत्तर- स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य शहरों को बढ़ावा देना है जो आधारभूत सुविधा, साफ तथा सतत् पर्यावरण और अपने नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करते है। स्मार्ट शहरों की एक विशेषता आधारभूत सुविधाओं और सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधानों को लागू करना है, जिससे क्षेत्र को प्राकृतिक आपदाओं के कम जोखिम वाले क्षेत्र के रूप में बनाया जा सके साथ ही साथ कम संसाधनों का उपयोग तथा सस्ती सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

21. निम्न को सुमेलित कीजिए-

उत्तर- 1. प्रशासनिक नगर- चण्डीगढ़
2. औद्योगिक नगर - भिलाई
3. शैक्षिक नगर - कोटा
4. पर्यटन नगर शिमला

22. मृत्यु दर किन कारकों द्वारा प्रभावित होती है।

उत्तर- क्षेत्र की जनांकिकीय संरचना, सामाजिक उत्थान और आर्थिक विकास के स्तर द्वारा प्रभावित होती है।

अध्याय-3 भूसंसाधन व कृषि

1. निम्न में से कौन-सा भू-उपयोग वर्गीकरण में सम्मिलित नहीं है ?
(1) परती भूमि (2) सीमांत भूमि
(3) निवल बोया गया क्षेत्र (4) बंजर व व्यर्थ भूमि (2)

2. शुष्क कृषि में निम्न में से कौनसी फसल नहीं बोई जाती है ?
(1) ज्वार (2) मूँगफली
(3) बाजरा (4) गन्ना (4)

3. निम्न में से कौनसा सिंचित क्षेत्रों में भू-निम्नीकरण का मुख्य प्रकार है ?
(1) अवनालिका अपरदन (2) मृदा लवणता
(3) वायु अपरदन (4) परत अपरदन (2)

4. भू-उपयोग सम्बन्धी अभिलेख कौनसा विभाग रखता है-
(1) नीति आयोग (2) भू-राजस्व विभाग
(3) वन विभाग (4) राष्ट्रीय विकास परिषद् (2)

5. भू-राजस्व विभाग द्वारा भू-उपयोग को कितने वर्गों में वर्गीकृत किया है ?
(1) 7 (2) 9
(3) 13 (4) 15 (2)

6. वह भूमि जो प्रचलित प्रौद्योगिकी की मदद से कृषि योग्य नहीं बनायी जा सकती है-
(1) वर्तमान परती भूमि (2) पुरातन परती भूमि
(3) स्थायी चारागाह क्षेत्र (4) बंजर व व्यर्थ भूमि (4)

7. वह भूमि जिस पर फसले उगाई व काटी जाती है, कहलाती है ?
(1) सकल बोया क्षेत्र (2) निवल बोया क्षेत्र
(3) कृषि गहनता (4) चारागाह भूमि (2)

8. निम्न में से कौनसी रबी की फसल है ?
(1) चावल (2) गेहूँ
(3) कपास (4) मक्का (2)

9. निम्न में से कौनसी खरीफ की फसल है-
(1) चावल (2) गेहूँ
(3) सरसों (4) चना (1)

10. भारत में सर्वाधिक चाय उत्पादन करने वाला राज्य है ?
अथवा
भारत में सर्वप्रथम चाय की कृषि कौनसे राज्य में प्रारम्भ की गयी-
(1) पश्चिमी बंगाल (2) असम
(3) आन्ध्रप्रदेश (4) तमिलनाडु (2)

11. गन्ना/चावल/कपास की दृष्टि से भारत का विश्व में स्थान है-
(1) पहला (2) दूसरा
(3) तीसरा (4) चौथा (2)

12. लाल चना एवं पिजन पी. के. नाम से जाना जाता है-
(1) चना (2) सोयाबीन
(3) अरहर (4) जौ (3)

शेखावाटी मिशन-100

13. निम्न में से कौनसी तिलहन फसल नहीं है ?
   (1) मूँगफली   (2) सरसों
   (3) सूरजमुखी   (4) अरहर   (4)
   नोटः- तिलहन फसले- मूंगफली, तोरिया, सरसों, सोयाबीन, सुरजमुखी, तारामीरा आदि।
14. अरेबिका, रोबस्ता व लिबेरिका है-
   (1) चाय की किस्में   (2) कॉफी की किस्में
   (3) गन्ना की किस्में   (4) चावल की किस्में   (2)
15. निम्न में से भारतीय कृषि की समस्या नहीं है-
   (1) अनियमित मानसून   (2) भूमि सुधारों में कमी
   (3) उच्च उत्पादकता   (4) निम्न उत्पादकता   (3)
16. औस, अमन तथा बोरो सम्बन्धित है ?
   (1) गेहूँ से   (2) चावल से
   (3) चाय से   (4) कॉफी से   (2)
17. दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ बोयी जाने वाली फसल ऋतु है-
   (1) रबी   (2) खरीफ
   (3) जायद   (4) उपरोक्त सभी   (2)
18. निम्न में से किस दशक में भारत में उदारीकरण नीति व उन्मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था की शुरुआत हुई-
   (1) 1990 के दशक में   (2) 1950 के दशक में
   (3) 2000 के दशक में   (4) उपयुक्त सभी   (1)
19. निम्न में से कौनसी फसले दक्षिणी पश्चिम मानसून के साथ बोई जाती है-
   (1) शीतोषण कटिबंधीय फसले (2) उष्णकटिबंधीय फसले
   (3) वाणिज्यिक फसले   (4) रोपण फसले   (2)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

1. भारत में सर्वाधिक उत्पादन उत्तम किस्म की .... कॉफी का होता है-

उत्तर- अरेबिका

2. चाय एक .... कृषि है।

उत्तर- रोपण

3. चाय-निर्यातक देशों में भारत का स्थान विश्व में .... है।

उत्तर- दूसरा

4. भारत का सर्वाधिक कॉफी उत्पादक राज्य .... है।

या

भारत में 2/3 से अधिक कॉफी उत्पादक राज्य .... है।

उत्तर- कर्नाटक

5. ग्राम पंचायत या सरकार के स्वामित्व वाली भूमि को .... कहा जाता है।

उत्तर- साझा सम्पति संसाधन

6. वह भूमि जो एक कृषि वर्ष या सबसे कम समय तक कृषि रहित रहती है .... कहलाती है।

उत्तर- वर्तमान परती भूमि

7. वह भूमि जो एक वर्ष से अधिक लेकिन पाँच वर्षो से कम समय तक कृषि रहित है .... कहलाती है।

उत्तर- पुरातन परती भूमि

8. भारत में रबी की फसल .... में बोई जाती है।

उत्तर- अक्टूबर-नवम्बर में।

9. भारत में चावल के पश्चात् .... दूसरा प्रमुख अनाज है।

उत्तर- गेहूँ

10. कपास .... फसल है।

उत्तर- रेशेदार/उष्ण कटिबन्धीय।

11. .... विभाग भू उपयोग संबंधी अभिलेख रखता है

उत्तर- भू राजस्व।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

1. कृषि गहनता की गणना का सूत्र लिखो ?

उत्तर- कृषि/फसल गहनता = $\frac{\text{सकल बोया गया क्षेत्र}}{\text{निवल बोया गया क्षेत्र}} \times 100$

2. आर्द्रता के आधार पर कृषि कितने प्रकार की होती है ?

उत्तर- दो प्रकार की 1. सिंचित कृषि   2. वर्षा निर्भर या बरानी कृषि

3. वर्षा निर्भर कृषि उपलब्ध आर्द्रता के आधार पर कितने भागों में बांटी जाती है ?

उत्तर- दो भागों में- 1. शुष्क कृषि भूमि (75 सेमी से कम वर्षा)
   2. आर्द्र कृषि भूमि

4. पश्चिमी बंगाल में चाय उत्पादक क्षेत्र कौनसे है ? नाम लिखो?

उत्तर- 1. दार्जिलिंग   2. जलपाइगुड़ी
   3. कूचबिहार

5. पश्चिमी बंगाल में चावल की कौनसी तीन फसलें लेते है ? नाम लिखिये।

उत्तर- 1. ओस, 2. अमन, 3. बोरो

6. नरमा क्या है ?

उत्तर- देश के उत्तर-पश्चिमी भाग में अमेरिकन कपास को 'नरमा' कहा जाता है।

7. चाय की पत्तियों में कौनसे तत्वों की प्रचुरता पायी जाती है ?

उत्तर- कैफिन तथा टेनिन

8. भारत में कॉफी की कृषि किन क्षेत्रों में की जाती है ?

अथवा

भारत में कॉफी उत्पादक राज्य है ?

उत्तर- कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में पश्चिमी घाट की उच्च भूमि पर इसकी कृषि की जाती है। देश के समस्त कॉफी उत्पादन का दो-तिहाई से अधिक भाग कर्नाटक राज्य से आता है।

9. भारत में विश्व के कितने प्रतिशत अनाज का उत्पादन होता है ?

उत्तर- भारत में विश्व के लगभग 11 प्रतिशत अनाज का उत्पादन होता है।

10. भारत में अनाजों को कितने भागों में वर्गीकृत किया जाता है ?

उत्तर- 1. उत्तम अनाज (चावल, गेहूँ)
   2. मोटे अनाज (ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी)।

11. हरित क्रांति से क्या आशय है ?

उत्तर- नवीन कृषि प्रौद्योगिकी एवं सिंचाई द्वारा खाद्यान्नों के उत्पादन में होने वाली अभूतपूर्व वृद्धि हरित क्रांति कहलाती है।

शेखावाटी मिशन-100

12. भारत में रासायनिक उर्वरकों की प्रति हेक्टेयर खपत किन राज्यों में सर्वाधिक मिलती है ?

उत्तर- पंजाब एवं हरियाणा।

13. भारतीय कृषि की कोई दो समस्याएं बताइए।

उत्तर- 1. निम्न उत्पादकता 2. भूमि सुधारो की कमी।

14. भारत का सर्वाधिक अरहर उत्पादक राज्य कौनसा है ?

उत्तर- महाराष्ट्र

15. भारत में चाय की खेती सर्वप्रथम कब व कहां आरंभ हुई ?

उत्तर- सन 1840 ईस्वी में असम की ब्रह्मपुत्र घाटी में।

16. दालें मिट्टी की उर्वरता को कैसे बढ़ाती है ?

उत्तर- दालें फलीदार फसले हैं जो नाइट्रोजन स्थिरीकरण के द्वारा मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता को बढ़ाती है।

17. कृषि गहनता क्या है अथवा शस्य गहनता से आप क्या समझते है ?

उत्तर- एक निश्चित क्षेत्र पर एक फसल वर्ष में कितनी बार फसलों को उत्पादित किया जाता है, कृषि फसलों की यही प्रवृत्ति कृषि गहनता या शस्य गहनता कहलाती है।

18. किन्हीं दो रेशेदार फसलों के नाम लिखिए।

उत्तर- कपास व जूट

19. भारत में गेहूं के पांच प्रमुख उत्पादक राज्य कौनसे हैं

उत्तर- 1. उत्तर प्रदेश 2. पंजाब 3. हरियाणा 4. राजस्थान 5. मध्य प्रदेश।

लघुत्तरात्मक प्रश्नः-

1. साझा सम्पति संसाधनों पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- ग्राम पंचायत या राज्य सरकार के स्वामित्व वाली भूमि को साझा सम्पति संसाधन कहा जाता है। सामुदायिक वन, चारागाह तथा अन्य सार्वजनिक क्षेत्र साक्षा सम्पति के उदाहरण है।

2. ''वर्तमान भारतीय कृषि में अत्यधिक ऋणग्रस्तता किसानों की आत्महत्या का कारण बनता जा रहा है।'' स्पष्ट करे ?

या

अत्यधिक ऋणग्रस्तता के क्या गंभीर परिणाम है? क्या आप मानते है कि देश के विभिन्न राज्यों में किसान द्वारा आत्महत्या ऋणग्रस्तता का परिणाम है?

उत्तर- भारतीय कृषक कृषि में पर्याप्त निवेश करने में असमर्थ होने तथा कृषि से कम होती आय व फसलों के खराब हो जाने से किसान अत्यधिक ऋणग्रस्त हो जाते है। महाजनों तथा विविध वित्तीय संस्थाओं का कर्जा न चुका पाने की स्थिति में प्रति वर्ष भारत के विभिन्न राज्यों में हजारों कृषक आत्महत्या कर लेते है। वस्तुतः हमारा यह मानना है कि देश के विभिन्न राज्यों में किसानों द्वारा आत्महत्या ऋणग्रस्तता का परिणाम है।

3. भारत में भू-उपयोग परिवर्तन के कारणों की विवेचना करें ?

या

भारत में भू-उपयोग परिवर्तन को अर्थव्यवस्था किस प्रकार प्रभावित कर रही है? स्पष्ट करे।

उत्तर- भारत में भू-उपयोग परिवर्तन के निम्नलिखित कारण है-

1. अर्थव्यवस्था का आकार समय के साथ बढ़ता है, जो बढ़ती जनसंख्या, बदलते आय स्तर, उपलब्ध प्रौद्योगिकी कारकों पर निर्भर है। परिणामस्वरूप समय के साथ भूमि पर दबाव बढ़ता है तथा सीमांत भूमि को भी प्रयोग में लाया जाता है।

2. समय के साथ अर्थव्यवस्था की संरचना में भी बदलाव होता है। द्वितीयक व तृतीयक सेक्टरों में, प्राथमिक सेक्टर की अपेक्षा अधिक तीव्रता से वृद्धि होती है। इस प्रक्रिया में कृषि भूमि गैर-कृषि सम्बन्धित कार्यों में प्रयुक्त होती है।

3. समय के साथ, कृषि क्रियाकलापों का अर्थव्यवस्था में योगदान कम होता जाता है।

4. बंजर भूमि तथा कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर- मरुस्थली, रेतीली, पथरीली भूमि, पहाड़ी भू-भाग तथा जल व वायु अपरदन से व्यर्थ/बेकार हो चुकी भूमि, जिसे वर्तमान में प्रचलित प्रौद्योगिकी की मदद से भी कृषि योग्य नहीं बनाया जा सकता है, बंजर भूमि कहलाती है, जबकि वह भूमि जो विगत पाँच वर्ष या अधिक समय तक परती या कृषि रहित है और जिसे कृषि तकनीक के माध्यम से कृषियोग्य बनाया जा सकता है, कृषि योग्य व्यर्थ भूमि कहलाती है।

5. निवल बोया गया क्षेत्र तथा सकल बोया गया क्षेत्र में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर- वह भूमि, जिस पर सिर्फ एक बार फसल उगाई व काटी जाती है निवल बोयी गयी भूमि या क्षेत्र कहलाता है जबकि एक कृषि वर्ष में विभिन्न फसलों के अन्तर्गत बोया गया कुल क्षेत्र सकल बोया गया क्षेत्र कहलाता है।

6. भारत जैसे देश में गहन कृषि नीति अपनाने की आवश्यकता क्यों है ?

उत्तर- चूँकि भारत जैसे देशों में भूमि की कमी तथा श्रम की अधिकता है अतः यहाँ गहन कृषि अपनाकर उत्पादन में वृद्धि करने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की समस्या को भी कम किया जा सकता है।

7. हरित क्रांति की उपलब्धियां क्या है ?

उत्तर- हरित क्रांति की महत्वपूर्ण उपलब्धियां निम्न प्रकार से है-

1. कृषि रासायनिक उर्वरक और पीड़कनाशियों का उपयोग शुरू किया।

2. सिंचाई की सुविधाओं में सुधार और विस्तार किया गया।

3. मैक्सिकों से गेहूँ और फिलीपींस से चावल के अधिक उपज देने वाले बीज भारत लाए गए।

4. कृषि आधारित उद्योग तथा छोटे पैमाने के उद्योगों के विकास को प्रोत्साहन दिया गया।

8. परती भूमि किसे कहते है ? भूमि को परती क्यों छोड़ा जाता है ?

उत्तर- **परती भूमिः**- निरन्तर फसल उत्पादित करते रहने से भूमि की उर्वरा शक्ति में कमी आती जाती है। इसलिए भूमि को कुछ समय के लिए कृषि रहित छोड़ दिया जाता है। इस भूमि को परती भूमि कहते है।

भूमि को परती छोड़ने का कारण- भूमि को परती इसलिए छोड़ा जाता है जिससे वह अपनी खोई हुई उर्वरता को प्राकृतिक रूप से पुनः प्राप्त कर सके।

9. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् सरकार ने खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए कौन-कौन से उपाय अपनाये थे ?

उत्तर- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् सरकार ने खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने हेतु निम्नलिखित उपाय अपनाये-

1. व्यापारिक फसलों के स्थान पर खाद्यान्न फसलों को उगाना।

2. कृषि गहनता को बढ़ाना।

शेखावाटी मिशन-100

3. कृषि योग्य बंजर तथा परती भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करना।

10. भारत में निवल बोए गए क्षेत्र में किस प्रकार वृद्धि की जा सकती है ?

उत्तर- भारत में निवल बोए गए क्षेत्र को भूमि बचत प्रौद्योगिकी विकसित कर बढ़ाया जा सकता है। इस प्रौद्योगिकी को दो तरह से काम में लिया जा सकता है-

1. प्रति इकाई भूमि में फसल विशेष की उत्पादकता बढ़ाने में।

2. एक कृषि वर्ष में गहन भूमि उपयोग से सभी फसलों का उत्पादन बढ़ाने में।

11. भारतीय कृषि के प्रमुख प्रकारों का वर्णन कीजिए। या शुष्क कृषि भूमि व आर्द्र कृषि भूमि में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

या

रक्षित सिंचाई कृषि और उत्पादक सिंचाई कृषि में अन्तर स्पष्ट करो।

उत्तर- भारतीय कृषि के प्रकार-

आर्द्रता के प्रमुख उपलब्ध स्त्रोत के आधार पर कृषि को सिंचित कृषि तथा वर्षा-निर्भर (बारानी) कृषि में वर्गीकृत किया जाता है-

1. सिंचित कृषि:- सिंचित कृषि में भी सिंचाई के उद्देश्य के आधार पर दो प्रकार पाये जाते है। जैसे- रक्षित सिंचाई कृषि तथा उत्पादक सिंचाई कृषि।

- **रक्षित सिंचाई कृषि**:- रक्षित सिंचाई का मुख्य उद्देश्य आर्द्रता की कमी के कारण फसलों को नष्ट होने से बचाना है, जिसका अभिप्राय यह है कि वर्षा के अतिरिक्त जल की कमी को सिंचाई द्वारा पूरा किया जाता है।

- **उत्पादक सिंचाई कृषि**:- उत्पादक सिंचाई का उद्देश्य फसलों को पर्याप्त पानी उपलब्ध करवाकर अधिकतम उत्पादकता प्राप्त करना है।

2. वर्षा निर्भर (बारानी) कृषि:-

- **शुष्क भूमि कृषि**:- सामान्यतयाः 75 सेन्टीमीटर से कम वार्षिक वर्षा वाले प्रदेशों में होने वाली कृषि, शुष्क कृषि कहलाती है। इसके अन्तर्गत शुष्कता सहन करने वाली फसले जैसे- रागी, बाजरा, मूँग, चना, ग्वार आदि की कृषि की जाती है।

- **आर्द्र भूमि कृषि**:- फसलों की आवश्यकता से अधिक हाने वाली वर्षा वाले क्षेत्रों में की जाने वाली कृषि आर्द्र भूमि कृषि कहलाती है। इसमें चावल, जूट, गन्ना आदि अधिक जल की आवश्यकता वाली फसलों की कृषि की जाती है।

12. भारत में भू-उपयोग के किन संवर्गो में वृद्धि हुई है ? वृद्धि के कारणों की विवेचना कीजिए।

अथवा

वर्ष 1950 से 2014-15 के दौरान भारत में भू-उपयोग सवंर्गो में हुए परिवर्तन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- भारत में भू-उपयोग संवर्गो में हुए परिवर्तनः- 1950-51 से 2014-15 के दौरान भारत में भू-उपयोग के तीन संवर्गो में वृद्धि तथा चार संवर्गो के अनुपात में गिरावट दर्ज की गई है।

वृद्धि दर्ज करने वाले संवर्ग - भारत में भू-उपयोग के प्रमुख संवर्गो में वृद्धि हुई है-

1. वन क्षेत्र- वन क्षेत्र 17 प्रतिशत से बढ़कर 23.3% हो गया है।

2. गैर कृषि कार्यो में प्रयुक्त भूमि- गैर कृषि कार्यो में प्रयुक्त भूमि 3.2% से बढ़कर 8.7% जो गई।

3. वर्तमान परती भूमि- यह 3.7% से बढ़कर 4.9% हो गई।

4. निवल बोया क्षेत्र - यह क्षेत्र में 41.7% से बढ़कर 45.5% हो गया।

वृद्धि के कारण:- भू-उपयोग के ऊपर दिये संवर्गो में वृद्धि के प्रमुख कारण निम्न है-

1. गैर-कृषि कार्यो में प्रयुक्त क्षेत्र में वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की निर्भरता औद्योगिक व सेवा सेक्टरों पर उत्तरोत्तर बढ़ रही है। इसके साथ ही ग्रामीण एवं नगरीय बस्तियों के अंतर्गत क्षेत्रफल भी बढ़ा है ।

2. वन क्षेत्र में वृद्धि उनके सीमांकन के कारण हुई है न कि वास्तविक वन आच्छादित क्षेत्र में वृद्धि के कारण।

3. वर्तमान परती भूमि में वृद्धि वर्षा की अनियमितता तथा फसल चक्र में होने वाले परिवर्तन के कारण हुई है।

4. कृषि हेतु कृषि योग्य व्यर्थ भूमि के उपयोग के कारण निवल बोए गए क्षेत्र में वृद्धि हुई है।

गिरावट दर्ज करने वाले संवर्ग-

1. बंजर व व्यर्थ भूमि

2. कृषि योग्य व्यर्थ भूमि

3. चारागाहों फसल वृक्षों के अन्तर्गत क्षेत्र

4. वर्तमान परती के अतिरिक्त परती भूमि

कमी के कारण- इसके निम्न कारण हो सकते है-

1. समय के साथ जैसे-जैसे कृषि तथा गैर कृषि कार्यो हेतु भूमि पर दबाव बढ़ा, वैसे-वैसे व्यर्थ एवं कृषि योग्य व्यर्थ भूमि में समयानुसार कमी आई।

2. निवल बोए गए क्षेत्र में कमी का कारण गैर कृषि कार्यो में प्रयुक्त भूमि के अनुपात में वृद्धि का होना है।

3. चारागाह भूमि के अनुपात में कमी का कारण कृषि भूमि पर जनसंख्या का बढ़ता दबाव है।

13. भारत में उत्पादित तिलहन फसलों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- तिलहनों की कृषि मुख्यतया खाद्य तेल निकालने के लिए की जाती है। देश में मालवा का पठार, मराठवाड़ा, गुजरात, राजस्थान के शुष्क भाग तथा आन्ध्र प्रदेश के तेलगाना व रायलसीमा प्रदेश प्रमुख तिलहन पैदा करते है। भारत में 14 प्रतिशत कृषिगत भाग पर तिलहन की कृषि की जाती है। देश की प्रमुख तिलहन फसलों में मूंगफली, तोरिया-सरसों, सोयाबीन तथा सूरजमुखी फसलों को सम्मिलित करते है।

1. **मूँगफली**- भारत विश्व का 19.5% मूंगलफ्ली का उत्पादन करता है गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश इसके अग्रणी उत्पादक राज्य है।

2. **सरसों**- सरसों और तोरिया में बहुत से तिलहन सम्मिलित है, जैसे - राई, सरसों, तोरिया व तारामीरा आदि। ये उपोष्ण कटिबंधीय फसले है तथा भारत के मध्य व उत्तर-पश्चिमी भाग में रबी की ऋतु में बोई जाती है।

3. **सोयाबीन एवं सूरजमुखी**:- सोयाबीन अधिकतर मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र में बोया जाता है। दोनों राज्य मिलकर देश का लगभग 90 प्रतिशत

शेखावाटी मिशन-100

सोयाबीन पैदा करते है। सूरजमुखी की फसल का सांद्रण कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलगांना तथा इससे जुड़े हुए महाराष्ट्र के भागों में है।

14. भारतीय कृषि की किन्हीं चार समस्याओं की व्याख्या करे।

उत्तर- **1.अनियिमित मानसून पर निर्भरता**:- भारतीय कृषि वर्तमान में भी मानसून पर निर्भर है, देश में कृषि क्षेत्र का केवल एक-तिहाई भाग ही सिंचित है, शेष कृषि क्षेत्र में फसलों का उत्पादन प्रत्यक्ष रूप से वर्षा पर ही निर्भर है।

2. वित्तीय संसाधनो की बाध्यताएँ तथा ऋणग्रस्तता:- आधुनिक कृषि में लागत बहुत आती है सीमांत और छोटे किसानों की कृषि बचत, बहुत कम या न के बराबर होती है अतः कृषि में निवेश करने में असमर्थ है। साथ ही फसलों के खराब होने से ही किसान कर्ज के जाल में फँसते जाते है।

3. छोटे खेत तथा विखंडित जोत- देश में सीमांत तथा छोटे किसानों की संख्या अधिक है। बढ़ती जनसंख्या के कारण इन जोतों का औसत आकार निरन्तर सिकुड़ता जा रहा है इसकेअतिरिक्त भारत में अधिकांश भू-जोत बिखरी अवस्था में है।

4. कृषि योग्य भूमि का निम्नीकरण- भूमि संसाधनों का निम्नीकरण लगातार बढ़ता जा रहा है। सिंचित क्षेत्रों में अत्यधिक सिंचाई के कारण कृषि भूमि का एक बड़ा भाग जलाक्रांतता, लवणता तथा मृदा क्षारकता के कारण बंजर हो चुका है।

15. किसान पोर्टल क्या है ?

उत्तर- यह किसानों को कृषि सम्बंधि जानकारी प्रदान करने का मंच है। जिसके माध्यम से किसानों को बीज कीटनाशक, फसल बीमा, फसल का बाजार मूल्य आदि जानकारी प्रदान की जाती है।

16. सतत् कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन (NMSA) पर टिप्पणी लिखिए।

अथवा

सतत् कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन का उद्देश्य बताइये

अथवा

जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही दो योजनाओं के नाम लिखिए।

उत्तर- NMSA के उद्देश्य निम्नलिखित है-

1. इस मिशन का उद्देश्य कृषि को अधिक विशिष्ट, स्थायी एवं जलवायु अनुकूल बनाना है।
2. प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना।
3. परम्परागत कृषि विकास योजना (PKVY) तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY) जैसी योजनाओं के माध्यम से जैविक कृषि को बढ़ावा देना।

17. परती भूमि क्या है? परती भूमि की अवधि को किस तरह कम किया जा सकता है ?

उत्तर- परती भूमि एक ही खेत पर लम्बे समय तक लगातार फसलें उगाने से मृदा के पोषकक तत्व समाप्त हो जाते है। मृदा की उपजाऊ शक्ति को पुनः प्राप्त करने के लिए भूमि को एक कृषि वर्ष बिना कृषि किए खाली छोड़ दिया जाता है। इस भूमि को परती भूमि कहते है। इस विधि से भूमि की क्षीण उर्वरता प्राकृतिक रूप से वापस आ जाती है। परती भूमि में उर्वरकों के अधिक उपयोग से परती भूमि की अवधि को घटाया जा सकता है।

18. भारत की प्रमुख फसल ऋतुओं का वर्णन कीजिए-

उत्तर- भारत में निम्नलिखित तीन फसल ऋतुए पाई जाती है।

1. खरीफ फसल ऋतु- खरीफ की फसलें दक्षिण-पश्चिम मानसून आगमन के साथ बोई जाती है। इसमें मुख्यतः उष्ण कटिबंधीय फसलें सम्मिलित है जैसे- चावल, कपास, जूट, ज्वार, अरहर, बाजरा आदि।

2. रबी फसल ऋतु:- यह शीत ऋतु में अक्टूम्बर-नवम्बर में प्रारम्भ होकर मार्च-अप्रैल में समाप्त होती है। इस समय उपलब्ध कम तापमान शीतोष्ण तथा उपोष्ण कटिबंधीय फसलें जैसे गेहूँ, चना, सरसो आदि फसलों की बुवाई में सहायक होता है।

3. जायद फसल ऋतु:- यह एक अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन फसल ऋतु है। जो रबी की कटाई के बाद प्रारम्भ होती है। इसमें सामान्यतः तरबूज, खीरा, ककड़ी, सब्जियाँ व चारा फसलों की कृषि सिंचित भूमि पर की जाती है।

19. चाय के बागान पहाड़ी ढ़ालों पर ही क्यों लगाये जाते है ?

उत्तर- चाय एक उष्ण कटिबंधीय रोपण कृषि है। चाय के बागान पहाड़ी ढ़ालों पर ही लगाए जाते है क्योंकि चाय के पौधे के विकास के लिए इसकी जड़ों में जल एकत्रित होना हानिकारक होता है और पहाड़ी ढ़ालों में जल का अपवाह आसानी से हो जाता है जिसके कारण से जल चाय के पौधों की जड़ों में एकत्रित नहीं हो पाता है।

20. भारत में चावल व गेहूँ की कृषि का वर्णन निम्न बिंदुओं के आधार पर कीजिए-

1. फसल परिचय 2. जलवायु दशाएं
3. उत्पादक क्षेत्र।

उत्तर-

	चावल	गेहूँ
1. फसल परिचय	1. खरीफ की फसल उष्ण आर्द्र कटिबंधीय फसल	1. रबी की फसल शीतोष्ण कटिबंधीय फसल
2. जलवायु	2. उष्ण आर्द्र कटि. फसल होने के कारण उच्च तापमान तथा उच्च वर्षा (आर्द्रता) आवश्यकता होती है। * परन्तु पश्चिम बंगाल में कृषि जलवायु की अनुकूलता के कारण दो या तीन फसलें बोई जाती है जिन्हें औस, अमन व बोरो कहा जाता है।	2. रबी की फसल होने के कारण सिंचाई की सुविधा वाले क्षेत्रों में उगाया जाता है। परन्तु हिमालय के उच्च भागों में तथा मध्य प्रदेश के मालवा के पठारी क्षेत्र में यह वर्षा पर निर्भर है। * कम तापमान की आवश्यकता होती है।
3. उत्पादक क्षेत्र	3. भारत विश्व का 21.6% चावल उत्पादन करता है।	3. भारत विश्व का 12.3% गेहूं उत्पादन

शेखावाटी मिशन-100

देश के प्रमुख चावल उत्पादक राज्य पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश तेलंगाना एवं केरल राज्य है।	करता है। गेहूं के प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान है।

अध्याय-04 जल संसाधन

1. निम्नलिखित में से जल किस प्रकार का संसाधन है ?
(1) अजैव संसाधन (2) जैव संसाधन
(3) अनवीकरणीय संसाधन (4) अचक्रीय संसाधन (1)

2. देश में कुल जल का सबसे अधिक समानुपात निम्नलिखित सेक्टरों में से किस सेक्टर में है ?
(1) सिंचाई (2) घरेलू उपयोग
(3) उद्योग (4) इनमें से कोई नहीं (1)

3. पृथ्वी के कितने प्रतिशत धरातल पर जल है ?
(1) 64 (2) 71
(3) 55 (4) 84 (2)

4. धरातलीय जल का मुख्य स्त्रोत कौनसे है ?
(1) नदिया (2) तालाब
(3) झीले (4) उक्त सभी (4)

5. निम्न में से पश्चिम प्रवाह की नदियां है ?
(1) गोदावरी (2) कावेरी
(3) लूनी (4) गंगा (3)

6. धरातलीय और भौमजल का सबसे अधिक उपयोग किस सेक्टर में होता है?
(1) कृषि (2) उद्योग
(3) घरेलू कार्यो (4) पेयजल (1)

7. पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम कब पारित हुआ था ?
(1) 1976 (2) 1986
(3) 1996 (4) 2006 (2)

8. प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण सम्बन्धी जल अधिनियम कब बनाया गया था ?
(1) 1974 (2) 1964
(3) 1984 (4) 1994 (1)

9. हरियाली कार्यक्रम का सम्बन्ध है ?
(1) पर्यावरण (2) वन संसाधन
(3) जल संसाधन (4) भूमि संसाधन (3)

10. नीरू-मीरू कार्यक्रम कौनसे राज्य से सम्बन्धित है ?
(1) आन्ध्र प्रदेश (2) तमिलनाडु
(3) राजस्थान (4) गुजरात (1)

11. 'अरवारी पानी संसद' कार्यक्रम राजस्थान के किस क्षेत्र में चलाया गया है?
(1) जयपुर (2) अलवर
(3) सीकर (4) कोटा (2)

12. भारतीय राष्ट्रीय जल नीति कब घोषित की गयी ?
(1) 2001 (2) 2002
(3) 2003 (4) 2004 (2)

13. जल क्रांति अभियान कब प्रारम्भ किया गया ?
(1) 2015-16 (2) 2016-17
(3) 2017-18 (4) 2018-19 (1)

14. भौमजल के अत्यधिक उपयोग के कारण राजस्थान व महाराष्ट्र में भूमिगत जल में किस तत्व का संकेन्द्रण बढ़ गया है ?
(1) मैंगनीज (2) जिप्सम
(3) सोडियम (4) फ्लुओराइड (द)

15. निम्नलिखित दक्षिण भारतीय राज्यों में से किस राज्य में भौमजल उपयोग (% में) इसके कुल भौमजल सम्भाव्य से ज्यादा है ?
(1) तमिलनाडु (2) कर्नाटक
(3) आन्ध्र प्रदेश (4) केरल (1)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्न -

1. सिंचाई किसे कहते है ?
उत्तर- वर्षा की कमी या अभाव के कारण शुष्क मौसम में खेतों में कृत्रिम ढंग से जल आपूर्ति की क्रिया सिचाई कहलाती है।

2. गहन सिंचाई की एक मुख्य समस्या बताईए ?
उत्तर- मृदा में लवणता की वृद्धि होती है।

3. सी पी सी बी का पूरा नाम लिखें ?
उत्तर- सेन्ट्रल पोल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड (केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

4. एस पी सी बी का पूरा नाम लिखे?
उत्तर- स्टेट पोल्यूशन कन्ट्रोल बोर्ड (राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड)

5. भौमजल को प्रदूषित करने वाले मुख्य कारक बताइएं?
उत्तर- फ्लोराइड, नाइट्रेट एवं भारी विषैली धातुएं

6. जल चक्रीय प्रक्रम का लाभ क्या है ?
उत्तर- स्नान व बर्तन धोने वाले जल को बागवानी में उपयोग, उद्योगों में शीतलन में उपयोग, अग्निशमन आदि में उपयोग करना।

7. हरियाली परियोजना क्या है ?
उत्तर- केन्द्र सरकार द्वारा संचालित है जो ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई, मत्स्य पालन व वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना है।

8. नीरू-मीरू कार्यक्रम किस राज्य से संबंधित है ?
उत्तर- आन्ध्र प्रदेश

9. महाराष्ट्र का ....गाँव पूरे देश में जल-संभर विकास का एक उदाहरण है।
उत्तर- रालेगँन सिद्धि (जिला अहमदनगर)

10. कृषि में जल का उपयोग मुख्य रूप से .... होता है।
उत्तर- सिंचाई

11. अरवारी पानी संसद व नीरू-मीरू कार्यक्रम का सम्बन्ध .... के संरक्षण से है।
उत्तर- जल संसाधन

शेखावाटी मिशन-100

12. हरियाली केन्द्र सरकार द्वारा प्रवर्तित .... परियोजना है।

उत्तर- जल-संभर विकास

13. कुंड अथवा टाँका क्या है ?

उत्तर- राजस्थान में वर्षा जल संग्रहण ढाँचे जिन्हें कुंड या टाँका कहा जाता है।

14. जल क्रांति अभियान (2015-16) का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

उत्तर- जल क्रांति अभियान (2015-16) भारत सरकार द्वारा आरम्भ किया गया जिसस मुख्य उद्देश्य देश में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना।

15. भारत में सिंचाई के प्रमुख साधनों के नाम लिखो।

उत्तर- नलकूप, कुएं, तालाब और नहरें।

16. धरातलीय जल के मुख्य स्त्रोत कौनसे है ?

उत्तर- नदियाँ, झीलें, तालाब और तलैया।

17. भौमजल संसाधन का अत्यधिक उपयोग करने वाले चार राज्यों के नाम बताइये।

उत्तर- पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु।

18. भारत की दो बहुउद्देश्य परियोजनाओं के नाम लिखो।

उत्तर- 1. भाखड़ा नागल परियोजना 2. हीराकुण्ड परियोजना

19. भारत की दो सबसे अधिक प्रदूषित नदियों के नाम लिखो।

उत्तर- 1. यमुना (दिल्ली और इटावा के बीच)
2. गंगा (कानपुर व वाराणसी के मध्य)

20. प्रायद्वीपीय पठारी भाग में सबसे महत्वपूर्ण सिंचाई के स्त्रोत कौनसा है ?

उत्तर- तालाब

21. यह कहा जाता है कि भारत में जल संसाधनों में तेजी से कमी आ रही है। जल संसाधनों की कमी के लिए उत्तरदायी कारकों की विवेचना कीजिए।

उत्तर- निम्नलिखित कारक है-
1. जनसंख्या में तीव्र वृद्धि 2. बढ़ता घरेलू उपयोग
3. औद्योगिक क्षेत्रों में जल संसाधनों का अत्यधिक उपयोग
4. सिंचाई की आवश्यकता 5. जल प्रदूषण

22. प्रदूषित जल/गंदे पानी के उपयोग के क्या प्रभाव हो सकते है-

उत्तर- ऐसे जल प्रयोग से कई प्रकार की महामारी रोग जैसे- आन्त्रशोथ, पीलिया, हैजा, टाइफाइड आदि उत्पन्न हो सकते है।

23. भारत में लैगून और पश्चजल कहां पाये जाते है ? इनके कोई दो उपयोग लिखिए।

या

भारत में मिलने वाले लैगूनों तथा पश्च झील के महत्व पर टिप्पणी लिखो।

उत्तर- केरल, उड़ीसा तथा पश्चिमी बंगाल के सागरीय तट बहुत ही दंतुरित (कटी-फटी) है। इसी कारण वहाँ बहुत-सी लैगून और पश्च झीले मिलती है। यद्यपि इन झीलों में खारा जल होता है। लेकिन इसका उपयोग-
1. मछली पालन में
2. चावल की कुछ निश्चित किस्मों तथा
3. नारियल आदि की सिंचाई

24. कुछ राज्यों में भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग के क्या दुष्परिणाम उभर कर हमारे समक्ष आये है ? बताइये ?

उत्तर- कुछ राज्यों में भौम जल संसाधन के अत्यधिक उपयोग से इसका स्तर नीचा हो गया है। राजस्थान एवं महाराष्ट्र राज्यों में भूमिगत जल के अधिक उपयोग से भूमिगत जल में फ्लुओराइड का सकेन्द्रण बढ़ गया है तथा पश्चिमी बंगाल एवं बिहार के कुछ भागों में संखिया के संकेन्द्रण में वृद्धि हो गयी है।

25. जल के पुनः चक्र और पुनः उपयोग को समझाइये।

उत्तर- जल के पुनःचक्र और पुनः उपयोग के द्वारा भी अलवणीय जल की उपलब्धता को सुधारा जा सकता है। सामान्यतः कम गुणवता के जल का उपयोग, जैसे शोधित अपशिष्ट जल, नगरीय क्षेत्रों में स्नान और बर्तन धोने में प्रयुक्त जल तथा वाहनों को धोने के लिए प्रयुक्त जल आदि का उपयोग उद्योगों में शीतलन एवं अग्निशमन के लिए एवं बागवानी आदि कार्यों के लिए किया जा सकता है। इससे अच्छी गुणवत्ता वाले जल का पीने के उद्देश्य के लिए संरक्षण होगा।

26. भारत के कृषि क्षेत्र में सिंचाई हेतु जल की आवश्यकता का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- सिंचाई की आवश्यकता के निम्न कारण है-
1. भारत में वर्षा के वितरण में असमानता।
2. देश के अधिकांश भागों में शीत एवं ग्रीष्म ऋतुओं में अत्यधिक शुष्कता पायी जाती है।
3. अनियमित मानसूनकालीन वर्षा।
4. कुछ फलसों जैसे कपास, गन्ना, जुट आदि को जल की अधिक आवश्यकता।

27. कृषि में सिंचाई की व्यवस्था के क्या-क्या लाभ है ?

उत्तर- निम्नलिखित लाभ है-
1. सिंचाई की व्यवस्था बहुफसलीकरण को सम्भव बनाती है।
2. फसलों को अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए आर्द्रता नियमित रूप से आवश्यक है जो केवल सिंचाई तंत्र से ही सम्भव है।
3. सिंचित कृषि भूमि की उत्पादकता असिंचित भूमि की अपेक्षा अधिक होती है।

28. ''हरियाली'' क्या है ?

उत्तर- **हरियाली परियोजना**- केन्द्र सरकार द्वारा संचालित।

उद्देश्य - ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई मत्स्य पालन और वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना है। परियोजना लोगों के सहयोग से ग्राम पंचायतों द्वारा निष्पादित की जा रही है।

शेखावाटी मिशन-100

29. जल संभर प्रबन्धन क्या है ? क्या आप सोचते है कि यह सतत् पोषणीय विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है ?

या

जल-संभर प्रबन्धन से क्या तात्पर्य है? जलसंभर प्रबन्धन में केन्द्र तथा सरकारों के प्रयासों का उल्लेख कीजिए

या

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखो ?

1. हरियाली कार्यक्रम 2. नीरु-मीरु कार्यक्रम 3. अरवारी पानी संसद

उत्तर- जल संभर प्रबन्धन से तात्पर्य धरातलीय और भौम जल संसाधनों के दक्ष प्रबंधन से है। इसके अन्तर्गत बहते जल को रोकना- तालाब, पुनर्भरण, कुओं आदि द्वारा भौम जल का संचयन और पुनर्भरण शामिल है।

उद्देश्य- जल संसाधनों का संरक्षण करके, प्राकृतिक संसाधनों और समाज के बीच सन्तुलन लाना है।

सतत् पोषणीय विकास में जल-संभर प्रबंधन की भूमिका:-

पोषणीय विकास से तात्पर्य ''एक ऐसे विकास से है, जिसमें भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित करे बिना अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करना है।'' चूँकि जल संभर प्रबन्धन जल का उचित प्रबन्धन है, जिसमें अनावश्यक रूप से बहते जल को विभिन्न विधियों द्वारा संचयित किया जाता है। अतः सतत् पोषणीय विकास के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग की दर, इनके नवीनीकरण की दर से अधिक होनी चाहिए। अतः जल-संभर प्रबन्धन सतत् पोषणीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। इस हेतु केन्द्र व राज्य सरकारों ने देश में बहुत से जल-संभर प्रबन्धन के विकास कार्यक्रम चलाए है, जैसे- अन्तःस्त्रवण।

1. **हरियाली परियोजना**- केन्द्र सरकार द्वारा संचालित।

उद्देश्य - ग्रामीण जनसंख्या को पीने, सिंचाई मत्स्य पालन और वन रोपण के लिए जल संरक्षण के लिए योग्य बनाना है। परियोजना लोगों के सहयोग से ग्राम पंचायतों द्वारा निष्पादित की जा रही है।

2. नीरू-मीरू कार्यक्रम आन्ध्र प्रदेश में।

3. अरवारी पानी ससंद कार्यक्रम अलवर (राजस्थान) में।

30. वर्षा जल संग्रहण क्या है ? वर्षा जल संग्रहण के विभिन्न लाभों का उल्लेख करते हुए संग्रहण की विभिन्न विधियों का उल्लेख कीजिए

या

वर्षा जलसंग्रहण की कोई तीन विधियों का संक्षेप में वर्णन करो।

उत्तर- वर्षा जल संग्रहण विभिन्न उपयोगों के लिए वर्षा के जल को रोकने और एकत्र करने की विधि है। यह एक कम मूल्य और पारिस्थितिकी अनुकूल विधि है जिसके द्वारा पानी की प्रत्येक बूंद संरक्षित करने के लिए वर्षा जल को नलकूपों, गड्ढों और कुओं में एकत्र किया जाता है।

लाभ- 1. वर्षा जल संग्रहण पानी की उपलब्धता को बढ़ाता है।

2. भूमिगत जल स्तर को नीचा होने से रोकता है।

3. इससे फ्लुओराइड और नाइट्रेट्स जैसे संदूषकों को कम करके अवमिश्रित जल की गुणवत्ता को बढ़ा देता है।

4. मृदा अपरदन और बाढ़ को रोका जा सकता है।

वर्षा जलसंग्रहण की विधियाँ-

1. **टाँका**:- राजस्थान के अर्द्धशुष्क तथा शुष्क क्षेत्रों में स्थित बस्तियों में परम्परागत रूप से एक वर्षा जल संग्रहण ढाँचे का उपयोग किया जाता है। जिसे टाँका या कुण्ड कहां जाता है।

2. **तालाब एवं झील**- ग्रामीण क्षेत्रों में परम्परागत रूप से वर्षा जल संग्रहण के लिए धरातलीय संरचनाएँ जैसे - तालाब व झीलों का उपयोग किया जाता है।

3. सर्विस कूपों द्वारा घरों की छतों से वर्षा जल का संग्रहण।

4. प्रस्तर कूप व चैक डैम निर्मित कर जल संग्रहण।

5. पुनर्भरण कूपों द्वारा वर्षा जल का संग्रहण।

31. जल क्रांति अभियान पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- जल क्रांति अभियान भारत सरकार द्वारा 2015-16 में आरम्भ किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य देश में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना है।

जल क्रांति अभियान का लक्ष्य स्थानीय निकायों और सरकारी संगठन एवं नागरिकों को सम्मिलित करके इस अभियान के उद्देश्य के बारे में जागरूकता फैलाना है। जल क्रांति अभियान के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ प्रस्तावित है-

1. 'जल ग्राम' बनाने के लिए देश के 672 जिलों में से प्रत्येक जिले में एक ग्राम जिसमें जल की कमी है, उसे चुना गया है

2. भारत के विभिन्न भागों में 1000 हेक्टेयर मॉडल कमांड क्षेत्र की पहचान की गयी है।

3. प्रदूषण को कम करने के लिए-

- जल संरक्षण और कृत्रिम पुनर्भरण
- भूमिगत जल प्रदूषण को कम करना।
- देश के चयनित क्षेत्रों में आर्सेनिक मुक्त कुओं का निर्माण।

4. लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए जनसंचार माध्यम जैसे रेडियो, टीवी, प्रिंट मीडिया, पोस्टर प्रतियोगिता माध्यम है। जल क्रांति अभियान द्वारा खाद्य सुरक्षा और आजीविका प्रदान की जाए।

32. जल प्रदुषण से क्या तात्पर्य है? भारत में जल प्रदूषण की समस्या के निवारण के लिए सरकारी प्रयासों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- प्राकृतिक जल में बाह्य पदार्थो, जैसे- सूक्ष्म जीव, रासायनिक पदार्थ, औद्योगिक, घरेलू और अन्य अपशिष्टो के मिलने से, जल के गुणों में हुई कमी, जल प्रदूषण कहलाता है।

देश में उपलब्ध जल संसाधनों का तेजी से निम्नीकरण हो रहा है। देश की मुख्य नदियों के प्रायः पहाड़ी क्षेत्रों पायी जाती है। मैदानी भागों में नदियों के जल में कृषिगत (उर्वरक और कीटनाशक), घरेलू (ठोस व अपशिष्ट पदार्थ) तथा औद्योगिक बहिःस्त्रावों के सम्मिश्रण (सी. पी. सी. बी.) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार जैव व जीवाणविक संदूषण नदियों में प्रदूषण का मुख्य कारक है।

भारत में जल प्रदूषण की समस्या के निवारण सम्बन्धी उपाय:-

1. जल अधिनियम 1974 (प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण)

2. पर्यावरण सुरक्षा अधिनियम 1986

शेखावाटी मिशन-100

3. जल उपकर अधिनियम 1977 आदि।

यद्यपि इनका निर्माण जल प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से किया गया था, इनके देश में प्रभावपूर्ण ढंग से कार्यान्वित नहीं किये जाने के कारण इनके परिणाम सीमित ही प्राप्त हुये है। अतः वर्तमान में जल के महत्व और जल प्रदूषण के प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने की सर्वप्रमुख आवश्यकता है।

33. भारतीय राष्ट्रीय जल नीति 2002 की प्रमुख विशेषताएं बताइए।

उत्तर- भारतीय राष्ट्रीय जल नीति, 2002 की प्रमुख विशेषताएं- राष्ट्रीय जल नीति 2002 की जल आवंटन प्राथमिकताएँ विस्तृत रूप में निम्नलिखित क्रम में निर्देशित की गई है-

1. पेयजल 2. सिंचाई 3. जलशक्ति 4. नौकायन

5. औद्योगिक और अन्य उपयोग।

इस नीति की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार है-

1. सिंचाई और बहुउद्देशीय परियोजनाओं में पीने का जल घटक में सम्मिलित करना चाहिए जहाँ पेयजल के स्त्रोतों का कोई भी विकल्प नहीं है।

2. पेयजल मानव जाति और प्राणियों को उपलब्ध कराना प्रथम प्राथमिकता होनी चाहिए।

3. भौमजल के शोषण को सीमित और नियमित करने के लिए उपाय करने चाहिए।

4. सतही जल और भौमजल दोनों की गुणवत्ता के लिए नियमित जाँच होनी चाहिए। जल की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक चरणबद्ध कार्यक्रम शुरू किया जाना चाहिए।

5. जल के सभी विविध प्रयोगों में कार्यक्षमता सुधारनी चाहिए।

6. दुर्लभ संसाधन के रूप में, जल के लिए जागरूकता विकसित करनी चाहिए।

7. शिक्षा, विनिमय, उपक्रमणों, प्रेरकों और अनुक्रमणों द्वारा संरक्षण चेतना बढ़ानी चाहिए।

34. भारत के विभिन्न सेक्टर में जल के उपयोग का उल्लेख कीजिए तथा सिंचाई के लिए जल की मांग तथा उपयोग की विवेचना कीजिए।

उत्तर- भारत के विभिन्न सेक्टर में जल का उपयोग- भारत में जल का प्रयोग निम्नलिखित 3 सेक्टर में किया जाता है-

(अ) घरेलू सेक्टर (ब) औद्योगिक सेक्टर (स) कृषि सेक्टर

चूंकि भारत एक कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था वाला देश है अतः भारत में जल का सर्वाधिक उपयोग कृषि कार्य में सिंचाई हेतु किया जाता है। भारत में प्रयुक्त धरातलीय जल तथा भौमजल का सर्वाधिक उपयोग कृषि क्षेत्र में किया जाता है। देश में उपलब्ध कुल धरातलीय जल का 89% तथा भौमजल का 92% जल कृषि सेक्टर में ही प्रयुक्त होता है जबकि औद्योगिक क्षेत्र में धरातलीय जल का केवल 2% भाग तथा भौमजल का 5% भाग ही प्रयुक्त किया जाता है। दूसरी ओर घरेलू क्षेत्र में धरातलीय जल का 9% तथा भौमजल का 3% भाग ही उपयोग में लाया जाता है।

भारत में सिंचाई के लिये जल की माँग तथा उपयोग- देश में वर्षा की स्थानिक व सामयिक भिन्नता के कारण कृषि क्षेत्रों में सिंचाई की आवश्यकता रहती है। यही नहीं, देश का एक बड़ा भाग वर्षा विहीन और सूखाग्रस्त है तथा देश के अधिकांश भागों में ग्रीष्मकालीन व शीतकालीन ऋतुओं में अत्यधिक शुष्कता मिलती है। कम वर्षा तथा वर्षा विहीनता से प्रभावित कृषि क्षेत्रों में सिंचाई के बिना कृषि उत्पादन नहीं किया जा सकता। इसके अलावा चावल, गन्ना तथा जूट की कृषि के लिए पर्याप्त जल की आवश्यकता को बिना सिंचाई के पूरी कर पाना असम्भव होता है। सिंचाई की सुचारु उपलब्धता द्वारा देश के विभिन्न भागों के कृषि क्षेत्रों में निम्नलिखित प्रभाव अनुभव किए गए है-

1. सिंचाई व्यवस्था ने कृषि क्षेत्रों में बहुफसलीकरण को बढ़ावा दिया है।

2. पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हरित क्रांति को सफलता मिली है। उक्त राज्यों/क्षेत्रों के निवल बोये गये क्षेत्र का वर्तमान में 85% भाग सिंचित है।

3. पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश अपने यहाँ के सम्भावित भूमिगत जल के एक बड़े भाग का सिंचाई के लिए अधिकाधिक उपयोग कूओं तथा नलकूपों के माध्यम से कर रहे हैं जिसके कारण इन राज्यों के भूमिगत जल के भण्डारों में कमी आती जा रही है।

4. राजस्थान तथा महाराष्ट्र राज्यों में सिंचाई के लिए भूमिगत जल के अत्यधिक उपभोग से भूमिगत जल में फ्लोराइड का प्रतिशत बढ़ गया है, जबकि पश्चिमी बंगाल तथा बिहार के कुछ भागों के भूमिगत जल में संखिया (आर्सेनिक) का संकेन्द्रण बढ़ गया है।

35. जल संसाधनों का ह्रास सामाजिक द्वंदों और विवादों को जन्म देता है। इसे उपयुक्त उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तर- भारत की तेजी से बढ़ती जा रही जनसंख्या के कारण एक ओर जल की प्रति व्यक्ति उपलब्धता दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है, वहीं दूसरी ओर उपलब्ध जल संसाधन औद्योगिक, कृषि तथा घरेलू निस्तारणों के मिश्रण से प्रदूषित होता जा रहा है। जल-संसाधनों का इस तरह सतत् रूप से ह्रास होता जा रहा है तथा उनकी उपलब्धता सीमित होती जा रही है जिसके कारण जल संसाधनों के आवंटन तथा नियंत्रण को लेकर अनेक सामाजिक द्वन्द्वों तथा विवादों को बल मिला है। भारत के महानगरीय क्षेत्रों तथा सीमित जल संसाधन उपलब्धता वाले क्षेत्रों में जल की आपूर्ति को लेकर लड़ाई-झगड़े होना आज एक सामान्य बात हो गई है। दूसरी ओर इससे अनेक अन्तर्राष्ट्रीय व अन्तर्राज्यीय जल विवाद भी उत्पन्न हो गये है जिनमें निम्न जल विवाद उल्लेखनीय है-

1. भारत तथा पाकिस्तान के मध्य सिन्धु नदी जल विवाद,

2. भारत व बांग्लादेश के मध्य फरक्का जल विवाद,

3. कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों के मध्य कावेरी जल विवाद,

4. महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश तथा गुजरात के मध्य नर्मदा नदी जल विवाद,

5. सतलज-यमुना लिंक नहर को लेकर पंजाब तथा हरियाणा राज्यों के मध्य विवाद।

वर्तमान में भारत का प्रत्येक राज्य अपने यहाँ प्रवाहित नदी के जल पर अपना अधिकार समझता है। वह यह समझने को तैयार नहीं कि नदियों का जल एक राष्ट्रीय सम्पदा है। राज्यों के इसी रवैये के कारण भारत में अधिकांश अन्तर्राज्यीय जल विवाद हल नहीं हो पा रहे हैं।

शेखावाटी मिशन-100

अध्याय - 05 खनिज और ऊर्जा संसाधन

1. निम्न में से कौन-सा धात्विक खनिज नहीं है-
   (1) लौहा (2) ताँबा
   (3) बॉक्साइड (4) माइका (4)
2. निम्नलिखित में से कौनसा खनिज 'भूरा कोयला' के नाम से जाना जाता है?
   (1) लिग्नाइट (2) माइका
   (3) ताँबा (4) प्राकृतिक गैस (1)
3. निम्न में से कौनसा अधात्विक खनिज नहीं है ?
   (1) माइका (2) ग्रेफाइट
   (3) कोयला (4) मैंगनीज (4)

   नोटः- 1. धात्विक खनिजः लौहा धात्विक खनिज - लोहा, मैंगनीज, अलौह धात्विक खनिज- ताँबा, बॉक्साइड
   2. अधात्विक खनिज- ईंधन खनिज- कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस माइका (अभ्रक, चुनाप्रस्तर, डोलोमाइट, ग्रेफाइट)
4. भारत में किस किस्म का कोयला सर्वाधिक है ?
   (1) एन्थ्रेसाइट (2) बिटुमिन्स
   (3) लिग्नाइट (4) पीट (2)
5. निम्न में से किस खनिज को 'तरल सोना' कहा जाता है ?
   (1) प्राकृतिक गैस (2) कोयला
   (3) यूरेनियम (4) पेट्रोलियम (4)
6. गैस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड की स्थापना कब हुई ?
   (1) 1984 (2) 1974
   (3) 1994 (4) 1964 (1)
7. बाबा बूदन पहाड़ियाँ कौनसे अयस्क के लिए विख्यात है ?
   (1) ताँबा (2) लौहा
   (3) चाँदी (4) सोना (2)
8. निम्न में से कौनसा मैंगनीज/बॉक्साइड उत्पादन में अग्रणी है ?
   (1) महाराष्ट्र (2) ओडिशा
   (3) झारखण्ड (4) छत्तीसगढ़ (2)
9. एल्यूमिनियम धातु कौनसे अयस्क से प्राप्त होती है ?
   (1) मैग्नेटाइट (2) बाक्साइड
   (3) डोलोमाइट (4) सोना (2)
10. निम्न में से कौनसे खनिज का उपयोग विद्युत एवं इलेक्ट्रोनिक्स उद्योगों में किया जाता है ?
    (1) बॉक्साइड (2) अभ्रक
    (3) डेलोमाइट (4) सोना (2)
11. भारत का प्रथम तेल उत्पादक क्षेत्र था ?
    (1) अंकलेश्वर (गुजरात) (2) डिगबोई (असम)
    (3) मुंबई हाई (महराष्ट्र) (4) बाड़मेर (राजस्थान) (2)
12. परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना कब हुयी ?
    (1) 1948 (2) 1907
    (3) 1954 (4) 1964 (1)
13. निम्नलिखित में से किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा स्टेशन स्थापित किया गया था ?
    (1) नरोरा (2) रावतभाटा
    (3) तारापुर (4) राणाप्रताप सागर (3)
14. निम्न में से कौनसा ऊर्जा का अनवीकरणीय स्त्रोत है ?
    (1) जल (2) सौर
    (3) पवन (4) ताप (4)
15. राजस्थान में किस स्थान पर सौर ऊर्जा शक्तिग्रह स्थापित किया गया है ?
    (1) जोधपुर (मथानिया) (2) बीकानेर
    (3) सीकर (4) बाड़मेर (1)
16. भारत में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग की स्थापना कब हुई थी ?
    (1) 1946 (2) 1956
    (3) 1966 (4) 1976 (2)
17. निम्न में से कौनसा ऊर्जा का नवीकरणीय स्त्रोत है ?
    (1) कोयला (2) पेट्रोलियम
    (3) नाभिकीय ऊर्जा (4) जैवभार (बायोमास) (4)
18. हाल ही में तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने प्राकृतिक गैस के संभावित भण्डार का पता लगाया है ?
    (1) मंथानिया (राजस्थान) (2) रामानाथपुरम (तमिलनाडू)
    (3) नवेली (तमिलनाडू) (4) तारापुर (महराष्ट्र) (2)
19. भारत का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र कौनसा है ?
    (1) रानीगंज (2) बोकारो
    (3) झरिया (4) गिरीडीह (3)
20. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-
    अ. गुरूमहिसानी, बादाम पहाड़ — 1. ताँबा
    ब. कालाहांडी — 2. अभ्रक
    स. नेल्लोर — 3. बॉक्साइड
    द. बालाघाट — 4. लौहा

कूटः-

	अ	ब	स	द	
(1)	4	3	2	1	
(2)	1	2	3	4	
(3)	2	4	1	3	
(4)	3	4	1	2	(1)

21. निम्न को सुमेलित कीजिए-
    अ. मुम्बई-हाई — 1. पेट्रोलियम
    ब. रानीगंज — 2. कोयला
    स. मनीकरण (हिमाचल प्रदेश) — 3. भूतापीय ऊर्जा
    द. रावतभाटा — 4. परमाणु ऊर्जा

कूटः-

	अ	ब	स	द	
(1)	4	3	2	1	
(2)	2	1	3	4	
(3)	1	2	3	4	
(4)	2	1	4	3	(3)

शेखावाटी मिशन-100

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

22. खनिजों की गुणवता और मात्रा के बीच .... संबंध पाया जाता है।

उत्तर- प्रतिलोमी

23. भारत में अधिकांश धात्विक खनिज .... क्षेत्र की प्राचीन क्रिस्टलीय शैलों में पाये जाते है ।

उत्तर- प्रायद्वीपीय पठारी

24. लौह अयस्क के प्रगलन के लिए .... एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है।

उत्तर- मैंगनीज

25. .... मैंगनीज का अग्रणी उत्पादक राज्य है।

उत्तर- ओडिशा

26. बिजली की मोटरे, ट्रांसफार्मर तथा जेनेरेटर्स आदि बनाने तथा विद्युत उद्योग के लिए .... एक अपरिहार्य धातु है।

उत्तर- ताँबा

27. आभूषणों को सुदृढ़ता प्रदान करने के लिए .... को स्वर्ण के साथ मिलाया जाता है।

उत्तर- ताँबा

28. कच्चा पेट्रोलियम .... और .... अवस्था के हाइड्रोकार्बन से युक्त होता है।

उत्तर- द्रव और गैसीय

29. अपरिष्कृत पेट्रोलियम .... की अवसादी शैलों में पाया जाता है।

उत्तर- टरश्यरी युग।

30. नाभिकीय ऊर्जा के उत्पादन में प्रयुक्त होने वाले महत्वपूर्ण खनिज ....और .... है।

उत्तर- यूरेनियम और थोरियम

31. यूरेनियम निक्षेप .... शैलों में पाये जाते है।

उत्तर- धारवाड़

अति लघुत्तरात्मक प्रश्नः-

32. खनिज से क्या तात्पर्य है ? खनिजों का वर्गीकरण चित्र द्वारा प्रदर्शित कीजिए।

उत्तर- एक निश्चित रासायनिक एवं भौतिक गुणधर्मो के साथ कार्बनिक या अकार्बनिक उत्पति के प्राकृतिक पदार्थ खनिज कहलाते है

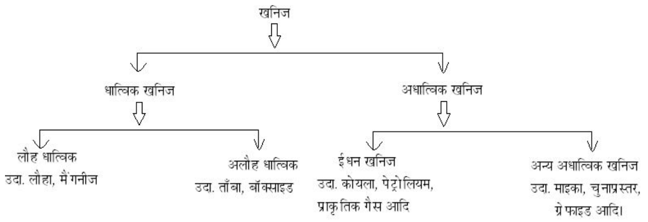

33. जैव ऊर्जा से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- वह ऊर्जा जो जैविक उत्पादों जैसे कृषि अवशेष, नगरपालिका व औद्योगिक अपशिष्ट आदि से प्राप्त होती है, जैव ऊर्जा कहलाती है।

34. धात्विक खनिज के उदाहरण लिखें ?

उत्तर- लौहा धात्विक खनिज- लौहा, मैंगनीज।

अलौहा धात्विक खनिज- तांबा, बॉक्साइट

35. अधात्विक खनिज के उदाहरण लिखे ?

उत्तर- ईंधन खनिज- कोयला, पैट्रोलियम, प्राकृतिक गैस

36. कोयले की कौन-कौन सी किस्में होती है ?

उत्तर- एन्थ्रेसाइट, बिटुमिन्स, लिग्नाइट व पीट

37. जीवाश्म ईंधन किसे कहते है उदाहरण भी लिखें ?

उत्तर- वे खनिज जो पृथ्वी में दबे प्राणी एवं पादप जीवों से प्राप्त होते है जीवाश्म ईंधन कहलाते है। तथा इन्हें खनिज ईंधन भी कहा जाता है।

उदाहरणः- कोयला और पेट्रोलियम

38. सीमेंट उद्योग के लिए कच्चा माल कौन-कौनसा है ?

उत्तर- डोलोमाइट तथा चूना पत्थर

39. GAIL का पूरा नाम क्या है ?

उत्तर- गैस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड

40. थोरियम मुख्यतः केरल के कौनसे क्षेत्र से प्राप्त किया जाता है ?

उत्तर- थोरियम मुख्यतः केरल के तटीय क्षेत्र की पुलीन बीच की बालु में मोनाजाइट एवं इल्मेनाइट से प्राप्त किया जाता है।

41. मैंगनीज अयस्क पर टिप्पणी लिखो ?

उत्तर- लौह अयस्क के प्रगलन के लिए मैंगनीज एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है और इसका उपयोग लौह-मिश्रधातु, विनिर्माण में किया जाता है।

उत्पादक क्षेत्रः- ओडिशा मैंगनीज का अग्रणी उत्पादक है ओडिशा की मुख्य खदानें भारत की लौह अयस्क पट्टी के मध्य भाग में विशेष रूप से बोनाई, केन्दुझर, सुन्दरगढ़, गंगपुर, कोरापुट, कालाहांडी तथा बोलनगीर स्थित है। कर्नाटक राज्य में खदानें धारवाड़, कल्लारी बेलगावी, उत्तरी कनारा, चिकमगलरू, शिवमोगा, चित्रदुर्ग तथा तुमंकुरू में स्थित है। महाराष्ट्र राज्य में नागपुर भडांरा तथा रत्नागिरी जिलों में पाया जाता है।

42. खनिज संसाधनों के संरक्षण के विषय में लेख लिखिए।

उत्तर- वर्तमान में संसाधन उपयोग के परंपरागत तरीकों के परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में अपशिष्ट के साथ-साथ अन्य पर्यावरणीय समस्याएँ भी उत्पन्न हो रही है। अतः सतत् पोषणीय विकास के द्वारा मानव की भावी पीढियों के लिए संसाधनों का संरक्षण अनिवार्य है। अतः खनिज संसाधनों के संरक्षण के लिए निम्न उपाय अपनाये जा सकते है-

1. ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोत जैसे- सौर ऊर्जा, पवन तरंग, भूतापीय आदि ऊर्जा के असमाप्य स्त्रोत है अतः इनका अधिकाधिक विकास किया जाना चाहिए।

2. धात्विक खनिजों के मामले में, छाजन धातुओं का उपयोग, धातुओं का पुनचर्क्रण संभव कर सकता है। तांबा, सीसा और जस्ता जैसी धातुओं में जिनमें भारत के भण्डार अपर्याप्त है, छाजन (स्क्रेपे) का उपयोग विशेष रूप से सार्थक है।

3. अति अल्प धातुओं के लिए प्रतिस्थापनों का उपयोग भी उनकी खपत को घटा सकता है।

4. सामरिक और अत्यल्प खनिजों के निर्यात को घटाना चाहिए ताकि वर्तमान आरक्षित भण्डारों का लम्बे समय तक प्रयोग किया जा सके।

शेखावाटी मिशन-100

43. भारत में अभ्रक के वितरण का विवरण बताएें।

उत्तर- भारत में अभ्रक मुख्यतः झारखड में निचले हजारीबाग पठार की 150 किलोमीटर लंबी व 22 किलोमीटर चौड़ी पट्टी में, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में एवं राजस्थान में लगभग 320 किलोमीटर लम्बी पट्टी में जयपुर से भीलवाड़ा और उदयपुर के आस-पास विस्तृत है। इसके अतिरिक्त कर्नाटक के मैसूर व हासन जिले तमिलनाडु के कोयम्बटूर, तिरूचिरापली, मदुरई तथा कन्याकुमारी जिले, महाराष्ट्र के रत्नागिरी तथा पश्चिमी बंगाल के पुरूलिया एवं बांकुरा जिलों में भी अभ्रक के कुछ निक्षेप पाए जाते है।

44. अलौह खनिज एवं लौह खनिज में अन्तर बताइये ?

उत्तर-

लौह खनिज	अलौह खनिज
1. जिन खनिज पदार्थो में लौह धातु का अंश होता है।	1. जिन खनिज पदार्थो में लौह धातु नहीं पाई जाती है।
2. लोहा, मैंगनीज, क्रोमाइट कोबाल्ट आदि लौह खनिज है।	2. सोना, ताँबा, सीसा, निकल आदि अलौह खनिज है।
3. इनका मुख्य उपयोग लौह-इस्पात उद्योग में किया जाता है।	3. इनकी अलग-अलग उपयोगिता होती है, जैसे- आभूषण निर्माण, विद्युत उद्योग में आदि।

45. परम्परागत व अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रोंतों में उदाहरण सहित अन्तर स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर- **परम्परागतः-**

1. वे ऊर्जा संसाधन, जो प्राचीन काल से उपयोग में लिये जा रहे है, परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत कहलाते है।

2. प्रायः परम्परागत स्त्रोत सीमित एवं समाप्य है।

उदा. कोयला, खनिज तेल, प्राकृतिक गैस आदि।

अपरम्परागत-

1. ऐसे ऊर्जा स्त्रोत जिन्हें मानव ने आधुनिक युग में ही काम में लेना शुरू किया है, अपरम्परागत ऊर्जा स्त्रोत कहलाते है।

2. प्रायः अपरम्परागत स्त्रोत असीमित व नवीकरणीय होते है।

उदा. सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, जैवभार आदि।

46. भारत में कोयला संसाधनों पर विस्तृत टिप्पणी लिखो।

उत्तर- कोयला महत्वपूर्ण खनिज है जिसका मुख्य प्रयोग ताप विद्युत उत्पादन तथा लौह अयस्क के प्रगलन के लिए किया जाता है-

1. गोंडवाना 2. टर्शियरी निक्षेप

गोंडवाना कोयला निक्षेपः- भारत में 80 प्रतिशत भाग बिटुमिनियस प्रकार का संसाधन पश्चिमी बंगाल, झारखण्ड, झरिया, बोकारो, गिरीडीह तथा करनपुरा (झारखण्ड) है। इसके अलावा गोदावरी, महानदी तथा सोन नदी घाटी क्षेत्र है। अन्य क्षेत्रों में मध्यप्रदेश में सिंगरौली, छत्तीसगढ़ में कोरबा, ओडिशा में तलचर तथा भरतपुर, महाराष्ट्र में चांदा-वर्धा, काम्पटी तथा तेलगाना में सिंगरेनी व आन्ध्रप्रदेश में पांडुर है।

टर्शियरी कोयला निक्षेप-

1. मेघालय- दरानगिरी, चेरापूँजी, मवलांग

2. अरूणाचल प्रदेश- नामचिक-नाम्फुक

3. माकुम, जयपुर, उतरी असम नजीरा तथा जम्मू-कश्मीर में कालाकोट में। इसके अलावा भूरा कोयला या लिग्नाइट तमिलनाडु के तटीय भागों पांडिचेरी गुजरात और जम्मू-कश्मीर में भी पाया जाता है।

47. भारत के पेट्रोलियम संसाधनों पर विस्तृत टिप्पणी लिखें।

उत्तर- अपनी दुर्लभता और विविध उपयोगों के लिए पेट्रोलियम को 'तरल सोना' कहा जाता है। कच्चा पेट्रोलियम द्रव और गैसीय अवस्था के हाइड्रोकार्बन सें युक्त होता है तथा इसकी रासायनिक संरचना, रंगों और विशिष्ट घनत्व में भिन्नता पायी जाती है।

उपयोग- मोटर वाहनों, रेल्वे तथा वायुयानों के अंतर-दहन ईंधन के लिए ऊर्जा का एक अनिवार्य स्त्रोत है। यह उत्पाद पेट्रो-रसायन उद्योगों जैसे- उर्वरक, कृत्रिम रबर, कृत्रिम रेशे, दवाइयाँ, वैसलीन, स्नेहकों, मोम, साबुन तथा अन्य सौंदर्य सामग्री में प्रक्रमित किये जाते है।

उत्पादक क्षेत्र-

1. असमः- डिगबोई, नहारकटिया तथा मोरान

2. गुजरातः- अंकलेश्वर, कालोल, मेहसाणा, नवागाव, कोसांबा तथा लुनेज।

3. महाराष्ट्रः- मुम्बई-हाई

4. अन्य क्षेत्रः- कृष्णा, गोदावरी तथा कावेरी बेसिनों में।

नोटः- **<u>भारत में दो प्रकार के तेल शोधन कारखाने है-</u>**

<u>क. क्षेत्र आधारित</u> - डिगबोई तेल शोधन कारखाना।

<u>ख. बाजार आधारित</u>- बरौनी तेल शोधन कारखाना।

48. लौहा अयस्क पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखे ?

उत्तर- भारत में लौह अयस्क के प्रचुर संसाधन है। हमारे देश में लौह अयस्क के दो प्रमुख प्रकारों - हेमेटाइट तथा मैग्नेटाइट का प्रमुख रूप में खनन किया जाता है।

भारत में संचित भण्डारः- भारत में एशिया के विशालतम लौह अयस्क भण्डार पाये जाते है। लौह अयस्क के कुल आरक्षित भण्डारों का लगभग 95 प्रतिशत भाग ओड़िशा, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोआ, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडू राज्य में स्थित है।

प्रमुख उत्पादक क्षेत्रः-

1. ओडिशाः- यह भारत का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक राज्य है। यहाँ गुरूमहिसानी, सुलाएपत, बादामपहाड़, किरूबिरू एवं बोनाई प्रमुख खाने है।

2. झारखण्ड- नोआमंडी और गुआ।

3. छत्तीसगढ़ः- बेलाडीला तथा डल्ली व दुर्ग जिले में राजहरा श्रेणी।

4. कर्नाटकः- होस्पेट क्षेत्र, बाबा बुदन पहाड़ी, कुद्रेमुख आदि।

5. महाराष्ट्रः- चन्द्रपुर, भंडारा तथा रत्नागिरी।

शेखावाटी मिशन-100

49. निम्नलिखित नवीकरण योग्य स्त्रोतों को विस्तार से समझाइये।

1. सौर ऊर्जा 2. पवन ऊर्जा

3. भूतापीय ऊर्जा 4. जैव ऊर्जा

1. **सौर ऊर्जा**:- सूर्य से ऊष्मा व प्रकाश के रूप में प्राप्त ऊर्जा, सौर ऊर्जा कहलाती है। अन्य सभी नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों की अपेक्षा सौर-तापीय प्रौद्योगिकी अधिक लाभप्रद है। यह लागत प्रतिस्पर्धी, पर्यावरण अनुकूल तथा निर्माण में आसान है। यह सामान्यतः हीटरो, फसल शुष्कको, कुकर्स आदि जैसे उपकरणों में अधिक प्रयोग की जाती है। भारत के पश्चिमी भागों गुजरात व राजस्थान में सौर ऊर्जा के विकास की अधिक संभावनाएँ है।

2. **पवन ऊर्जा**:- यह पूर्ण रूप से प्रदूषण मुक्त और ऊर्जा का असमाप्य स्त्रोत है। पवन की गतिज ऊर्जा को टरबाइन के माध्यम से विद्युत ऊर्जा में बदला जाता है। भारत में पवन ऊर्जा के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा कर्नाटक में अनुकूल परिस्थितियाँ विद्यमान है।

3. **भूतापीय ऊर्जा**:- जब पृथ्वी के गर्भ से मैग्मा निकलता है तो अत्यधिक ऊष्मा निर्मुक्त होती है। इस ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। इसके अलावा, गीजर कूपों से निकलने गर्म पानी से ताप ऊर्जा पैदा की जा सकती है। भारत में भूतापीय ऊर्जा संयंत्र हिमाचल प्रदेश के मनीकरण में अधिकृत किया जा चुका है।

4. **जैव ऊर्जा (बायोगैस)**:- जैव ऊर्जा उस ऊर्जा को कहा जाता है जिसे जैविक उत्पादों से प्राप्त किया जाता है जिसमें कृषि अवशेष, नगरपालिका, औद्योगिक तथा अन्य अपशिष्ट शामिल होते है। जैव ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा, ताप ऊर्जा अथवा खाना पकाने के लिए गैस में परिवर्तित किया जा सकता है। नगरपालिका कचरे को ऊर्जा में बदलने वाली ऐसी ही एक परियोजना नई दिल्ली के ओखला में स्थित है।

अध्याय-6 भारत के संदर्भ में नियोजन एवं सतत् पोषणीय विकास

1. नीति आयोग का गठन कब हुआ ?
   (1) 1 जनवरी 2014 (2) 1 जनवरी 2015
   (3) 1 जनवरी 2017 (4) 1 जनवरी 2016 (2)
2. निम्नलिखित में से किस जनजाति के लोग ऋतु प्रवास करते है ?
   (1) गद्दी (2) भील
   (3) मीणा (4) गरासिया (1)
3. भरमौर जनजातीय क्षेत्र किस राज्य में अवस्थित है ?
   (1) राजस्थान (2) मध्य प्रदेश
   (3) झारखण्ड (4) हिमाचल प्रदेश (4)
4. 'द पापुलेशन बम' पुस्तक के लेखक है ?
   (1) एहरलिच (2) मीडोस
   (3) अमर्त्य सेन (4) रैटजेल (1)
5. 'द लिमिट टू ग्रोथ' पुस्तक के लेखक है-
   (1) अमर्त्य सेन (2) रैटजेल
   (3) मीडोस एवं अन्य (4) एहरलिच (3)
6. 'अवर कॉमन फ्यूचर' रिपोर्ट प्रस्तुत की गई ?
   (1) 1972 (2) 1987
   (3) 1992 (4) 2005 (2)
7. सूखा संभावित क्षेत्र विकास कार्यक्रम की शुरूआत किस पंचवर्षीय योजना में हुई ?
   (1) दूसरी (2) पांचवी
   (3) सातवी (4) चौथी (4)
8. इंदिरा गांधी नहर परियोजना कब प्रारम्भ हुई ?
   (1) 31 मार्च 1948 (2) 31 मार्च 1952
   (3) 31 मार्च 1958 (4) 31 मार्च 1966 (3)
9. जनजातिय उप-योजना प्रारम्भ हुई।
   (1) 1974 (2) 1956
   (3) 1986 (4) 1992 (1)
10. नीति आयोग से पूर्व नियोजन का कार्य किस संस्था द्वारा किया जाता था ?
    (1) कृषि मंत्रालय (2) वन मंत्रालय
    (3) योजना आयोग (4) राष्ट्रीय विकास परिषद (3)
11. प्रादेशिक नियोजन का संबंध है-
    (1) आर्थिक व्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों का विकास
    (2) क्षेत्र विशेष के विकास का उपागम
    (3) परिवहन जल तंत्र में क्षेत्रीय अन्तर
    (4) ग्रामीण क्षेत्रों का विकास (2)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रमों को ....पंचवर्षीय योजना में प्रारंभ किया गया।

उत्तर- पांचवी

2. विकास एक .... संकल्पना है ?

उत्तर- बहु-आयामी

3. गद्दी जनजाति के लोग .... भाषा बोलते है ?

उत्तर- गद्दीयाली

4. 'अवर कामन फ्यूचर' रिपोर्ट को .... रिपोर्ट भी कहा जाता है ?

उत्तर- ब्रंटलैण्ड

5. इंदिरा गांधी नहर जिसे पहले .... नहर के नाम से जाना जाता था।

उत्तर- राजस्थान।

6. इंदिरा गांधी नहर का उद्गम स्थल .... बाँध है ।

उत्तर- हरिके

7. .... पंचवर्षीय योजना में पर्वतीय क्षेत्रों तथा उत्तर पूर्वी राज्यों के जनजातिय एवं पिछड़े क्षेत्रों में अवसंरचना को विकसित करने के लिए विशिष्ट क्षेत्र योजना तैयार किया गया।

उत्तर- पांचवीं

8. जनसंख्या वृद्धि के कारण लोग कृषि के लिए .... का उपयोग करने के लिए बाध्य है।

उत्तर- सीमांत भूमि

शेखावाटी मिशन-100

9. भरमौर जनजातीय क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की दो तहसीलें, ... और .... शामिल है।

उत्तर- भरमौर और होली

10. होली और खणी क्षेत्रों में .... नदी के साथ बसे गाँव अवसंरचना विकास से सबसे अधिक लाभान्वित हुए है ?

उत्तर- रावी

अति लघुतरात्मक प्रश्न

11. WECD का पूरा नाम क्या है ?

उत्तर- विश्व पर्यावरण ओर विकास आयोग।

12. ITDP का पूरा नाम क्या है ?

उत्तर- समन्वित जनजातिय विकास परियोजना।

13. SFDA का पूरा नाम-

उत्तर- लघु कृषक विकास संस्था।

14. MFDA का पूरा नाम-

उत्तर- सीमांत कृषक विकास संस्था

15. इंदिरा गांधी नहर किन-किन राज्यों से गुजरती है ?

उत्तर- राजस्थान, पंजाब और हरियाणा।

16. इंदिरा गांधी नहर परियोजना को किसके द्वारा संकल्पित किया गया।

उत्तर- कंवर सैन

17. गद्दी जनजाति का मुख्य व्यवसाय क्या है ?

उत्तर- गद्दी जनजाति के जीवन निर्वाह का मुख्य आधार कृषि और इससे संबद्ध क्रियाएं जैसे- भेड़ और बकरी पालन है।

18. द्वितीय विश्व युद्ध के उपरान्त विकास की संकल्पना आर्थिक वृद्धि की पर्याय थी जिसे किसके रूप में मापा जाता है ?

उत्तर- सकल राष्ट्रीय उत्पाद, प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति उपभोग में समय के साथ बढ़ोतरी के रूप में मापा जाता है।

लघुतरात्मक प्रश्नः-

1. सतत् पोषणीय विकास की संकल्पना को परिभाषित कीजिए।

उत्तर- ऐसा विकास जिससे भविष्य में आने वाली पीढ़ियों की आवश्यकता पूर्ति को प्रभावित किए बिना वर्तमान पीढ़ी द्वारा अपनी आवश्यकता की पूर्ति करना।

2. नीति आयोग का गठन कब हुआ, इससे पूर्व नियोजन का कार्य किस संस्था द्वारा किया गया था।

उत्तर- नीति आयोग का गठन 1 जनवरी 2015 को हुआ।

- नीति आयोग से पूर्व नियोजन का कार्य योजना आयोग द्वारा किया जाता था।

3. नीति आयोग का उद्देश्य बताइएँ।

उत्तर- **नीति आयोग के उद्देश्य-**

1. केन्द्रीय तथा राज्य सरकार को युक्तियुक्त तथा तकनीकी सलाह देना।
2. भारत के आर्थिक नीति निर्माण में राज्यों की भागीदारी सुनिचित करना।

4. नियोजन से क्या तात्पर्य है तथा नियोजन के दो उपगमन (उपागम) कौनसे है ?

उत्तर- **नियोजन का अर्थ**:- नियोजन एक सोच-विचार की प्रक्रिया है जिसमें कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना तथा उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु गतिविधियों का क्रियान्वयन सम्मिलित है। नियोजन के द्वारा सुधार एवं पुनर्निर्माण का कार्य किया जाता है।

नियोजन के उपगमन- 1. खंडीय नियोजन 2. प्रादेशिक नियोजन

5. खंडीय व प्रादेशिक नियोजन को परिभाषित कीजिए।

अथवा

खंडीय व प्रादेशिक नियोजन में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- **खंडीय नियोजन का अर्थ**- अर्थव्यवस्था के विभिन्न सेक्टरों (कृषि, सिंचाई विनिर्माण, ऊर्जा, परिवहन, संचार आदि) के विकास हेतु कार्यक्रम बनाना तथा उन्हें लागू करना है।

- प्रादेशिक नियोजन का अर्थ- जब किसी देश के सभी प्रदेशों का आर्थिक विकास समान रूप से नहीं होता है तब वहां प्रादेशिक नियोजन की प्रक्रिया अपनाई जाती है। इसके अन्तर्गत जो प्रदेश (क्षेत्र) आर्थिक विकास में पिछड़े है वहाँ स्थानिक परिपेक्ष्य में योजनाएँ बनाई जाती है ताकि प्रदेशिक असंतुलन को कम किया जा सके।

6. पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य बताइये।

उत्तर- पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम पहाड़ी क्षेत्रों में बागवानी का विकास, रोपण कृषि, पशुपालन, मुर्गीपालन, वानिकी, लघु तथा ग्रामीण उद्योगों का विकास करने के लिए स्थानीय संसाधनों को उपयोग में लाने के उद्देश्य से बनाए गए है।

7. पर्वतीय क्षेत्र के विकास हेतु सुझाव दीजिए।

उत्तर- **सुझाव**:- 1. स्थानीय संसाधनों तथा प्रतिभाओं का विकास करना।

2. जीविका-निर्वाह अर्थव्यवस्था को निवेश-उन्मुखी अर्थव्यवस्था बनाना।
3. पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखना।
4. पिछड़े क्षेत्रों की बाजार व्यवस्था में सुधार करके श्रमिकों को लाभ पहुँचाना।

8. सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम का उद्देश्य बताइये।

उत्तर- इस कार्यक्रम का उद्देश्य सूखा संभावी क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाना तथा सूखे के प्रभाव को कम करने के लिए उत्पादन के साधनों को विकसित करना है।

9. सूखा संभावी क्षेत्र विकास के प्रमुख कार्यक्रम कौन-कौनसे है लिखिए।

उत्तर- चौथी पंचवर्षीय योजना में इसके अन्तर्गत अधिक श्रमिकों की आवश्यकता वाले सिविल निर्माण कार्यो पर बल दिया गया था। परन्तु पांचवी पंचवर्षीय योजना में इसके कार्यक्षेत्र में सिंचाई परियोजनाओं, भूमि विकास कार्यक्रम, वनीकरण, चारागाह विकास और आधारभूत ग्रामीण अवसंरचना जैसे विद्युत, सड़कों, बाजार, ऋण सुविधाओं और सेवाओं को सम्मिलित किया गया।

10. इंदिरा गांधी नहर में चरणों पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- इंदिरा गांधी नहर का निर्माण कार्य दो चरणों में पूरा किया गया।

शेखावाटी मिशन-100

चरण-1	चरण-2
1. इस चरण का कमान क्षेत्र गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर जिले के उतरी भाग में विस्तृत है।	1. इस चरण का कमान क्षेत्र बीकानेर, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर व चूरू जिलों में विस्तृत है।
2. इस चरण में कृषि योग्य कमान क्षेत्र 5.53 लाख हेक्टेयर है।	2. इस चरण में कृषि योग्य कमान क्षेत्र 14.10 लाख हेक्टेयर है।
3. इस चरण में सिंचाई की शुरूआत 1960 के दशक में आरम्भ हुई।	3. इस चरण में सिंचाई की शुरूआत 1980 के मध्य दशक में आरम्भ हुई।

11. इंदिरा गांधी नहर से पर्यावरण पर पड़ने वाला सकारात्मक प्रभाव बताइये।

उत्तर- **सकारात्मक प्रभावः**- 1. वनीकरण तथा चारागाह क्षेत्र में वृद्धि हुई।
2. वायु अपरदन तथा बालू निक्षेप की प्रक्रिया में कमी आई।

12. इंदिरा गांधी नहर से पर्यावरण पर पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव (समस्याएं) बताइये।

उत्तर- **नकारात्मक प्रभाव** : 1. जल भराव की समस्या।
2. मृदा लवणता की समस्या।

13. इंदिरा गांधी नहर से क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ा स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- 1. सिंचित क्षेत्र में विस्तार होने से बोये गये क्षेत्र में वृद्धि हुई।
2. फसलों की संघनता में वृद्धि हुई।
3. पारम्परिक फसलों (बाजरा, ग्वार व चना) का स्थान गेहूँ, कपास, मूँगफली और चावल ने ले लिया।
4. पशुधन पालन में वृद्धि हुई।

14. इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने वाले उपाय बताइये।

उत्तर- इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में सतत पोषणीय विकास को बढ़ावा देने हेतु उपाय निम्न है-
1. जल प्रबंधन नीति का कठोरता से क्रियान्वयन होना चाहिए।
2. कम पानी में उत्पादित होने वाली फसलों की बुवाई को बढ़ावा देना चाहिए।
3. जलाक्रांत तथा लवण से प्रभावित भूमि का पुनरूद्धार किया जाना चाहिए।
4. वनीकरण, वृक्षों की रक्षण मेखला का निर्माण तथा चारागाह विकास किया जाना चाहिए।

15. इंदिरा गांधी नहर की व्याख्या निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।
1. शुरूआत 2. उद्गम स्थल
3. कमान क्षेत्रफल 4. लिफ्ट नहर

उत्तर- **1. शुरूआतः**- इंदिरा गांधी नहर परियोजना 31 मार्च 1958 को प्रारंभ हुई।
2. उद्गम स्थलः- पंजाब के हरिके बाँध से ।
3. कमान क्षेत्रफल - 19.63 लाख हेक्टेयर।
4. लिफ्ट नहरः- इंदिरा गांधी नहर में सभी लिफ्ट नहरे मुख्य नहर के बायें किनारे से निकलती है। यह लिफ्ट नहरें ढाल के विपरीत जल प्रवाह हेतु जल को बार-बार मशिनों से उपर उठाया जाता है।

16. लक्ष्य क्षेत्र नियोजन से आप क्या समझते है। लक्ष्य क्षेत्र कार्यक्रम तथा लक्ष्य समूह कार्यक्रम के उदाहरण बताइये।

उत्तर- लक्ष्य क्षेत्र नियोजन की प्रक्रिया उन क्षेत्रों में अपनाई जाती है जो क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़े हुए है। इस हेतु योजना आयोग ने 'लक्ष्य क्षेत्र कार्यक्रम' तथा 'लक्ष्य समूह कार्यक्रम' उपागमों को प्रस्तुत किया।

लक्ष्य क्षेत्र कार्यक्रम के उदाहरण-
1. कमान नियंत्रित क्षेत्र विकास कार्यक्रम
2. सूखाग्रस्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम
3. पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम

लक्ष्य समूह कार्यक्रम के उदाहरणः-
1. लघु कृषक विकास संस्था (SFDA)
2. सीमांत किसान विकास संस्था (MFDA)

17. WECD से आप क्या समझते है ?

उत्तर- WECD का पूरा नाम विश्व पर्यावरण और विकास आयोग है इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा पर्यावरण मुद्दों पर विश्व समुदाय की बढती चिंता को ध्यान में रखकर की गई थी। इस आयोग की प्रमुख नार्वे की प्रधानमंत्री ''ग्रो हरलेम ब्रंटलैंड'' थी इस आयोग ने 1987 में अपनी रिपोर्ट 'अवर कॉमन फ्यूचर' प्रस्तुत की थी जिसे ''ब्रंटलैण्ड रिपोर्ट'' भी कहा जाता है।

अध्याय-07 परिवहन एवं संचार

1. भारत में सड़को की दशा सुधारने के लिए ''बीस वर्षीय सड़क योजना कब आरम्भ की गई थी ?
(1) 1943 (2) 1961
(3) 1972 (4) 1981 (2)

2. भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण (N.H.A.I.) की शुरूआत (प्रचालन) कब हुई थी ?
(1) 1961 (2) 1976
(3) 1995 (4) 1985 (3)

3. भारत में अंतःस्थलीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना कब हुई थी ?
(1) 1996 (2) 1986
(3) 1976 (4) 1966 (2)

4. निम्नलिखित में से परिवहन का प्रकार नहीं है ?
(1) सड़क (2) जल
(3) वायु (4) मोबाइल (4)

5. भारत में रेल सेवा की शुरूआत कब हुई ?
(1) 1853 (2) 1857
(3) 1911 (4) 1923 (1)

6. सड़क जाल के हिसाब से भारत का विश्व में कौनसा स्थान है ?
(1) पहला (2) दूसरा
(3) तीसरा (4) चौथा (2)

शेखावाटी मिशन-100

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. .... तथा .... का उपयोग एक वस्तु की उपलब्धता वाले स्थान से उसके उपयोग वाले स्थान पर लाने-ले जाने की हमारी आवश्यकता पर निर्भर करता है।

उत्तर- परिवहन तथा संचार

2. छोटी दूरियों की यात्रा के लिए .... अपेक्षाकृत अनुकूल होता है?

उत्तर- सड़क परिवहन

3. भारत के पास द्वीपों सहित लगभग .... किमी लम्बा व्यापक समुद्री तट है ?

उत्तर- 7517 किमी

4. भारत में भार के अनुसार लगभग .... तथा मूल्य के अनुसार .... विदेशी व्यापार महासागरीय मार्गो द्वारा होता है।

उत्तर- 95% तथा 70%

5. भारतीय रेल प्रणाली को .... मण्डलों में विभाजित किया जाता है।

उत्तर- 16

लघुतरात्मक प्रश्न

1. सड़क परिवहन के लिए नागपुर योजना कब बनाई गई। यह योजना क्रियान्वित क्यों नहीं हो पाई ?

उत्तर- 1943 में बनाई गई थी लेकिन रजवाड़ों और ब्रिटिश भारत के बीच समन्वय के अभाव के कारण यह योजना असफल रही।

2. भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण (N. H. A. I.) कि मंत्रालय के अधीन कार्य करता है ?

उत्तर- भूतल परिवहन मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्तशासी निकाय है।

3. विश्व की सबसे लम्बी राजमार्ग सुरंग कौनसी है व किसके द्वारा बनाई गई है ?

उत्तर-अटल टनल (9.02 किलोमीटर) ये सीमा सड़क संगठन द्वारा बनाई गयी है यह सुरंग पूरे साल मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ती है।

4. ''भारतीय रेलवे ने विविध संस्कृति के लोगों को एकसाथ लाकर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया है।'' यह कथन किसका है ?

उत्तर- महात्मा गांधी

5. संचार के वैयक्तिक व सार्वजनिक साधनों की सूची बनाइए।

उत्तर- वैयक्तिकः- पत्रादि, दूरभाष (टेलीफोन), तार (टेलीग्राम), फैक्स, ई-मेल, इंटरनेट आदि।

सार्वजनिकः- रेडियो, टेलीविजन, सिनेमा, उपग्रह (सेटेलाइट), समाचार पत्र, पत्रिकाएँ व पस्तुके, जन सभाएँ/गोष्ठियाँ एवं सम्मेलन आदि।

6. किन साधनों का विकास विशिष्ट सामग्रियों को विशिष्ट परिस्थितियों में परिवहन की माँग को पूरा करने के लिए किया गया।

उत्तर- रज्जुमार्गो, केबिल मार्गो तथा पाइप लाइनों।

7. कोलकाता से पेशावर तक जोड़ने वाले शाही राजमार्ग (ग्रांड ट्रंक G.T.) का निर्माण किसने करवाया था।

उत्तर- शेरशाह सूरी।

8. GAIL (गेल) की स्थापना कब और क्यों की गई ?

उत्तर- गैस अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड की स्थापना 1984 में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के रूप में प्राकृतिक गैस के परिवहन, प्रसंस्करण और आर्थिक उपयोग करने के लिए विपणन हेतु की गई।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. भारत के किस रेल मार्ग को आप अभियांत्रिकी का अनूठा चमत्कार मानते है इस रेल मार्ग पर पुल व सुरंगों की संख्या लिखिए।

अथवा

कोंकण रेलवे पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- कोंकण रेलवे को अभियांत्रिकी का अनूठा चमत्कार माना जाता है इस मार्ग पर 2000 पुल, 91 सुरंग तथा 146 नदी धाराओं को पार करता है।

- 1998 में निर्मित कोकण रेलवे 760 किलोमीटर लम्बा है यह महाराष्ट्र के रोहा को कर्नाटक के मंगलौर से जोड़ता है।

2. पवनहंस क्या है ? यह किन दो क्षेत्रों में सेवायें प्रदान करता है।

उत्तर- पवन हंस एक हेलीकॉप्टर सेवा है जो पर्वतीय क्षेत्रों में सेवारत है। पवन हंस द्वारा सेवा प्रदान किये जाने वाले क्षेत्र-

1. पर्वतीय क्षेत्र तथा उत्तर पूर्व क्षेत्रों में पर्यटको को सेवाएं प्रदान करता है।

2. पवन हंस लिमिटेड पैट्रोलियम सेक्टर के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध करता है।

3. भारत में लैगून व पश्च जल कहां पाये जाते है? इसके दो उपयोग लिखिए

अथवा

कडल से आप क्या समझते है ?

उत्तर- भारत में लैगून व पश्च केरल राज्य में स्थित है, जिसे कडल कहा जाता है।

पश्च जल के उपयोगः-

1. इससे अन्तस्थलीय जलमार्ग बने हुए है जो परिवहन का सस्ता साधन उपलब्ध कराते है।

2. केरल में भारी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करते है। यहाँ की प्रसिद्ध नेहरू ट्राफी नौकादौड़ (वल्लामकाली) भी इसी पश्च जल में आयोजित की जाती है।

शेखावाटी मिशन-100

4. पाइप लाइन परिवहन से आप क्या समझते है ? भारत में यह कार्य किस कम्पनी (निगम) द्वारा किया जा रहा है तथा भारत की प्रमुख पाइपलाइनों के नाम लिखिए।

अथवा

भारत में तेल एवं गैस पाइप लाइनों के विषय में लिखिए।

उत्तर- पाइप लाइन परिवहनः- पाइप लाइने गैस एवं तरल पदार्थो का लंबी दूरी तक परिवहन हेतु अत्यधिक सुविधाजनक एवं सक्षम प्रणाली है। इसके द्वारा ठोस पदार्थो को भी घोल या गारा में बदलकर परिवहित किया जा सकता है।

- कंपनी (निगम)- ऑल इंडिया लिमिटेड (OIL) द्वारा कचे तेल एवं प्राकृतिक गैस को-अन्वेषण, उत्पादन एवं परिवहन का कार्य किया जाता है।

भारत की प्रमुख पाइप लाइने:-

1. असम के नाहरकटिया तेल क्षेत्र से बरौनी के तेल शोधक कारखाने तक
2. अंकलेश्वर से कोयली तक
3. मुम्बई हाई से कोयली तक
4. हजीरा- विजयपुर- जगदीशपुर पाइप लाइन
5. सलाया (गुजरात) से मथुरा तक
6. नुमालीगढ़ से सिलीगुड़ी तक।

5. ''राष्ट्रीय महामार्ग विकास परियोजना'' की व्याख्या कीजिए।

अथवा

स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना और उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम कोरिडोर (गलियारा) पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर- राष्ट्रीय महामार्गो के विकास रख-रखाव तथा प्रचालन का कार्य 'भारतीय राष्ट्रीय महामार्ग प्राधिकरण' द्वारा किया जाता है।

इस प्राधिकरण ने देशभर में कई प्रमुख राष्ट्रीय महामार्ग विकास परियोजनायें प्रारम्भ की है इनसे प्रमुख निम्न प्रकार है।

1. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना - इसके अन्तर्गत 5846 किलोमीटर लम्बी 4 लेन अथवा 6 लेन वाले उच्च सघनता का यातायात गलियारा शामिल है जो चार बड़े महानगरों - दिल्ली-मुम्बई-चेन्नई-कोलकता को जोड़ते है। इस परियोजना के निर्माण से भारत के इन महानगरों के बीच समय-दूरी तथा यातायात लागत में कमी आयी है।

2. उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम गलियारा (कोरिडोर)- उत्तर-दक्षिण गलियारे का उद्देश्य श्रीनगर से कन्याकुमारी को 4016 किलोमीटर लम्बे मार्ग द्वारा जोड़ना है। पूर्व-पश्चिम गलियारे का उद्देश्य सिलचर (असम) से पोरबंदर (गुजरात)को 3640 किलोमीटर लम्बे मार्ग द्वारा जोड़ना है।

6. भारत में वायुपरिवहन की विवेचना निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

अ. शुरूआत ब. प्रबंधन स. महत्व

उत्तर- अ. शुरूआत- भारत में वायु परिवहन की शुरूआत 1911 में इलाहाबाद से नैनी के बीच की गई।

ब. भारत में वायुपरिवहन का प्रबंधन- एयरइंडिया द्वारा किया जाता है। एयर इंडिया यात्रियों तथा नौ भार यातायात के लिए अन्तर्राष्ट्रीय वायु सेवाएं उपलब्ध कराता है।

स. वायुपरिवहन का महत्व- 1. परिवहन का तीव्र साधन के कारण लम्बी दूरी को कम समय में तय करने में।

2. प्राकृतिक आपदा के समय राहत सामग्री पहुंचाने में।

3. दुर्गम इलाकों तक पहुंचने हेतु।

7. सीमा सड़क संगठन की विवेचना निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर कीजिए।

अ. स्थापना ब. उद्देश्य स. कार्य (उपलब्धि)

उत्तर- अ. स्थापना- सीमा सड़क संगठन की स्थापना मई 1960 में हुई।

ब. उद्देश्य - 1. देश के उतरी तथा उतरी पूर्वी सीमा से सटी सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़कों के तीव्र एवं समन्वित सुधार के माध्यम से आर्थिक विकास को गति देना

2. तथा रक्षा तैयारियों को मजबूती प्रदान करना।

स. कार्यः- 1. अति ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में चड़ीगढ़ को मनाली तथा लेह से जोड़ने वाली सड़क बनाई है।

2. सामरिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में सड़के बनाने व अनुसरण करना तथा साथ ही अति ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ हटाने का कार्य भी करता है।

8. अन्तःस्थलीय जलमार्ग से आप क्या समझते है। भारत के किन्हीं दो राष्ट्रीय जलमार्गो की विवेचना कीजिए।

उत्तर- अन्तःस्थलीय जलमार्ग के अन्तर्गत नदियाँ, नहरे, झीले, पश्चजल तथा संकरी खाड़िया आदि आते है। देश के परिवहन में लगभग 1 प्रतिशत योगदान अन्तः स्थलीय जलमार्गो का है।

भारत के राष्ट्रीय जलमार्ग:-

1. राष्ट्रीय जलमार्ग 1- विस्तार - इलाहाबाद से हल्दिया तक (1620 किमी) गंगा नदी में
2. राष्ट्रीय जल मार्ग 2 - विस्तार- सदिया से धुबरी तक (891 किमी) ब्रह्मपुत्र नदी में
3. राष्ट्रीय जलमार्ग 3- विस्तार- कोट्टापुरम से कोलम तक (16 किमी) पश्चिमी तटर नहर, चंपाद्वारा तथा उद्योग मंडल
4. राष्ट्रीय जलमार्ग 4- नहर काकीनाडा व पुदुच्चेरी नहर स्ट्रेच के साथ-साथ गोदावरी व कृष्णा नदी का विशेष विस्तार (1078 किमी)
5. राष्ट्रीय जलमार्ग 5- मातई नदी, महानदी के डेल्टा, ब्राह्मणी नदी तथा पूर्वी तटीय नहर के साथ (588 किमी)

9. निम्नलिखित जनसंचार तंत्रों पर टिप्पणी लिखिए।

अ. रेडियो ब. टेलीविजन

उत्तर- अ. रेडियोः-1. शुरूआत - 1923 में रेडियो कलब ऑफ बाम्बे द्वारा भारत में रेडियो का प्रसारण प्रारम्भ किया गया। इसके बाद 1936 में इसे ऑल इण्डिया रेडियो तथा 1957 में आकाशवाणी में बदल दिया गया।

2. कार्यक्रम - रेडियो पर सूचना, शिक्षा, मनोरंजन से जुड़े हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का प्रसारण होता है।

शेखावाटी मिशन-100

ब. टेलीविजनः- 1. शुरूवात- 1959 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रसार के साथ भारत में शुरूवात। 1976 में इसे दूरदर्शन (DD) के रूप में विकसित किया गया।

2. सूचना के प्रसार और जनसाधारण को शिक्षित करने में टेलीविजन एक महत्वपूर्ण श्रव्य-दृश्य साधन है।

10. भारत में उपग्रह संचार की विवेचना निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर कीजिए।

अ. उपग्रह संचार प्रणाली ब. उपग्रह के उपयोग

अथवा

इनसैट तथा भारतीय सुदूर संवेदन (I.R.S.) में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- उपग्रह, संचार का स्वयं एक अलग माध्यम होने के साथ-साथ संचार के अन्य साधनों का नियमन करता है।

अ. उपग्रह संचार प्रणाली- भारत में उपग्रह संचार प्रणाली को दो वर्गों में रखा गया है।

1. इनसैट

2. इण्डियन रिमोट सेंसिंग सिस्टम

1. इनसैट - (इण्डियन नेशनल सेटेलाइट सिस्टम) इसकी स्थापना 1983 में हुई थी। यह एक बहुउद्देश्यीय उपग्रह प्रणाली है जो दूरसंचार, मौसम विज्ञान सम्बन्धि अवलोकनों तथा विभिन्न अन्य आँकड़ों एवं कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है।

2. भारतीय सुदूर संवेदन (IRS)- इसकी शुरूआत 1988 में रूस के बैकानूर से IRS - IA के प्रक्षेपण के साथ हुई। भारत ने भी अपना स्वयं का प्रक्षेपण वाहन PSLV (पोलर सैटेलाइट लॉच व्हीकल) विकसित किया। ये उपग्रह अनेक स्पैक्ट्रलबैंड को एकत्रित कर, विविध उपयोग हेतु स्टेशनों पर भेजते है। यह प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन के लिए बहुत ही उपयोगी है। हैदराबाद स्थित NRSC आंकड़ों के अधिग्रहण एवं प्रक्रमण की सुविधा उपलब्ध कराती है।

ब. उपग्रह के उपयोग- 1. मौसम का पूर्वानुमान लगाने में ।

2. प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी।

3. सीमा क्षेत्रों में चौकसी।

11. भारत में सड़क परिवहन के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारत का सड़क जाल विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क जाल है। सड़कों के निर्माण तथा रखरखाव के उद्देश्य से सड़कों को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया गया है।

1. राष्ट्रीय महामार्ग (NH):- यह सड़के केन्द्र सरकार द्वारा निर्मित एवं अनुरक्षित होती है एवं यह सड़के राज्यों की राजधानी, प्रमुख नगरों, रेलवे जक्शन तथा पतनों को जोड़ती है। यह सड़के देश की कुल सड़क लम्बाई का 2 प्रतिशत है। स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना तथा उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व-पश्चिम गलियारा भारत की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय महामार्ग विकास परियोजनाएँ है।

2. राज्य महामार्ग (SH):- इनका निर्माण व रखरखाव राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है। यह सड़के राज्य की राजधानी से जिला मुख्यालयों तथा अन्य महत्वपूर्ण नगरों एवं कार्यालयों को जोड़ती है। इन सड़कों के अन्तर्गत देश की कुल सड़कों की लम्बाई का 4 प्रतिशत भाग आता है।

3. जिला सड़केः- यह सड़के जिला मुख्यालयों तथा जिले के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों के बीच सम्पर्क स्थापित करती है यह सड़के देश की कुल सड़क लम्बाई का 14 प्रतिशत है।

4. ग्रामीण सड़केः- यह सड़के ग्रामीण क्षेत्र को आपस में जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अन्तर्गत देश की सड़कों की लम्बाई का लगभग 80% भाग आता है।

5. अन्य सड़केंः- इसके अन्तर्गत सीमांत सड़के एवं अन्तर्राष्ट्रीय महामार्गो को सम्मिलित किया जाता है।

12. भारतीय रेल के 6 रेलमण्डल तथा उनके मुख्यालय लिखिए।

उत्तर- रेलमण्डल	मुख्यालय
1. सेंट्रल (मध्य रेल्वे मण्डल)	- मुम्बई
2. इस्टर्न (पूर्वी रेल्वे मण्डल)	- कोलकाता
3. नार्दन (उत्तरी रेल मण्डल)	- नई दिल्ली
4. वेस्टर्न (पश्चिमी रेल मण्डल)	- मुम्बई (चर्च गेट)
5. सदर्न (दक्षिणी रेल मण्डल)	- चेन्नई
6. नार्थ वेस्टर्न (उ. प. रेल मण्डल)	- जयपुर ।

13. परिवहन एक संगठित सेवा उद्योग है? व्याख्या कीजिए।

उत्तर- 1. परिवहन समाज की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु बना संगठित उद्योग है।

2. प्रत्येक देश ने प्रतिरक्षा के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के परिवहन का विकास किया है।

3. परिवहन के साधन व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

14. परिवहन एवं संचार में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- परिवहन	संचार
1. लोगों तथा समान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लाने व ले जाने का साधन परिवहन कहलाता है।	1. एक व्यक्ति अथवा स्थान से दूसरे स्थान पर संदेश, सूचना भेजने का माध्यम संचार कहलाता है।
2. यह देश के आर्थिक विकास में सहायक है।	2. यह देश की सामाजिक प्रगति में सहायक है।
3. यह मुख्यतः सड़क, रेल जलमार्ग एवं वायुमार्ग द्वारा सम्पन्न होता है।	3. डाक, तार, टेलिफोन, इन्टरनेट, टेलीविजन आदि संचार के प्रमुख साधन है।

अध्याय - 08 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

वस्तुनिष्ट प्रश्न

1. भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार वहन होता है ?
(1) स्थल और समुद्र द्वारा (2) स्थल और वायु द्वारा
(3) समुद्र और वायु द्वारा (4) समुद्र द्वारा (3)

2. भारत में निर्यातों में सर्वाधिक अंश किसका है ?
(1) कृषि एवं समवर्गी उत्पाद (2) अयस्क एवं खनिज
(3) विनिर्मित वस्तुएँ (4) पेट्रोलियम (3)

शेखावाटी मिशन-100

3. भारत में खाद्यान्न आयात कम होने का क्या कारण था ?
(1) जनसंख्या में कमी (2) हरित क्रांति की सफलता
(3) जन्म-दर में कमी (4) आयात कर में वृद्धि (2)

4. भारत का सबसे बड़ा समुद्री पत्तन कौनसा है ?
(1) कांडला पत्तन (2) तूतीकोरन पत्तन
(3) कोलकात्ता पत्तन (4) मुम्बई पत्तन (4)

5. भारत में आयातों में सर्वाधिक अंश किसका है ?
(1) खाद्य तथा संबंधित वस्तुएँ (2) ईंधन (कोयला, POL)
(3) उर्वरक (4) पूंजीगत वस्तुएँ (2)

6. निम्नलिखित में से कौनसा एक स्थलबद्ध (भू-आबद्ध) पत्तन है ?
(1) विशाखापट्टनम (2) मुम्बई
(3) हल्दिया (4) कांडला (1)

7. सबसे सस्ता परिवहन कौनसा है ?
(1) वायु परिवहन (2) जल परिवहन
(3) स्थल परिवहन (4) पाइप लाइन परिवहन (2)

8. महानदी डेल्टा पर स्थित पत्तन है ?
(1) विशाखपट्टनम (2) पारादीप
(3) हल्दिया (4) तूतीकोरन (2)

9. भारत का विशालतम कंटेनर पत्तन कौनसा है ?
(1) जवाहर लाल नेहरू पत्तन (2) न्यू मंगलौर
(3) एन्नोर (4) मुम्बई (1)

10. कौनसे पत्तन को स्वेज कोलंबो मार्ग के पास अवस्थित होने का लाभ प्राप्त है ?
(1) हल्दिया (2) कोलकाता
(3) कोच्चि (4) कांडला (3)

11. भारत के आयात संघटन में सर्वाधिक योगदान रहता है-
(1) ईंधन, पेट्रोलियम व अपरिष्कृत उत्पाद
(2) खाद्य तेल
(3) मोती व रत्न
(4) स्वर्ण व चांदी (1)

12. भारत के निर्यात संघटन में सर्वाधिक योगदान रहता है-
(1) मणि रत्न व आभूषण (2) विनिर्मित वस्तुएं
(3) रसायन व संबंधित उत्पाद (4) वस्त्र आदि (2)

13. भारत का सर्वाधिक आयात निम्न में से किस क्षेत्र से होता है ?
(1) पश्चिमी यूरोप (2) एशिया एवं आसियान
(3) उत्तरी अमेरिका (4) उत्तरी पूर्वी यूरोप (2)

14. भारत में वृहद् स्तरीय पत्तनों की संख्या है-
(1) 8 (2) 10
(3) 12 (4) 14 (3)

15. भारत का सबसे बड़ा पत्तन है-
(1) कोलकाता (2) चेन्नई
(3) हल्दिया (4) मुम्बई (4)

16. निम्न में से कौनसा पत्तन वृहद् स्तर पर लौह अयस्क का निर्यात करता है ?
(1) पारादीप (2) विशाखापट्टनम
(3) न्यू मंगलौर (4) तूतीकोरिन (1)

17. निम्नलिखित में से कौनसा पत्तन कृत्रिम है ?
(1) चेन्नई (2) कोचीन
(3) मार्मागाओ (4) पारादीप (1)

18. निम्न में से कौनसे पत्तन का पोताश्रय सबसे गहरा है-
(1) चेन्नई (2) मुंबई
(3) विशाखपट्टनम (4) पारादीप (4)

19. एन्नोर पत्तन निम्न में से किसका अनुषंगी पत्तन है ?
(1) चेन्नई (2) तूतीकोरिन
(3) विशाखापट्टनम (4) कोलकाता (1)

20. निम्नलिखित में से कौन सुमेलित नहीं है ?
(1) चेन्नई- भारत का सबसे गहरा पत्तन
(2) कोच्चि प्राकृतिक पत्तन
(3) जवाहरलाल नेहरू पत्तन- भारत का एकमात्र मशीनीकृत पत्तन
(4) कान्डाला- ज्वारीय पत्तन (1)

21. भारत में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डों की संख्या है-
(1) 8 (2) 10
(3) 25 (4) 14 (3)

22. दो देशों के मध्य व्यापार कहलाता है
(1) अंतर्देशीय व्यापार (2) बाह्य व्यापार
(3) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (4) स्थानीय व्यापार (3)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

1. अंतर्राष्ट्रीय .... सभी देशों के लिए परस्पर लाभदायक है।
उत्तर- व्यापार

2. भारत में विदेशी .... में मणि रत्नो तथा .... की एक व्यापक हिस्सेदारी है।
उत्तर- व्यापार, आभूषणों।

3. न्यू मंगलौर पत्तन .... में स्थित है ।
उत्तर- कर्नाटक।

4. कोलकाता पत्तन .... नदी पर अवस्थित है।
उत्तर- हुगली।

5. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में .... परिवहन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
उत्तर- वायु।

6. विश्व व्यापार में भारत की भागीदारी कुल मात्रा का केवल .... प्रतिशत है।
उत्तर- 1%

शेखावाटी मिशन-100

अति लघुतरात्मक प्रश्न

1. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के कोई दो महत्वपूर्ण आधार बताओ।

उत्तर- 1. विकसित देशों में कच्चे माल की मांग।
2. विदेशी मुद्रा की मांग।

2. किन्ही दो राज्यों के नाम बताइएँ जहाँ दो-दो पत्तन है।

उत्तर- 1. पश्चिम बंगाल - कोलकाता एवं हल्दिया पत्तन
2. तमिलनाडु - चेन्नई और तूतीकोरिन

3. कोंकण रेलवे ने किस पत्तन के पृष्ठ प्रदेश में सर्वाधिक विस्तार किया है ?

उत्तर- मार्मागाओ पत्तन

4. कौन-सा पत्तन नेपाल व भूटान जैसे स्थलबद्ध देशों को सुविधाएँ उपलब्ध करा रहा है ।

उत्तर- कोलकाता पत्तन।

5. भारत के विदेशी व्यापार का छोटा सा भाग सड़क मार्ग द्वारा किस-किस देश के साथ किया जाता है ?

उत्तर- नेपाल, भूटान, बांग्लादेश एवं पाकिस्तान।

6. कोलकाता पत्तन किस समस्या से जूझता रहा है ?

उत्तर- हुगली नदी द्वारा लाई गई गाद की समस्या से।

7. भारत द्वारा आयात की जाने वाली किन्हीं दो प्रमुख वस्तुओं के नाम बताइए।

उत्तर- 1. ईंधन, पेट्रोलियम पदार्थ 2. पूंजीगत सामान

8. भारत में पेट्रोलियम व पेट्रोलियम उत्पादों का अधिक आयात होने के कारण लिखिए।

उत्तर- 1. भारत में पेट्रोल की कमी
2. भारत की विशाल जनसंख्या की माँग
3. तीव्र औद्योगीकरण
4. बेहतर जीवन स्तर आदि।

9. ब्रिटिश शासकों द्वारा भारत के पत्तनों का उपयोग किस उद्देश्य से किया गया?

उत्तर- ब्रिटिश शासकों द्वारा भारत के पत्तनों का उपयोग उनके पृष्ठ प्रदेशों के संसाधनों के विदोहन केन्द्र के रूप में किया गया।

10. देश के विभाजन से भारत के कौन-से दो अति महत्वपूर्ण पत्तन अलग हो गये ?

उत्तर- देश के विभाजन से भारत के दो महत्वपूर्ण पत्तन कराची तथा चटगाँव क्रमशः पाकिस्तान तथा पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में चले गये।

11. हल्दिया पत्तन कहां स्थित है ?

उत्तर-हल्दिया पत्तन कोलकाता से 105 किलोमीटर अंदर अनुप्रवाह पर स्थित है।

12. चेन्नई पत्तन विशाल पोतों के लिए अनुकूल क्यों नहीं है ?

उत्तर-समुद्र तट के समीप उथले जल के कारण चेन्नई पत्तन विशाल पोतों के लिए अनुकूल नहीं है।

लघुतरात्मक प्रश्न

1. कांडला बंदरगाह की अवस्थिति, विकास का कारण तथा महत्व का वर्णन कीजिए ?

उत्तर- कांडला बंदरगाह की अवस्थिति - कच्छ की खाड़ी के मुहाने पर।
विकास का कारणः- आजादी के बाद कराची पतन के पाकिस्तान में चले जाने के बाद भारत पश्चिमी व उत्तर-पश्चिमी भागों की जरूरतों को पूरा करने के लिए।
महत्वः- पैट्रोलियम उत्पाद तथा उर्वरकों को ग्रहण करने हेतु।

2. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में परिवहन के प्रमुख साधन तथा उनकी भूमिका (महत्व) क्या है ?

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वायुपरिवहन तथा जल परिवहन का विशेष महत्व है।
- वायु परिवहन द्वारा उच्च मूल्य तथा शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओं का जबकि जल परिवहन द्वारा भारी वस्तुओं को परिवहित किया जाता है।

3. भारत के आयात संघटन में आये परिवर्तन का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर- भारत के आयात संघटन में समय के साथ आये बदलाव निम्नलिखित है।
1. 1950-60 के दशक में खाद्यान्न, पूंजीगत माल तथा मशीनरी का आयात प्रमुख था जो हरित क्रांति के बाद बंद हो गया।
2. 1973 के बाद पैट्रोलियम तथा उर्वरकों का आयात प्रमुख रहा था
3. वर्तमान समय में पैट्रोलियम पदार्थ तथा उर्वरकों के साथ-साथ मशीनरी एवं उनके कलपुर्जे, खाद्य तेल तथा रसायन प्रमुख मद (वस्तुएं) है।

4. भारत के निर्यात संघटन में आये परिवर्तन का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर- भारत निर्यात संघटन में समय के साथ आये बदलाव निम्नलिखित है-
1. अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण कृषि एवं समवर्गी उत्पादों का हिस्सा घटा है।
2. पैट्रोलियम के मूल्य में वृद्धि एवं देश में तेल शोधन क्षमता बढ़ने के कारण पैट्रोलियम तथा अपरिष्कृत उत्पादों एवं अन्य वस्तुओं में वृद्धि हुई है।

5. मुम्बई पतन के विकास के कारण लिखिए ?

उत्तर- प्रमुख कारण- 1. यह पतन मध्यपूर्व के देशों, भूमध्य सागरीय देशों, उत्तरी अफ्रीका, यूरोप तथा उतरी अमेरिका के देशों के व्यापारिक मार्गो के निकट स्थित है।
2. इसके पृष्ठ प्रदेश के अन्तर्गत मध्यप्रदेश, महराष्ट्र, गुजरात, उत्तरप्रदेश तथा राजस्थान राज्य शामिल है।
3. पतन का विशाल आकार।

6. जोधपुर के एक हस्तशिल्प व्यापारी के लिए अपना माल निर्यात हेतु कौनसा बदंरगाह सर्वाधिक लाभकारी रहेगा व क्यों ?

उत्तर- हस्तशिल्प व्यापारी द्वारा अपने माल निर्यात हेतु कांडला बंदरगाह सर्वाधिक लाभकारी रहेगा क्योंकि जोधपुर के कांडला बंदरगाह ही सबसे नजदीक है जिससे समय व धन की बचत होगी।

7. भारत को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाने हेतु कौनसे उपाय अपनाने चाहिए।

उत्तर- भारत को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने हेतु निम्नलिखित उपाय अपनाने चाहिए।

शेखावाटी मिशन-100

1. आयात उदारीकरण 2. आयात करों में कमी
3. डि-लाइसेसिंग
4. प्रक्रिया से उत्पाद के पेटेंट में बदलाव।

8. भारत के विदेशी व्यापार की विशेषताएं बताइये ?

उत्तर- प्रमुख विशेषताएँ- 1. भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार समुद्री व वायुमार्गों द्वारा होता है।
2. भारत में व्यापार संतुलन प्रतिकूल (ऋणात्मक) है। क्योंकि आयात की तुलना में निर्यात कम है।
3. विश्व व्यापार में भारत के व्यापार की हिस्सेदारी लगभग 1% है।

9. उन महत्वपूर्ण मदों (वस्तुओं) के नाम बताइये जिन्हें भारत आयात व निर्यात करता है।

उत्तर- भारत द्वारा आयात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं-
1. पैट्रोलियम एवं उत्पाद
2. मोती एवं बहुमूल्य रत्न
3. अलौह धातुएं
4. रासायनिक उत्पाद
5. खाद्य तेल
6. उर्वरक
7. चिकित्सीय एवं फार्म उत्पाद।

भारत द्वारा निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं (मद) -
1. विनिर्मित वस्तएं
2. कृषि एवं समवर्गी उत्पाद
3. खनिज ईंधन एवं लुब्रिकेट
4. अयस्क व खनिज

10. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

पतन	अवस्थिति
1. कांडला पतन	1. मुम्बई
2. जवाहर लाल नेहरू पतन	2. कच्छ की खाड़ी
3. मार्मागोवा पतन	3. कर्नाटक
4. न्यू मंगलौर पतन	4. महानदी डेल्टा
5. पारादीप पतन	5. गोवा

उत्तर-

पतन	अवस्थिति
1. कांडला पतन	1. कच्छ की खाड़ी
2. जवाहर लाल नेहरू पतन	2. मुम्बई
3. मार्मागोवा पतन	3. गोवा
4. न्यू मंगलौर पतन	4. कनार्टक
5. पारादीप पतन	5. महानदी डेल्टा

11. पतन व पोताश्रय में अन्तर लिखिए।

उत्तर- पतन व पोताश्रय में अन्तर-

पतन	पोताश्रय
1. पतन पर जहाजों में सामान चढ़ाने व उतारने की सुविधा होती है।	1. पोताश्रय पर जहाज समुद्री लहरों तथा तुफानों से सुरक्षा प्राप्त करते है।
2. यहां पर स्थल व समुद्र आपस में मिले होते है।	2. पोताश्रय में स्थल भाग समुद्र से मिला हुआ नहीं होता है।
3. यहां पर जहाजों से माल उतारा व लादा जाता है।	3. यहाँ पर जलयानों की मरम्मत ईंधन भरने गोदाम व माल वितरण की सुविधा होती है।

12. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

मुख्य पतन	अनुषंगी पतन
1. मुम्बई पतन	1. एन्नोर पतन
2. कोलकता पतन	2. जवाहरलाल नेहरू पतन
3. चेन्नई पतन	3. हल्दिया पतन

उत्तर-

मुख्य पतन	**अनुषंगी पतन**
1. मुम्बई पतन	1. जवाहर लाल नेहरू पतन
2. कोलकता पतन	2. हल्दिया पतन
3. चेन्नई पतन	3. एन्नोर पतन

13. पृष्ट प्रदेश (Hinter land) से आप क्या समझते है ?

उत्तर- पृष्ट प्रदेश किसी पतन का स्थल की ओर वह विस्तृत भू-भाग है जहाँ से आयात व निर्यात की जाने वाली वस्तुएं वितरित तथा प्राप्त की जाती है पृष्ट प्रदेश कहलाता है। पृष्ट प्रदेश का स्पष्ट रूप से सीमांकन नहीं किया जा सकता क्योंकि विभिन्न पतनों के पृष्ट प्रदेश एक दूसरे को अतिव्यापन करते है। जैसे- मुम्बई का पृष्ट प्रदेश मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व गुजरात है।

14. भारत में कितने पतन है तथा प्रमुख प्राकृतिक पतनों के नाम लिखिए।

उत्तर- भारत में 12 प्रमुख तथा 200 छोटे व मझोले पतन है।
प्रमुख प्राकृतिक पतन :-
1. मार्मगोवा पतन
2. कांडला पतन
3. मुम्बई पतन
4. कोच्चि पतन

15. 'अरब सागर की रानी' किसे कहा जाता है ? तथा इसके मुहाने पर कौनसा पतन है।

उत्तर- बेवांनद कयाल को अरब सागर की रानी कहा जाता है। इसके मुहाने पर कोच्चि पतन है।

16. कोलकता पतन की अवस्थिति तथा विकास के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- अवस्थितिः- हुगली नदी पर अवस्थित है जो बंगाल की खाड़ी से 128 किलोमीटर अंदर स्थल भाग में स्थित है।
विकास का कारणः- कोलकता ब्रिटिश भारत की आरम्भिक राजधानी होने का आरम्भिक लाभ मिला था। परन्तु वर्तमान में अन्य पतनों तथा अनुषंगी पतनों के विकास के कारण इस पतन की सार्थकता कम रह गई है।

17. भारत के सबसे उत्तरी व दक्षिणी पतन कौन-से है ?

उत्तर- भारत का सबसे उत्तरी पतन कांडला तथा सबसे दक्षिणी पतन तूतीकोरिन है।

18. विशाखापट्टनम पतन की विशेषता लिखिए।

उत्तर- 1. यह भू आबद्ध पतन है

शेखावाटी मिशन-100

2. इसे ठोस चट्टान व बालू को काटकर एक नहर द्वारा समुद्र से जोड़ा गया है।

19. चेन्नई पतन के दबाव को कम करने के लिए कौनसा पतन का विकास किया गया।

उत्तर- एन्नोर व तूतीकोरन पतन

20. ''पतन विदेशी व्यापार के केन्द्र बिन्दु है'' व्याख्या कीजिए ?

उत्तर- विश्व में जितना भी व्यापार होता है उसका अधिकांश भाग पतनों द्वारा होता है। पतन अपने पृष्ट प्रदेश से आयातित माल को वितरित तथा निर्यातित माल को संग्रहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है इस संदर्भ में पतन को विदेशी व्यापार का केन्द्र बिन्दु कहा जाता है।

21. विदेशी व्यापार व घरेलू व्यापार में अन्तर लिखिए।

उत्तर- विदेशी व्यापार- एक राष्ट्र का अन्य राष्ट्रों के साथ वस्तुओं एवं सेवाओं का आदान-प्रदान विदेशी व्यापार कहलाता है। इससे राष्ट्र का आर्थिक विकास होता है।

घरेलू व्यापारः- एक राज्य का अन्य राज्यों के साथ वस्तुओं एवं सेवाओं का आदान-प्रदान घरेलू व्यापार कहलाता है। इससे राज्यों का आर्थिक विकास होता है।

22. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

पतन	पृष्ट प्रदेश
1. चेन्नई पतन	1. प. बंगाल, बिहार, सिक्किम व उ. पूर्वी राज्य
2. विशाखपट्टनम पतन	2. ओडिसा, झारखण्ड व छत्तीसगढ़
3. पाराद्वीप पतन	3. आंध्र प्रदेश व तेलंगाना
4. कोलकता पतन	4. मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश
5. मुम्बई पतन	5. तमिलनाडु व पुदुच्चेरी

उत्तर-

पतन	**पृष्ट प्रदेश**
1. चेन्नई पतन	1. तमिलनाडू व पुदुच्चेरी
2. विशाखपट्टनम पतन	2. आंध्र प्रदेश व तेलंगाना
3. पाराद्वीप पतन	3. ओडिसा, झारखण्ड व छतीसगढ़
4. कोलकता पतन	4. प. बंगाल, बिहार, सिक्किम व उतर पूर्वी राज्य
5. मुम्बई पतन	5. मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उतरप्रदेश

23. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महासागरीय मार्गो की तुलना में वायु मार्गो की भूमिका कम होने के कारण लिखिए।

उत्तर- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन लंबी दूरी तक उच्च मूल्य और शीघ्र खराब होने वाले सामान को कम समय में लाने व ले जाने के लिए लाभदायक है। परन्तु परिवहन का महंगा साधन होने तथा भारी सामान को लाने व ले जाने में अनुपयुक्त होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन की भागीदारी कम है।

24. भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तटों पर पत्तनों की अवस्थिति में पायी जाने वाली भिन्नता के क्या कारण है ?

उत्तर- भारत के पूर्व तट की अपेक्षा पश्चिमी तट पर अधिक पतन है, क्योंकि पूर्वी तट पश्चिमी तटों की तुलना में उथले है, जहाँ नदियों के डेल्टाई भागों में बालू का निक्षेपण मिलता है। इसके अतिरिक्त पश्चिमी तटीय भागों पर स्थित पत्तनों का पृष्ठ प्रदेश अपेक्षाकृत अधिक विकसित एवं संपन्न मिलता है। इस कारण भारत के पश्चिमी तट पर अपेक्षाकृत अधिक पत्तन मिलते है।

पश्चिमी तट पर मुख्यतः कांडला, मुम्बई, जवाहरलाल नेहरू (न्हावा-शेवा) मार्मागाओ, न्यू मंगलौर और कोच्चि बन्दरगाह स्थित है।

पूर्वी तट पर मुख्यतः कोलकाता, हल्दिया, पारादीप, विशाखापट्टनम, चैन्नई, एन्नौर व तूतीकोरिन बन्दरगाह स्थित है।

25. भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में निर्यात की मदों के बदलते स्वरूप को संक्षेप में बताइए।

उत्तर- 1. भारत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में तीव्र गति से वृद्धि हुई है।
2. कृषि एवं समवर्गी उत्पाद के निर्यात में हिस्सा बढ़ा है।
3. पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात घटा है।
4. विनिर्मित वस्तुओं की भागीदारी बढ़ी है।
5. अयस्क व खनिजों के निर्यात में कमी आई है।

26. भारत के प्रमुख व्यापारिक साझीदार देश कौन-कौन से है ?

उत्तर- भारत के प्रमुख व्यापारिक साझीदार देश- संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का सबसे बड़ा (10.3 प्रतिशत) व्यापारिक साझेदारी करने वाला देश है। इसके बाद महत्व के आधार क्रमशः चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, बेल्जियम, जर्मनी, सिंगापुर, स्विट्जरलैण्ड, हांगकांग, जापान तथा मलेशिया नामक देश रहे।

27. समुद्री पत्तन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रवेश द्वार के रूप में जाने जाते है ?

उत्तर- समुद्री पत्तन किसी जलमार्ग पर अवस्थित वह स्थान होता है जहाँ व्यापारिक माल को लादने एवं उतारने के लिए जलयान ठहर सकते है। अंग्रेजी भाषा का पोर्ट (Port) शब्द लैटिन भाषा के पोर्टा (Porta) शब्द से बना है जिसका अर्थ के प्रवेश द्वार' होता है। इसके द्वारा विभिन्न वस्तुओं के आयात व निर्यात का संचालन होता है। अतः समुद्री पत्तन को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रवेश द्वार कहते है।

28. जवाहरलाल नेहरू पत्तन कहां स्थित है ? इसकी प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

उत्तर- जवाहरलाल नेहरू पत्तन मुम्बई के समीप 'न्हावाशेवा' नामक स्थान पर स्थित है। इस पत्तन का विकास मुम्बई पत्तन पर बढ़ते परिवहन दबाव को कम करने के उद्देश्य से किया गया था। इसका विकास एक अनुषंगी (जुड़वाँ) पत्तन के रूप में किया गया था। यह भारत का विशालतम कंटेनर पत्तन है।

29. मार्मागाओ पत्तन के बारे में आप क्या जानते है ? संक्षेप में बताइए।

उत्तर- मुम्बई से लगभग 400 किमी दक्षिण में स्थित मार्मागाओं गोआ राज्य में जुआरी नदमुख पर अवस्थित एक प्राकृतिक पत्तन है। इस बन्दरगाह से जापान को लौह अयस्क के निर्यात का निपटान किये जाने से (सन् 1961 में हुए पुनर्प्रतिरूपण के बाद) इस पत्तन का महत्व बढ़ गया। इस पत्तन का पृष्ठ प्रदेश गोवा, महाराष्ट्र के दक्षिण-पश्चिमी भाग तथा पश्चिमी कर्नाटक राज्य पर विस्तृत है। कोकण रेलवे के निर्माण के बाद इस पत्तन के पृष्ठ प्रदेश में पर्याप्त विस्तार हुआ है।

शेखावाटी मिशन-100

30. कोच्चि पत्तन के बारे में आप क्या जानते है ?

उत्तर- केरल राज्य में बेंवानद कायाल (जिले अरब सागर की रानी के नाम से भी जाना जाता है।) के मुहाने पर स्थित कोच्चि एक प्राकृतिक पत्तन है। इस पत्तन को स्वेज-कोलंबो मार्ग के निकट अवस्थित होने का लाभ प्राप्त है। इस पत्तन के पृष्ठ प्रदेश में केरल, दक्षिणी कर्नाटक तथा दक्षिणी-पश्चिमी तमिलनाडु सम्मिलित है।

अध्याय-09 भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

1. निम्नलिखित में सर्वाधिक प्रदुषित नदी कौनसी है ?
   (1) ब्रह्मपूत्र (2) यमुना
   (3) सतलुज (4) गोदावरी (2)
2. निम्नलिखित में कौनसा रोग जल जन्य है ?
   (1) नेत्रलेस्मा शोथ (2) श्वसन संक्रमण
   (3) अतिसार (4) श्वसनली शोथ (3)
3. निम्नलिखित में कौनसा अम्ल वर्षा का एक कारण है ?
   (1) जल प्रदुषण (2) शोर प्रदूषण
   (3) भूमि प्रदूषण (4) वायु प्रदूषण (4)
4. कौनसी गैस ओजोन परत को नुकसान पहुँचाती है ?
   (1) नाइट्रोजन (2) क्लोरो फ्लोरो कार्बन
   (3) ऑक्सीजन (4) सल्फर (2)
5. हेपेटाइटिस बीमारी का मुख्य कारण है ?
   (1) ध्वनि प्रदुषण (2) वायु प्रदुषण
   (3) जल प्रदुषण (4) भू-प्रदुषण (3)
6. धारावी गंदी बस्ती किस राज्य में है ?
   (1) गुजरात (2) दिल्ली
   (3) महाराष्ट्र (4) राजस्थान (3)
7. निम्न में से भू-निम्नीकरण का कारक नहीं है ?
   (1) मृदा- अपरदन (2) लवणता
   (3) भू-क्षारता (4) उर्वरक (4)
8. ध्वनि के मापन की ईकाई है ?
   (1) न्यूटन (2) रिएक्टर
   (3) डेसीबल (4) मीटर (3)
9. धरातलीय जल में नाइट्रेट की मात्रा बढ़ने का कारण है ?
   (1) कीटनाशक (2) उर्वरक
   (3) घरेलू अपशिष्ट (4) जीवाश्म ईंधन दहन (2)

अति लघुतरात्मक प्रश्न

1. वायु प्रदूषण के कोई चार स्त्रोत लिखिए-

उत्तर- 1. धुआँ 2. जीवाश्म ईंधन का दहन
3. कुहासा (कुहरा) 4. खनन

2. अम्लीय वर्षा का मुख्य कारण क्या है ?

उत्तर- उद्योगों से निकलने वाले गंधक व नाइट्रोजन के आक्साइड अम्लीय वर्षा का मुख्यकारण है।

3. धुम्र कोहरा किसे कहते है ?

उत्तर- औद्योगिक नगरों में जब प्रदूषित गैसे व प्रदूषक तत्व सामान्य रूप से पड़ने वाले कोहरे में मिल जाते है तो उसे धुम्र, कोहरा कहते है।

4. पर्यावरण प्रदुषण क्या है ?

उत्तर- पर्यावरण प्रदुषण मानवीय क्रिया कलापों के अवशिष्ट उत्पादों से मुक्त द्रव्य एवं ऊर्जा का परिणाम है।

5. जल प्रदुषण रोकने के कोई दो उपाय बताइये ।

उत्तर- 1. औद्योगिक अपशिष्ट को जल स्त्रोत में नहीं छोड़ा जाये
2. घरेलु अपशिष्ट को जल स्त्रोत में नहीं बहाया जाये।

6. वायु प्रदुषण से होने वाले दो बीमारियों के नाम बताइये ?

उत्तर- 1. श्वसन तंत्र रोग
2. रक्त संचरण संबंधी रोग

7. ध्वनि प्रदुषण के प्रमुख स्त्रोत क्या है ?

उत्तर- विविध उद्योग, मशीनीकृत निर्माण, तीव्रचालित मोटर वाहन, लाऊडस्पीकर, वायुयान आदि।

8. भू-निम्नीकरण क्या है ?

उत्तर- कृषि योग्य भूमि पर दबाव के कारण इसकी गुणवत्ता में कमी या अस्थायी उत्पादकता में कमी भू-निम्नीकरण कहलाती है ।

9. नमामि गंगे कार्यक्रम क्या है ?

उत्तर- गंगा नदी का राष्ट्रीय महत्व है अतः इसकी सफाई के लिए चलाया गया कार्यक्रम है।

10. भू-प्रदुषण के प्रमुख स्त्रोत कौनसे है ?

उत्तर- अनुचित मानव क्रियाकलाप, औद्योगिक अपशिष्ट, कीटनाशक पीड़कनाशी व रासायनिक उर्वरक का उपयोग।

लघुतरात्तमक प्रश्न

1. भारत सरकार ने शहरी गंदी बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए कौनसा अभियान चलाया है ?

उत्तर- स्वच्छ भारत मिशन।

2. प्रदूषित जल के उपयोग से होने वाली बिमारियों के नाम लिखिए।

उत्तर- दस्त (डायरिया), आँतों के कृमि, हैजा, पीलिया

3. सर्वाधिक जल प्रदूषक उद्योग कौन-कौनसे है।

उत्तर- चमड़ा उद्योग, लुगदी व कागज उद्योग, वस्त्र व रसायन उद्योग आदि।

4. ठोस अपशिष्ट से होने वाली किन्हीं दो बिमारियों के नाम लिखिए।

उत्तर- टायफाइड (मियादी बुखार), गलघोटू (डिफ्थीरिया) हैजा आदि।

5. नगरीय अपशिष्टों का किन दो स्त्रोतों से निपटान होता है ?

उत्तर- 1. घरेलू प्रतिष्ठानों से 2. व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से

6. ध्वनि प्रदूषण स्थान विशिष्ट कैसे होता है-

उत्तर- ध्वनि की तीव्रता प्रदूषण के स्त्रोत जैसे औद्योगिक क्षेत्र, परिवहन मार्ग, हवाई अड्डे आदि मुख्य मार्ग से कम होती जाती है।

7. नगरीय ठोस कचरे में क्या-क्या होता है ?

उत्तर- नगरीय ठोस कचरे में विभिन्न प्रकार की पुरानी व अप्रयुक्त सामग्री जैसे- जंग लगी पिन, टूटे काँच के सामान, प्लास्टिक के डिब्बे, पोलिथिन की थैलियाँ, रद्दी कागज, राख, फ्लॉपियाँ, सी. डी. आदि शामिल होता है।

शेखावाटी मिशन-100

8. भू-निम्नीकरण दो प्रक्रियाओं द्वारा तीव्रता से होता है वे कौन- कौनसी है ?

उत्तर- 1. प्राकृतिक प्रक्रियाएँ- प्राकृतिक खड्ड, मरूस्थलीय भूमि, बंजर चट्टानी क्षेत्र, तीव्र ढ़ाल वाली भूमि तथा हिमानी क्षेत्र।

2. मानव जनित प्रक्रियाएँ :- स्थानांतरित कृषि क्षेत्र, रोपण कृषि क्षेत्र, खनन व औद्योगिक व्यर्थ क्षेत्र जो मानवीय प्रक्रियाओं से कृषि के अयोग्य हुई है।

9. भू-निम्नीकरण के लिए उत्तरदायी कारक कौन-कौनसे है ?

उत्तर- मृदा अपरदन, लवणता (जलाक्रांतता) तथा भू-क्षारता से भू-निम्नीकरण होता है।

10. भू-निम्नीकरण की रोकथाम के सुझाव लिखिए ?

उत्तर- 1. सिंचाई के साधनों का उचित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।

2. कृषि में कीटनाशक रसायनों का सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।

3. जल संरक्षण व प्रबंधन के लिए जल संग्रहण की विभिन्न विधियों का उपयोग करना चाहिए।

11. धारावी बस्ती पर टिप्पणी लिखिए ?

उत्तर- धारावी एशिया की विशालतम गंदी बस्ती (स्लम) है जो मुम्बई (महाराष्ट्र) में स्थित है इस गंदी बस्ती से केवल एक मुख्य सड़क गुजरती है जिसे नांइटीफ्रुट रोड़ के नाम से जाना जाता है। यह रोड़ अपनी चौड़ाई में घटकर आधे से भी कम रह गयी है। इस बस्ती की गलियाँ बहुत संकरी है। इसमें तिपहिया वाहनों का प्रवेश निषेध है। यहां सभी जगह कूड़ा कचरा बिखरा रहता है। यहा एक कमरे में 10 से 12 लोग रहते है। इस गंदी बस्ती में मूल्यवान एवं उपयोगी सामान बनाये जाते है।

12. अम्ल वर्षा के लिए उत्तरदायी प्रदूषण कौनसा है ?

उत्तर- वायु प्रदूषण

13. जल प्रदूषण के लिए कौन-कौनसी सांस्कृतिक गतिविधियाँ उत्तरदायी है ?

उत्तर- तीर्थ यात्रा, धार्मिक मेले व पर्यटन आदि।

14. ध्वनि प्रदूषण किसे कहते है ? तथा इसके स्त्रोत कौन-कौनसे है ?

उत्तर- मानव सहन क्षमता से अधिक ऊँची ध्वनि का स्तर ध्वनि प्रदूषण कहलाता है। विविध उद्योग, मशीनीकृत निर्माण, तीव्र चालित मोटर-वाहन, वायुयान, सायरन, लाउडस्पीकर फेरी वाले, विज्ञापन मीडिया आदि इसके स्त्रोत है।

15. विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार भारत में लगभग एक-चौथाई संचारी रोग किसके द्वारा होते है ?

उत्तर- जल-जनित।

16. केन्द्र सरकार के द्वारा चलाए गए ''नमामि गंगे'' कार्यक्रम के पाँच उद्देश्य लिखिए ?

उत्तर- 1. शहरों में सीवर ट्रीटमेंट की व्यवस्था कराना।

2. औद्योगिक प्रवाह की निगरानी।

3. नदियों का विकास व नदियों के तल की सफाई।

4. नदी के किनारों पर वनीकरण जिससे जैवविविधता में वृद्धि हो।

5. उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड में ''गंगा ग्राम'' का विकास करना।

17. भारत में गंदी बस्तियों की कोई चार समस्या लिखिए ?

उत्तर- 1. उच्च जनसंख्या घनत्व के कारण गंदी बस्तियाँ न्यूनतम वांछित आवासीय क्षेत्र होते है जहाँ स्वास्थ्य सुविधा, खुली हवा, प्रकाश आदि आधारभूत आवश्यकताओं का अभाव होता है।

2. कम वेतन प्राप्त होने के कारण इन बस्तियों में निवास करने वाले लोग अपने बच्चों को उचित शिक्षा दिलाने में सक्षम नहीं होते है।

3. अति निम्न सफाई व्यवस्था के कारण तथा जगह-जगह फैले कूड़ा-करकट से पर्यावरण प्रदूषण की गंभीर समस्या पाई जाती है।

4. इन बस्तियों में गरीबी के कारण विभिन्न सामाजिक बुराईयां जैसे- नशीली दवाओं व शराब का सेवन, जुआ गुंडागर्दी, अपराध, पलायन और अंततः सामाजिक बहिष्कार के प्रति उन्मुख करती है।

भारत के मानचित्र में निम्नलिखित केन्द्रों/ स्थानों को दर्शाइये।

1. प्रमुख तेल शोधनशालाएँ तथा तेल उत्पादक क्षेत्र -

उत्तर- 1. मथुरा 2. बरौनी
3. हल्दिया 4. चेन्नई
5. नुमालीगढ़ 6. बीना
7. जामनगर 8. कोयली
9. डिग्बोई 10. कोचीन
11. मम्बई हाई 12. अंकलेश्वर

2. प्रमुख रेलमण्डलों के मुख्यालय:-

उत्तर- 1. हाजीपुर 2. भुवनेश्वर
3. गोरखपुर 4. बिलासपुर
5. जबलपुर 6. मालीगाँव (गुवाहाटी)
7. सिकन्दराबाद

3. प्रमुख लौह इस्पात उद्योग केन्द्र:-

उत्तर- 1. भद्रावती 2. भिलाई
3. राउरकेला 4. बोकारो
5. जमशेदपुर 6. दुर्गापुर 7. आसनसोल

4. प्रमुख पतन:-

उत्तर- 1. कांडला 2. कोच्चि
3. चेन्नई 4. पाराद्वीप
5. मार्मागोआ 6. तूतीकोरन
7. विशाखापट्टनम 8. मुम्बई

5. प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र:-

उत्तर- 1. हुगली क्षेत्र 2. बंगलौर-तमिलनाडु क्षेत्र
3. गुड़गाव-दिल्ली-मेरठ क्षेत्र 4. मुम्बई-पुणे क्षेत्र
5. विशाखापट्टनम- गुंटुर क्षेत्र 6. छोटानागपुर क्षेत्र
7. गुजरात क्षेत्र

शेखावाटी मिशन-100

6. प्रमुख हवाई अड्डे-

उत्तर- 1. दिल्ली 2. उदयपुर
3. बेंगलूरू 4. पटना
5. जोधपुर 6. अमृतसर
7. हैदराबाद 8. श्रीनगर
9. नागपुर 10. जयपुर
11. गुवाहाटी 12. कोयम्बटूर
13. तिरुवन्तपुरम

7. प्रमुख सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्कः-

उत्तर- 1. दिल्ली 2. नोएडा
3. श्रीनगर 4. गांधीनगर
5. इंदौर 6. लखनऊ
7. बेंगलूरू 8. चेन्नई
9. पुणे 10. जयपुर

8. प्रमुख लौह धात्विक खनिज-

उत्तर- 1. कुदेमुख 2. तुमकुरू
3. बेल्लारी 4. मयूरभंज
5. सुंदरगढ़ 6. बालाघाट
7. बोमडिला 8. रत्नागिरी
9. मंगलूरू 10. नागपुर
11. भंडारा 12. गुआ।

9. अलौह धात्विक खनिज (ताँबा व बॉक्साइट):-

उत्तर- 1. खेतड़ी 2. भीलवाड़ा
3. कटनी 4.अमरकंटक
5. हजारीबाग 6. सिंहभूम
7. बिलासपुर 8. कोरापुट
9. अलवर 10. उदयपुर

10. परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत (कोयला, तेल एवं गैस क्षेत्र)-

उत्तर- 1. मुम्बई-हाई 2. नेवेली
3. सिंगरेनी 4. तलचर
5. सिंगरौली 6. मोरान
7. माकूम 8. जगदीशपुर
9. विजयपुर 10. उदयपुर
11. पटना

शेखावाटी मिशन-100

उच्च माध्यिमिक परीक्षा-2025-2026

समयः 3 घण्टे 15 मिनट विषयः- भूगोल पूर्णांक-56

नोट सभी प्रश्न करना अनिवार्य है-

खण्ड-अ

प्रश्न- 1. बहुविकल्पी प्रश्नों (i से xviii) के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए। $\frac{1}{2}\times18=9$

(i). नव निश्चयवाद की संकल्पा किसने प्रस्तुत की ?
(1) रीटर (2) रैटजेल
(3) ग्रिफिथ टेलर (4) ऐलेन सी सेम्पल

(ii). मानव भूगोल के अध्ययन की कौनसी विचारधारा मानव जाति, प्रजाति, धर्म आधारित सामाजिक वर्गों पर जोर देती है ?
(1) मानवतावादी (2) व्यवहारवादी
(3) आमूलवादी (4) नियतिवादी

(iii). अन्तराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने मानव विकास के किस उपागम का प्रतिपादन किया ?
(1) आय उपागम
(2) कल्याण उपागम
(3) क्षमता उपागम
(4) आधारभूत आवश्यकता उपागम

(iv). निम्न में से कौनसा एक विरल जनसंख्या वाला क्षेत्र नहीं है ?
(1) अटाकामा (2) भूमध्यरेखीय प्रदेश
(3) दक्षिण-पूर्वी एशिया (4) ध्रुवीय प्रदेश

(v). प्राचीनतम ज्ञात आर्थिक क्रियाएँ है ?
(1) भोजन संग्रह -कृषि (2) खनन - कृषि
(3) पशुचारण - खनन (4) भोजन संग्रहण - आखेट

(vi). जनांकिकीय संक्रमण की किस अवस्था में उच्च प्रजननशीलता व उच्च मर्त्यता पायी जाती है ?
(1) प्रथम अवस्था (2) अन्तिम अवस्था
(3) 1 और 2 दोनों (4) द्वितीय अवस्था

(vii). बाह्य-स्त्रोतन गतिविधि किस क्रियाकलाप का अंग है ?
(1) द्वितीयक (2) तृतीयक
(3) चतुर्थक (4) पंचम

(viii). निम्न में से सुमेलित नहीं है ?
(1) स्वचालित वाहन उद्योग - लांस एजिल्स
(2) वायुयान निर्माण उद्योग - फ्लोरेंस
(3) पोत निर्माण उद्योग - लूसाका
(4) लौह-इस्पात उद्योग - पिट्सबर्ग

(ix). विश्व में 'सहकारी आंदोलन को सर्वाधिक सफलता किस देश में मिली -
(1) नार्वे (2) नीदरलैण्ड
(3) डेनमार्क (4) ब्रिटेन

(x). परिवहन का तीव्रतम साधन है ?
(1) वायु परिवहन (2) जल परिवहन
(3) रेल परिवहन (4) इनमें से कोई नहीं

(xi). ''गैरिसन'' नगर का उदाहरण है-
(1) हरिद्वार (2) उज्जैन
(3) अंबाला (4) पुष्कर

(xii). भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर कितने प्रतिशत है ?
(1) 1.54% (2) 1.64%
(3) 3.18% (4) 2.0%

(xiii). किस राज्य में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत पाया जाता है-
(1) बिहार (2) उत्तर प्रदेश
(3) महाराष्ट्र (4) गोवा

(xiv). आर्थिक वृद्धि के नोड के रूप में कार्य करते है ?
(1) नगर (2) संचार
(3) गाँव (4) ये सभी

(xv). वोल्गा जलमार्ग स्थित है-
(1) रूस (2) अमेरिका
(3) फ्रांस (4) भारत

(xvi). भरमौर जनजातिय क्षेत्र में किस जनजातिय समुदाय का आवास है ?
(1) गद्दी (2) भील
(3) गरासिया (4) मीणा

(xvii). राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या-1 गंगा नदी पर किन स्थानों के मध्य स्थित है-
(1) इलाहाबाद - हल्दिया (2) हल्दिया - पटना
(3) इलाहाबाद - बनारस (4) कोई नहीं

(xviii). गाँवों को किसने आदर्श गणतंत्र माना था ?
(1) बाल गंगाधर तिलक (2) जवाहर लाल नेहरू
(3) इन्दिरा गांधी (4) महात्मा गांधी

प्रश्न- 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए- $\frac{1}{2}\times10=5$

(i). विश्व की जनसंख्या .... रूप से वितरित है।
(ii). व्यवहारवादी भूगोल .... उपक्षेत्र है ?
(iii). मानव विकास के .... स्तम्भ होते है।
(iv). .... उद्योग निर्माण की सबसे छोटी ईकाई है।
(v). अलास्का के उत्तरी प्रदेशों में .... पशु पाला जाता है।
(vi). स्थानान्तरणशील कृषि को .... एवं .... कृषि भी कहते है।
(vii). .... में विश्व का सघनतम रेल तंत्र पाया जाता है।
(viii). बस्तियाँ आकार और .... में भिन्न होती है।
(ix). वस्तु, विचार, संदेश आदि कारको का आदान-प्रदान .... कहलाता है।
(x). किसी उद्योग के द्वारा तैयार किए गये पदार्थ को .... कहा जाता है।

प्रश्न- 3. अतिलघुतरात्मक प्रश्नः- $1\times9=9$

(i). उत्प्रवास से क्या आशय है स्पष्ट कीजिए-
(ii). मुम्बई हाई कहां स्थित है ?
(iii). ऋतु प्रवास से क्या तात्पर्य है ?
(iv). कांडला पत्तन को विकसित करने का क्या कारण था ?
(v). अंकीय विभाजक को परिभाषित कीजिए
(vi). भारत की वे दो बहुउद्देश्य परियोजनाओं के नाम लिखिए।
(vii). संदूषित जल के उपयोग से होने वाली कोई दो बीमारियों के नाम लिखिए।
(viii). उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम गलियारा कौन-कौन से शहरो को जोड़ता है।
(ix). सहकारी कृषि किसे कहते है ?

शेखावाटी मिशन-100

खण्ड-ब

लघुत्तरात्मक प्रश्नः-

प्रश्न- 4.नव-निश्चयवाद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ? $1\frac{1}{2}$

प्रश्न- 5. मानव विकास के आय तथा क्षमता उपागम से आप क्या समझते है ? $1\frac{1}{2}$

प्रश्न- 6. जल परिवहन के लाभ बताइये ? $1\frac{1}{2}$

प्रश्न- 7. धनात्मक एवं ऋणात्मक भुगतान संतुलन को स्पष्ट कीजिए। $1\frac{1}{2}$

प्रश्न- 8. सतत् पोषणीय विकास को बढ़ाव देने वाले उपाय सुझाइए ? $1\frac{1}{2}$

प्रश्न- 9. भौम जल ससाधन के अत्यधिक उपयोग से उत्पन्न दुष्परिणामों की विवेचना कीजिए। $1\frac{1}{2}$

प्रश्न- 10. भारत की गंदी बस्तियों की कोई तीन समस्याएं लिखिए। $1\frac{1}{2}$

प्रश्न- 11. प्रौद्योगिक ध्रुव से आप क्या समझते है समझाइए। $1\frac{1}{2}$

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न- 12. जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले आर्थिक कारको की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

मिश्रित कृषि एवं डेयरी कृषि को समझाइए। 3

प्रश्न- 13. आप कृषि योग्य भूमि निम्नीकरण के लिए किन कारको को उत्तरदायी मानते हो किन्हीं दो कारको का उल्लेख कीजिए। 3

अथवा

जल गुणवत्ता में ह्रास के कारणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

प्रश्न- 14. भारत में खनिज की किन्हीं दो पेटियों का वर्णन कीजिए। 3

अथवा

नियोजन के उपागमनों के विषय में विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड-द

निंबधात्मक प्रश्न

प्रश्न- 15. पर्यटन आकर्षण से आप क्या समझते है विस्तार से वर्णन कीजिए।

अथवा

आकार के आधार पर उद्योगों के कितने प्रकार है विस्तार से विवेचना कीजिए। 4

प्रश्न- 16. निर्माण एवं रख-रखाव के उद्देश्य से सड़कों के वर्गीकरण का वर्णन कीजिए। 4

अथवा

पश्चिमी तट पर अवस्थित पत्तनों का वर्गीकरण को समझाइये।

प्रश्न- 17. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित केन्द्रों को अंकित कीजिए।

(अ) न्यूयार्क (ब) बीजिंग (स) पर्थ (द) डेनमार्क 2

प्रश्न- 18. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित केन्द्रों को अंकित कीजिए।

(अ) बेलाड़िला (ब) खेतड़ी (स) डिगबोई (द) दुर्ग

$\frac{1}{2}\times 4 = 2$

शेखावाटी मिशन-100